फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

दिल्ली, शनिवार 18 अक्टूबर 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 22 अंक : 188 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

किन्नरों के साथ अब नहीं चलेगा कोई भेदभाव

● जॉब से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक रखी जाएगी नजर

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, एक विशेष समिति गठित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक बड़े फैसले में ट्रांसजेंडरों को समान अधिकार सुनिश्चित करवाने के लिए बहुत बड़ी पहल की है। शुक्रवार को सर्वोच्च अदालत ने किन्नरों को रोजगार के समान मौके, इलाज का समान अवसर सुनिश्चित करवाने और लैंगिक भेदभाव से बचाने के लिए समर्पित समिति गठित की है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला एक ट्रांसवुमन को मुआवजे का आदेश देने के साथ आया है, जिसकी दो राज्यों में टीचर के रूप में नियुक्ति इस वजह से नहीं हो पाई, क्योंकि वह किन्नर है। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने थर्ड जेंडर के भविष्य को सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर देते हुए यह फैसला सुनाया है। इसी के साथ अदालत ने उन्हें समान अवसर, सुरक्षा और समावेशी चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति उनके समान अधिकार सुनिश्चित करवाने के काम की निगरानी करेगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया है कि समिति समान अवसर, समावेशी स्वास्थ्य

सुविधा, जेंडर की पुष्टि नहीं करने वाले लोगों की सुरक्षा देखेगी। हमने याचिकाकर्ता को इस वजह से मुआवजा दिया है कि कैसे उसे सेवा से हटा दिया गया। हमें उम्मीद है कि इससे थर्ड जेंडर का भविष्य सुरक्षित होगा। हमने गाइडलाइंस तैयार की हैं और कोई भी संस्था जिनके पास गाइडलाइंस नहीं है, वे केंद्र की ओर से नीति लाए जाने तक इसका पालन करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार इस समिति की अगुवाई रिटायर्ड जस्टिस आशा मेनन करेंगी। इनके अलावा समिति में ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट ग्रेस बानु, अकाई पद्माशाली, गौरव मंडल, मेंबर ऑफ सीएलपीआर बेंगलुरु डॉ. संजय शर्मा, एमिकस क्यूरी के तौर पर वरिष्ठ वकील जयना कोठारी शामिल रहेंगे। दरअसल, एक ट्रांसवुमन की टीचर के तौर पर नियुक्ति उत्तर प्रदेश और गुजरात की दो प्राइवेट स्कूलों ने रद्द कर दी थी। शुरू में दोनों जगहों से उनका नियुक्ति पत्र जारी किया गया था। लेकिन, यूपी में सिर्फ 6 दिन पढ़ाने दिया गया, लेकिन गुजरात में तो ज्वाइन भी नहीं करने दिया गया। इस मामले से यह गंभीरता सामने आई कि किन्नर होना उसके रोजगार में बाधक बन गया।

बंगाल के दुर्गापुर गैंगरेप केस में नया खुलासा

● पीड़ित एक आरोपी की गर्लफ्रेंड वॉटसएप चैट से मिला सुराग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एमबीबीएस स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार 6 आरोपियों में से एक पीड़ित का बॉयफ्रेंड है। दोनों रिलेशन में थे, 10

अक्टूबर को जब स्टूडेंट के साथ रेप हुआ, तो वह बॉयफ्रेंड के साथ ही कॉलेज कैंपस से बाहर गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि जिस आरोपी को सबसे आखिरी में अरेस्ट किया गया। वह पीड़ित का क्लासमेट है और वे घटना वाली रात डेट पर बाहर गए थे। दोनों के रिलेशनशिप का खुलासा उनकी वॉट्सएप चैट से भी हुआ। पुलिस के अनुसार, पीड़ित और उसके दोस्त ने बताया कि घटना वाली रात वे एक श्मशान घाट के पास जंगल में गए थे। वहां तीन बदमाशों ने उनका पीछा किया और अचानक हमला कर दिया।

पाकिस्तान आर्मी कैंप पर टीटीपी का बड़ा हमला

● हमलावर ने मिलिट्री कैंप से टकराई विस्फोटकों से भरी कार,7 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में शुक्रवार को एक बार फिर सुरक्षाबलों पर विद्रोही गुट टीटीपी ने हमला किया है। पाकिस्तान की सरकारी मीडिया पीटीवी ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली जिले में सैन्य शिविर पर हुए आत्मघाती हमले में सात पाक सैनिकों की मौत हुई है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि अफगान सीमा के पास आत्मघाती हमले में 7 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इस दौरान हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने चार हमलावरों को मार गिराने का दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक हमलावर ने मीर अली में सुरक्षा बलों पर आत्मघाती हमला किया।

भारत के पड़ोस में तैनात होंगे तुर्की के लड़ाकू ड्रोन

● एयर डिफेंस सिस्टम भी लगेगा, खलीफा एर्दोगन ने फाइनल की डील

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश और तुर्की के बीच एक बड़े रक्षा समझौते पर बात चल रही है। तुर्की के साथ

बांग्लादेश का यह रक्षा समझौता तकरीबन फाइनल हो चुका है। इसके तहत ढाका को लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली तुर्की से मिलेगी। साथ ही बांग्लादेश को ना सिर्फ तुर्की से लड़ाकू ड्रोन मिलने जा रहे हैं बल्कि उसे ड्रोन के सह-उत्पादन का भी मौका मिलेगा। एक्सपर्ट ने बांग्लादेश की सैन्य ताकत बढ़ाने वाली इस डील को ऐतिहासिक और दक्षिण एशिया के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलावों में से एक कहा है। ढाका स्थित डैफोडिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के विजिटिंग स्कॉलर एमडी ओबैदुल्लाह ने एशिया टाइम्स में अपने लेख में कहा है कि यह सिर्फ हथियार सौदा नहीं है।

आसमान में स्वदेशी योद्धा! तेजस ने भरी पहली उड़ान

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रॉडक्शन यूनिट का किया उद्घाटन

नासिक (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को मार्क 1 ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में तेजी लाने के मकसद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र के नासिक में तीसरी प्रोडक्शन लाइन शुरू की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। नासिक के ओझर की इस फेसिलिटी में बने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने शुक्रवार को पहली उड़ान भरी। इस प्रोडक्शन

● यहां हर साल 8 तेजस बनाए जाएंगे,अभी आठ बनाए जा रहे

लाइन के जरिए वायुसेना को 2032-33 तक 180 तेजस विमानों की आपूर्ति करने में मदद करेगी। यहां अभी आठ फाइटर जेट बनाए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 10 किया जा सकता है। वायुसेना के लिए तेजस विमान बना रही एचएएल को सितंबर में ही अमेरिका ने इसका चौथा इंजन भेजा था। इस फाइटर जेट की खूबियों में से एक है कि इसके विंग्स (पंखों) में 9 जगह मिसाइलें फिट होती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर तेजस मार्क-1ए की औसत कीमत 600 करोड़ रुपए है। फाइटर जेट रफ्तार 2205 किमी/घंटा यानी ध्वनि से भी करीब दोगुनी तेज है। इसका प्रोडक्शन देश की 500 से ज्यादा घरेलू कंपनियों ने मिलकर किया है, इसलिए इसे स्वदेशी तेजस भी कहा जा रहा है। केंद्र ने 19 अगस्त को वायुसेना को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने की हरी झंडी दी थी। इसके बाद 25 सितंबर को रक्षा मंत्रालय ने एचएएलको कॉन्ट्रैक्ट दिया था। केंद्र ने एचएएल के साथ 62,370 करोड़ की डील की है। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे। तेजस मार्क-1ए के 65 फीसदी से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं। मार्क 1ए, सिंगल इंजन वाले तेजस एयरक्राफ्ट का एडवांस वर्जन है। यह चौथी पीढ़ी का हल्का लड़ाकू विमान है, जो कम वजन के बावजूद बेहद फुर्तीला है। इसमें अपग्रेडेड एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम लगे हैं। तेजस के पुराने वर्जन को भी एचएएल ने डेवलप किया है। इसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी और डीआरडीओ की मदद से बनाया गया है। इसे हवा, पानी और जमीन पर हमलों के लिए बनाया है।

मार्क-1 ए एयरक्राफ्ट वायुसेना के मिग-21 के बेड़े का रिप्लेसमेंट

यह मुश्किल हालात में भी अपने टारगेट को निशाना बना सकता है। मार्क-1A एयरक्राफ्ट वायुसेना के मिग-21 के बेड़े का रिप्लेसमेंट है। मिग-21 26 सितंबर को रिटायर हो चुका है। इसने 62 साल की सर्विस के दौरान 1971 युद्ध, कारगिल और कई बड़े मिशन में अहम भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 नवंबर 2022 को बेंगलुरु में तेजस फाइटर प्लेन में उड़ान भरी थी।

पहले 16 मंत्रियों का इस्तीफा फिर 26 मंत्रियों ने ली शपथ

गुजरात कैबिनेट में 19 नए चेहरे,3 महिलाओं को जगह

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में भाजपा ने महज 3 साल में सीएम भूपेंद्र पटेल के अलावा लगभग पूरी सरकार बदल दी। पार्टी ने गुरुवार को 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया और शुक्रवार को 26 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। कैबिनेट में 19 नए चेहरे हैं, जबकि पिछली बार के 6 मंत्री ही अपना पद कायम रख पाए हैं। वहीं, 8 ओबीसी, 3 एससी, 4 एसटी और 3 महिलाएं हैं। सीएम समेत 8 मंत्री पटेल समाज से हैं। खास बात यह है कि हटाए गए मंत्रियों पर न तो कोई आरोप था और न कोई कानूनी केस। इसके बावजूद सरकार में बड़े फेरबदल को गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा ने महज 3 साल में सीएम के अलावा पूरी सरकार को बदल दिया है। पार्टी ने भूपेंद्र पटेल के सभी 16 मंत्रियों से इस्तीफा देने को कहा, ताकि नया मंत्रिमंडल बनाने के लिए पूरी आजादी मिले। जानकारी के मुताबिक कई मंत्रियों का प्रदर्शन कमजोर था।

हर्ष सिंघवी का प्रमोशन, जडेजा की पत्नी भी मंत्री

शुक्रवार को सबसे पहले हर्ष संघवी ने शपथ ली। उन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया है। पहले वे राज्य के गृह मंत्री थे। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को भी मंत्री बनाया गया है। गुजरात कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिसमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री थे। अब यह संख्या बढ़कर 26 हो गई है। भूपेन्द्र पहली बार सितंबर 2021 में सीएम बने थे। तब विजय रूपाणी को अचानक हटाकर उन्हें सीएम बनाया था। फिर विधानसभा चुनाव के बाद 12 दिसंबर 2022 को वह तीसरी बार सीएम और 16 विधायक मंत्री बने।

यूपी मॉब लिंचिंग

दलित परिवार को डराया जा रहा,घर में बंद कर रखा है

फतेहपुर (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित हरिओम वाल्मीकि के परिवार से शुक्रवार को फतेहपुर में मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक माता-पिता, भाई और बहन से बातचीत की। बाहर निकलने पर उन्होंने कहा- परिवार को घर में बंद कर रखा है, इन्हें डराया जा रहा है। उन्होंने कहा,आज सुबह सरकार ने परिवार को मुझसे न मिलने की धमकी दी। जबरन वीडियो बनवाया। इसकी जानकारी परिवार ने मुझे दी। परिवार मुझसे मिले या न मिले, यह जरूरी नहीं है, बल्कि जरूरी यह है कि जो अपराधी हैं, उनके खिलाफ ऐक्शन

हो। दरअसल, राहुल के पहुंचने से करीब एक घंटे पहले हरिओम के भाई शिवम वाल्मीकि ने परिवार के साथ वीडियो जारी किया था। उन्होंने कहा था- राहुल गांधी राजनीति करने न आएं।

पंजाब डीआईजी के घर से 7 करोड़ नगद बरामद

चंडीगढ़ कोर्ट में चेहरा ढक कर पहुंचे हरचरण भुल्लर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और उनके बिचौलिए कृष्नु को शुक्रवार को चंडीगढ़ की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस दौरान भुल्लर ने रुमाल से चेहरा ढका हुआ था। इस पर जज ने कहा कि अपने चेहरे से रुमाल हटाइए। वहीं मीडिया के पूछने पर भुल्लर केवल इतना ही बोले- कोर्ट इंसाफ करेगा। इस बीच भुल्लर के वकील एचएस

धनोआ ने कहा कि भुल्लर को करीब 11.30 हिरासत में लिया गया, मगर गिरफ्तारी रात 8 बजे डाली है। डीआईजी की रात बुड़ैल जेल में कटेगी। भुल्लर के घर 21 घंटे तक सीबीआई की रेड चली। चंडीगढ़ के सेक्टर-40 स्थित घर से बरामद रकम 7 करोड़ तक पहुंच गई है।

इतनी बड़ी रकम 1 दिन में नहीं आई होगी: राज्यपाल

डीआईजी भुल्लर के केस में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इस स्तर पर भी अगर ऐसी घटनाएं हो रही हैं तो यह बेहद चिंताजनक है। हमें यह दिखाई क्यों नहीं दे रहा। हमारे पास इतना बड़ा प्रशासनिक अमला है, फिर भी ऐसी स्थिति पैदा हो गई। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता। अखबारों में खबर आई है कि सात करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। यह रकम एक दिन में तो इकट्ठी नहीं हुई होगी। इतना बड़ा पुलिस अफसर और इतना बड़ा विभाग होने के बावजूद, बाहर की एजेंसी को आकर कार्रवाई करनी पड़ी। भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात कहना आसान है।

रंग बिरंगी मिठाइयां आपकी सेहत को बिगाड़ सकती हैं : डॉ एमपी सिंह

मौहर पाल सिंह (भेदी नजर) फरीदाबाद नहर पार स्थित श्रद्धा मंदिर स्कूल में स्वास्थ्य और पर्यावरण को ठीक रखने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें देश के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद समाजशास्त्री दार्शनिक प्रोफेसर एमपी सिंह ने विद्यार्थियों और अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल त्योहारों का सीजन चल रहा है जिसमें अधिकतर लोग एक दूसरे को उपहार के तौर पर मिठाईयां प्रदान करके आशीर्वाद लें रहे हैं अगर आप भी मिठाईयां खरीदने जा रहे हैं तो रंग बिरंगी मिठाइयों से दूर रहे क्योंकि यह अधिकतर मिलावटी, बनावटी और नकली मिठाइयां होती है मिठाइयों के साथ-साथ दूध, दही, खोवा, पनीर भी नकली बेचा जा रहा है जिनको खाने से स्वास्थ्य खराब हो जाता है बनावटी मिठाइयां सस्ते दामों में बेची जाती है इसलिए अधिकतर लोग नकली मिठाइयों को ही खरीदते हैं जबकि उपायुक्त फरीदाबाद ने स्वास्थ्य विभाग को सैंपल लेने के लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं ताकि गलत मिठाई खाने से फूड पाइजनिंग ना हो स्वास्थ्य लाभ देने हेतु उपयुक्त फरीदाबाद के दिशा निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी जगह-जगह मिठाइयों के सैंपल भर रहे हैं और छापामारी भी कर रहे हैं उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर अधिकतर बच्चे बम पटाखे चलाते हैं जिस से कई बच्चों के हाथ जल जाते हैं कईओ के कपड़ों में आग लग जाती है जलती अवस्था मे झुग्गी झोपड़ी पर पटाखे गिरने से झुग्गी झोपड़ी स्वाहा हो जाती है कई बार गली मोहल्ले में खड़े सीएनजी, पेट्रोल, डीजल की गाड़ियों में भी आग लग जाती है इससे बचने के लिए इको फ्रेंडली पटाखे चलाने चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण और आगजनी घटनाओं से भी बचाव हो सके। इस अवसर पर विद्यालयके संस्थापक डॉ गजराज ने दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए डॉ एमपी सिंह का धन्यवाद किया।

अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया के पम्प हाउस को बिजली की हॉटलाइन से जोड़ने की मंजूरी मिली : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

● टांगरी नदी को गहरा करने के लिए अब 15 नवंबर से पुनः मिट्टी/सिल्ट निकालने का कार्य प्रारंभ होगा - अनिल विज ● ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक का निर्माण कार्य एक नवंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए ● ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी में विकास कार्यों को लेकर विभिन्न विभागों के साथ संयुक्त बैठक की

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया के पंप हाउस को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्ति करने के लिए पंप हाउस को हॉटलाइन से जोड़ने के लिए मंजूरी मिल गई है और जल्द ही पंप हाउस को हॉटलाइन से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, श्री विज ने कहा कि आगामी 15 नवंबर से टांगरी नदी में मिटटी/सिल्ट इत्यादि की निकालने का कार्य आरंभ किया जाएगा। श्री विज आज अम्बाला छावनी में विभिन्न विकास कार्यों को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों को जल्द पूरा करने के दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया की दीवार बनाने के कार्य का टेंडर हाई पॉवर परचेस कमेटी की बैठक में पारित किया जाएगा और उसके पश्चात दीवार निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा ताकि इंडस्ट्रियल एरिया का पानी से बचाव किया जा सके। बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को टांगरी नदी में मिट्टी/सिल्ट निकालने का कार्य 15 नवंबर तक प्रारंभ करने के निर्देश दिए। नदी को चंदपुरा से लेकर कोटकछुआ तक गहरा किया जाएगा जिससे बरसाती पानी की निकासी और बेहतर होगी। उन्होंने टांगरी नदी पर तीन स्थानों पर काजवे निर्माण का कार्य भी जल्द प्रारंभ कर तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, श्री विज द्वारा संबंधित अधिकारियों को रामगढ़ माजरा गांव से टांगरी नदी में पानी लिफ्ट करने हेतु पंप लगाने के भी निर्देश दिए गए। गौरतलब है कि नदी को गहरा करने का कार्य इसी वर्ष प्रारंभ कर दिया गया था, मगर बरसातों की वजह से इसे बीच में ही रोकना पड़ा था।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक में निर्माण कार्य एक नवंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए - बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक में निर्माण कार्य को एक नवंबर तक पूरा करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दिए तथा शेष कार्य जल्द पूरा करने को भी कहा। उन्होंने शहीदी स्मारक के कार्य से संबंधित जानकारी अधिकारियों से ली। साइंस म्यूजिक के संबंध में अधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को बताया कि साइंस म्यूजियम का टेंडर शुक्रवार 17 अक्टूबर को अलॉट होगा जिसके बाद इसके निर्माण का कार्य आरंभ किया जाएगा। मंत्री अनिल विज ने मच्छौंडा आरओबी निर्माण कार्य प्रारंभ करने के साथ-साथ टांगरी नदी बांध रोड का निर्माण कार्य भी जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने नगर परिषद को महेशनगर में बब्याल रोड के शेष हिस्से पर सीवरेज जल्द से जल्द डालने के निर्देश दिए ताकि शेष रोड का निर्माण पूरा किया जा सके।

डेयरियां शहर से बाहर ले जाने के लिए ब्राह्मण माजरा में जल्द बनाया जाए डेयरी काम्पलेक्स - विज - ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी शहरी क्षेत्र से डेयरियों को बाहर करने के लिए ब्राह्मण माजरा में डेयरी काम्पलेक्स का कार्य जल्द प्रारंभ करने के निर्देश नगर परिषद अधिकारियों को दिए। इसके अलावा, उन्होंने मल्टीलेवल पार्किंग में लिफ्ट लगाने के कार्य को जल्द पूरा करने, दीवाली से पहले खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने, स्टेडियम के समक्ष फुटबाल चौक का निर्माण कार्य प्रारंभ करने, बस क्यू शेल्टरों का निर्माण करने के साथ-साथ पंखे लगाने की मजबूत व्यवस्था करने, उगाड़ा-बाड़ा में खाली भूमि पर गौशाला स्थापित करने व अन्य दिशा-निर्देश दिए। इसी प्रकार, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने विद्युत निगम के अधिकारियों को सड़कों से ट्रांसफार्मर हटाने, सदर बाजार में अंडरग्राउंड बिजली की खराब तारों को आधुनिक मशीन के माध्यम से बदलने, टांगरी बांध रोड से 11 केवी लाइन के पोल शिफट करने एवं अन्य दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर सिंचाई विभाग के एसई मुनीष भारद्वाज, एक्सईएन कृष्ण भुक्कल, बिजली निगम के एसई वीके गोयल, एक्सईएन विकास, पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन रितेश अग्रवाल, नगर परिषद के ईओ देवेंद्र नरवाल, एक्सईएन सुरेंद्र व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स को प्राइवेट आयुष अस्पतालों में भी दी जा रही है ईलाज की सुविधा - आरती सिंह राव

● दो और प्राइवेट आयुष अस्पतालों को किया इम्पैनल्ड

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों/पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के ईलाज के लिए काफी सुविधाएं दे रही है। सरकारी अस्पतालों के अलावा कई प्राइवेट अस्पतालों को भी इम्पैनल्ड किया है ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार नजदीकी अस्पताल में ईलाज करवा सकें। कर्मचारियों की मांग पर प्रदेश सरकार ने कई प्राइवेट आयुष अस्पतालों को भी इम्पैनल्ड किया है। इस दिशा में कदम उठाते हुए विभाग ने दो और आयुष अस्पतालों को इम्पैनल्ड कर दिया है जिससे संख्या बढ़कर अब करीब एक दर्जन हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सरकार की ओर से झज्जर जिला में आयुष अस्पताल ÷संस्कारम हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर÷ , खेड़ी तालुका , पटौदा तथा हिसार जिला के बरवाला में स्थित ÷वेदामृता हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड÷ को इम्पैनल्ड किया है। हरियाणा के सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स तथा उनके आश्रित अब इन प्राइवेट आयुष अस्पतालों में भी ईलाज करवा सकेंगे। सरकार द्वारा निर्धारित बीमारियों की जांच एवं ईलाज करवा कर इन अस्पतालों के मेडिकल बिल पास करवा सकेंगे।हरियाणा आयुष निदेशालय के प्रवक्ता ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इन इम्पैनल्ड प्राइवेट आयुष अस्पताल के स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। नोडल अधिकारी किसी भी शिकायत के मामले में आयुष विभाग से संपर्क करेगा। उन्होंने इम्पैनल्ड अस्पतालों की शर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकारी अस्पतालों में किसी भी आपात स्थिति/आपदा/मरीजों की अधिकता की स्थिति में इम्पैनल्ड अस्पताल आवश्यकतानुसार अपनी एम्बुलेंस, आईसीयू, बर्न यूनिट, वार्ड बेड आदि साझा करने के लिए सहमत होंगे। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी सभी वैधानिक नियमों/दिशानिर्देशों/अधिनियमों/अधिसूचनाओं का इम्पैनल्ड प्राइवेट आयुष अस्पताल द्वारा पालन किया जाएगा। उपर्युक्त एनएबीएच मान्यता प्राप्त आयुर्वेदिक अस्पताल मान्यता प्रमाणपत्र की वैधता के अधीन तीन वर्षों की अवधि के लिए इम्पैनल्ड रहेगा। इसके बाद, अस्पताल को नए सिरे से आवेदन करना होगा।

नव नियुक्त ग्रुप-डी कर्मचारियों को वेतन का मामला

● सरकार ने लिया संज्ञान, जल्द हो भुगतान

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने सभी विभागों को कॉमन कैडर के अंतर्गत नियुक्त ग्रुप-डी कर्मचारियों का वेतन समय पर जारी करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। ये कर्मचारी विज्ञापन संख्या 01/2023 के माध्यम से चयनित हुए थे, जिन्होंने 28 अगस्त, 2025 या उसके बाद विभिन्न विभागों में कार्यभार ग्रहण किया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया गया है कि 28 अगस्त, 2025 के नियुक्ति आदेशों के अनुसार विभिन्न विभागों में ज्वाइन करने वाले कुछ नव नियुक्त ग्रुप-डी कर्मचारियों को अब तक वेतन नहीं मिला है। सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए हैं कि सभी लंबित वेतन उनकी जॉइनिंग की वास्तविक तिथि से तत्काल जारी किए जाएं, ताकि कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी न हो। गौरतलब है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इन कर्मचारियों की अनुशंसा 2 जुलाई, 2025 को की गई थी, जिसके पश्चात उन्हें विभिन्न विभागों में कॉमन कैडर के अंतर्गत नियुक्त किया गया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि वेतन बिल तैयार करने की प्रक्रिया में देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि इससे सीधे तौर पर नव-नियुक्त कर्मचारियों के हित प्रभावित होते हैं।

मुख्य सचिव ने ये भी निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग अपने कर्मचारियों का ब्यौरा एचआरएमएस पोर्टल पर शीघ्र दर्ज करें, क्योंकि ई-बिलिंग प्रणाली वेतन बिल तैयार करने के लिए इन्हीं आंकड़ों पर निर्भर करती है। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से संबंधित मामलों में सरकार ने स्पष्ट किया है कि पी.आर.ए.एन. जारी किए बिना केवल दो माह का वेतन ही जारी किया जा सकता है। इसके बाद वेतन जारी के लिए पी.आर.ए.एन. अनिवार्य है। सभी विभागों तथा आहरण एवं वितरण अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही, वेतन भुगतान की पुष्टि मुख्य सचिव कार्यालय को भेजी जाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वर्तमान हरियाणा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर पंचकूला में राज्य स्तरीय समारोह में करेंगे शिरकत

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में वर्तमान राज्य सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सरकार की प्रमुख उपलब्धियों, पहलों और जनकल्याण को प्रतिबद्ध रोडमैप को सांझा करेंगे। इस संबंध में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज उच्च स्तरीय बैठक कर समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। जिला उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया। मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्तों को जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रमों को लेकर सभी तैयारियां समयबद्ध और समन्वित तरीके से की जाएं। पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कार्यक्रम के दौरान पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों को विकास अनुदान ग्रांट वितरित करेंगे और मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 (चरण-द्वद्व) के अंतर्गत लाभार्थियों को भूखंड आवंटन पत्र सौंपेंगे। मुख्य सचिव ने राज्य और जिला स्तर पर सुचारू व्यवस्था, व्यापक जनभागीदारी और सरकार की उपलब्धियों का समुचित प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभागों को सुरक्षा, जन-सम्पर्क और जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं के लिए प्रभावी समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के. मकरंद पांडुरंग ने बताया कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा राज्य सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों पर कॉफी टेबल बुक/पुस्तिका का भी विमोचन किया जाएगा। बैठक में हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव, श्री मोहम्मद शाइन, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव, डॉ. साकेत कुमार, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के महानिदेशक श्री पंकज, कार्मिक, प्रशिक्षण एवं संसदीय मामले विभाग के विशेष सचिव डॉ. आदित्य दहिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

छठ पूजा से पहले यमुना की स्वच्छता का संकल्प

● हरियाणा सरकार ने तेज की तैयारियाँ ● मुख्य सचिव ने की विभागों के साथ समीक्षा बैठक

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आगामी छठ पूजा पर्व के मद्देनज़र हरियाणा सरकार ने यमुना नदी की स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी तैयारियों को और तेज़ कर दिया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभागों के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाने, प्रदूषण नियंत्रण के कठोर उपाय लागू करने और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के निर्देश दिए। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यमुना और उसकी सहायक नदियों के तटों पर पूजा-अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य सचिव ने यमुना कैचमेंट एरिया में स्थित सभी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एस.टी.पी.) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सी.ई.टी.पी.) की 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यकारी अभियंताओं को 28 अक्तूबर, 2025 तक इन प्लांट्स के संचालन की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के आदेश दिए ताकि कोई भी खराबी आने पर इसे तुरन्त ठीक किया जा सके और सभी संयंत्र निर्धारित पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप कार्य करें। इसकी निरंतर निगरानी के लिए कनिष्ठ अभियंता और उपमंडल अभियंताओं को तैनात किया गया है, जबकि हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को विशेष फ्लाइंग स्क्वॉड गठित कर आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माणाधीन और कार्यरत, सभी संयंत्रों की सूची तैयार कर आगामी कार्ययोजना बनाई जाए और परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जाए।

श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि राज्य सरकार यमुना को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ नदी प्रणाली न केवल पर्यावरणीय आवश्यकता है, बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी भी है। छठ पूजा इस दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने का उपयुक्त अवसर है। मुख्य सचिव ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम, गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय विभाग और हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिए कि वे उन औद्योगिक इकाइयों की पहचान करें जिनसे नदी या उसके सहायक नालों में प्रदूषक उत्सर्जित होने की संभावना है। साथ ही, उनके संचालन पर भी कड़ी निगरानी रखें। उन्होंने यह भी कहा कि परिचालन या मॉनिटरिंग डेटा में किसी भी प्रकार की हेराफेरी पाए जाने पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग और सिंचाई विभाग छठ पूजा के दौरान नदी तटों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए नालों और नदी किनारों से ठोस अपशिष्ट की तुरंत सफाई सुनिश्चित करें। इसके अलावा, नगर निगमों को पर्याप्त जनशक्ति और मशीनरी तैनात करने को कहा गया है ताकि छठ पर्व के दौरान घाटों और नदी तटों की सफाई और सुगम पहुँच सुनिश्चित हो सके। अगले 15 दिनों तक पुलिस, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग तथा विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा एक संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार के सीवेज या टैंकर अपशिष्ट को अवैध रूप से यमुना में डाले जाने से रोका जा सके। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि उपलब्ध क्षमता अनुसार टैंकरों के माध्यम से सीवेज उठाकर उपचार के लिए एस.टी.पी. तक पहुँचाया जाए। संबंधित उपायुक्त और सब डिविजनल मजिस्ट्रेट इस कार्य की निगरानी करेंगे। मुख्य सचिव ने यमुना कैचमेंट एरिया में चल रही एस.टी.पी. परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 107 एम.एल.डी. क्षमता की नई परियोजनाएँ मार्च 2027 तक पूरी कर ली जाएंगी। बैठक में यह भी बताया गया कि बेहरामपुर, कन्हेली, करनाल, हैकत नगर, शिव कॉलोनी और जाटल रोड (पानीपत) में उपचारित अपशिष्ट जल से सिंचाई हेतु छह परियोजनाएँ प्रगति पर हैं, जिनकी संयुक्त उपचार क्षमता 158 एम.एल.डी. है। लगभग 253 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली ये परियोजनाएँ 35 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक पूरी हो चुकी हैं।

यमुना और उसकी सहायक नदियों की सुरक्षा के लिए प्रदेशभर में 364 पुलों पर बाड़ लगाने (फेंसिंग) का कार्य किया जा रहा है। इनमें सर्वाधिक स्थल सिरसा (74), कुरुक्षेत्र (73), चरखी दादरी (50) और कैथल (37) जिलों में हैं। इसी प्रकार, 19 क्षेत्रों में 79 घाटों की पहचान की गई है, जिनमें से 40 घाटों का उन्नयन किया जा चुका है जबकि 39 नए घाट विकसित किए जा रहे हैं। हिसार, करनाल, यमुनानगर और सिरसा में विशेष रूप से कार्य प्रगति पर है ताकि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ और सुरक्षित सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग श्री सुधीर राजपाल, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष श्री विनीत गर्ग और अतिरिक्त मुख्य सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग श्री अनुराग अग्रवाल उपस्थित रहे, जबकि सभी जिलों के उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

हरियाणा में अधिकारी-कर्मचारियों की विदेश यात्राओं के सम्बन्ध में नए दिशा-निर्देश जारी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के वित्त विभाग ने सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों की विदेश यात्राओं के सम्बन्ध में नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और पूर्व में सभी आदेशों को निरस्त समझा जाएगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का दायित्व भी है, द्वारा जारी ये दिशा-निर्देश ग्रुप 'ए', 'बी', 'सी' एवं 'डी' के सरकारी कर्मचारियों के साथ ही हरियाणा से जुड़े अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों पर भी लागू होंगे। वित्त विभाग (एफ.आर. शाखा) इस संबंध में संबंधित प्रशासनिक विभाग की सिफारिश पर अनुमोदन प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की विदेश यात्राओं के संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। हालांकि अब वित्त विभाग से वित्तीय स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। सरकारी खर्च पर की जाने वाली आधिकारिक विदेश यात्राओं के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अधिकतम एक आधिकारिक और एक निजी यात्रा की अनुमति दी जाएगी। दोनों यात्राओं की कुल अवधि तीन सप्ताह से अधिक नहीं होगी। प्रस्तावों को संबंधित अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित 'चेक-लिस्ट' के साथ मुख्यमंत्री की स्वीकृति प्राप्त कर वित्त विभाग को भेजना अनिवार्य होगा। साथ ही संबंधित विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेश यात्रा भत्ता हेतु बजट का पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध है। व्यक्तिगत कारणों से स्वयं के व्यय पर विदेश यात्रा के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में केवल एक निजी यात्रा की अनुमति दी जाएगी। इस स्थिति में उस देश का नाम अनुमोदन पत्र में स्पष्ट रूप से अंकित करना होगा, जहां की यात्रा की जानी है। यदि किसी अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध अपराध से जुड़ा कोई मामला लंबित है या मुख्य दंड हेतु आरोपपत्र जारी किया गया है, तो ऐसे मामलों में अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, यदि निजी यात्रा का खर्च विभाग से जुड़ी किसी निजी संस्था द्वारा वहन किया जा रहा है तो अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी परिस्थिति में विदेश यात्रा के लिए एक्स-पोस्ट फैक्टो अप्रूवल प्रदान नहीं की जाएगी। बिना पूर्व अनुमति के विदेश जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, विदेश में रहने के दौरान अधिकारी-कर्मचारी को बिना पूर्व स्वीकृति किसी भी प्रकार का कार्य (नौकरी) करने या निर्धारित अवधि से अधिक रुकने की अनुमति नहीं होगी। जहाँ कार्यभार सौंपने या ग्रहण करने की व्यवस्था लागू है, वहाँ अधिकारी-कर्मचारी को विदेश जाने से पूर्व अपना कार्यभार अपने वैकल्पिक अधिकारी-कर्मचारी को सौंपना होगा।

पंजाब राज्यसभा उम्मीदवार रजिंदर गुप्ता को चुनाव सर्टिफिकेट दिया

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के सचिव-कम-रिटर्निंग अधिकारी श्री राम लोक खटाना ने आज पंजाब राज्यसभा उम्मीदवार श्री रजिंदर गुप्ता, जो संसद के उच्च सदन के लिए निर्विरोध चुने गये थे, को चुनाव सर्टिफिकेट सौंपा। यह सर्टिफिकेट उन्हें पंजाब विधानसभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां की उपस्थिति में दिया गया। श्री रजिंदर गुप्ता के साथ उनकी पत्नी मधु गुप्ता भी मौजूद थीं।

'युद्ध नशों विरूद्ध' : 229वें दिन पंजाब पुलिस ने 95 नशा तस्करों को 3.4 किलोग्राम हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशे के खात्मे के लिए शुरू की गई मुहिम 'युद्ध नशों विरूद्ध' के लगातार 229वें दिन पंजाब पुलिस ने गुरुवार को 427 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान पूरे राज्य में 95 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर 82 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ ही, पिछले 229 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 33,219 हो गई है। छापों के दौरान गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 3.4 किलोग्राम हेरोइन, 7.5 किलोग्राम भुक्की, 878 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 9,210 रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने नशों के खिलाफ अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। 74 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1,200 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्यभर में 427 स्थानों पर छापेमारी की।

नवम पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित पंजाब सरकार के समारोहों की श्रृंखला का शुभारंभ गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में अरदास से होगा

● मुख्यमंत्री और सभी कैबिनेट मंत्री 25 अक्टूबर को गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में करेंगे माथा टेक ● भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी को भी अर्पित की जाएगी श्रद्धा और सम्मान ● नई दिल्ली के गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में होगा विशाल कीर्तन दरबार ● देश-विदेश में बसे श्रद्धालुओं से कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील ● 24 नवम्बर को श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित होगी पंजाब विधानसभा की विशेष बैठक

नई दिल्ली/ चंडीगढ़ । नवम पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा आयोजित समारोहों की श्रृंखला का शुभारंभ 25 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में अरदास के साथ किया जाएगा। आज यहां पंजाब भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस, पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों की मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने बताया कि पंजाब सरकार ने इस अवसर पर एक माह तक चलने वाले आयोजनों की रूपरेखा तैयार कर ली है।

उन्होंने कहा कि समारोहों की शुरुआत 25 अक्टूबर को दिल्ली स्थित गुरुद्वारा सीस गंज साहिब से होगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, सभी कैबिनेट मंत्री और अन्य विशिष्ट हस्तियां गुरुद्वारे में माथा टेकेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के शहीदी स्थलों पर जाकर श्रद्धा और सम्मान अर्पित करेंगे—इन तीनों ने गुरु साहिब के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और निष्ठा दिखाते हुए अप्रतिम बलिदान दिया था। उन्होंने बताया कि उसी दिन शाम को गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में विशाल कीर्तन दरबार आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में संगत श्रद्धाभाव से हाज़िरी लगाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ÷हिंद की चादर÷ श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी ने मानव अधिकारों की रक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जो बलिदान दिया, उसकी मिसाल विश्व इतिहास में कहीं नहीं मिलती। नवम पातशाह सांझीवालता और धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक थे, और उनका महान जीवन व दर्शन सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ है। मंत्रियों ने बताया कि 1 नवम्बर से 18 नवम्बर तक पंजाब के सभी जिलों में ÷लाइट एंड साउंड शो÷ आयोजित किए जाएंगे, जिनमें गुरु तेग बहादर जी के जीवन और दर्शन को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही, गुरु साहिब के पावन चरणों से जुड़े नगरों में कीर्तन दरबार भी होंगे। इन समारोहों का उद्देश्य गुरु साहिब के जीवन, उनके दर्शन और मानवता के लिए दिए गए महान बलिदान के बारे में लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि 18 नवम्बर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा। अगले दिन 19 नवम्बर को श्रीनगर से नगर कीर्तन आरंभ होगा, जिसमें सैकड़ों कश्मीरी पंडित भी संगत के साथ शामिल होंगे। यह नगर कीर्तन 19 नवम्बर को जम्मू, 20 नवम्बर को पठानकोट और 21 नवम्बर को होशियारपुर में विश्राम करेगा तथा 22 नवम्बर को श्री आनंदपुर साहिब में संपन्न होगा।

इसी अवधि में 20 नवम्बर को तख्त श्री दमदमा साहिब (तलवंडी साबो), फरीदकोट और गुरदासपुर से तीन नगर कीर्तन निकाले जाएंगे, जो 22 नवम्बर को श्री आनंदपुर साहिब में मिलेंगे। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब सरकार 23 से 25 नवम्बर तक श्री आनंदपुर साहिब में भव्य समारोह आयोजित करेगी। श्रद्धालुओं के ठहराव हेतु 'चक्क नानकी' नामक टेंट सिटी बनाई जाएगी, जिसमें प्रतिदिन 15,000 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था होगी। इस पवित्र नगरी में सर्व धर्म सम्मेलन, प्रदर्शनी और ड्रोन शो भी आयोजित किए जाएंगे, जो गुरु साहिब के जीवन और दर्शन को उजागर करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

2029 से पहले साफ हो जाएगी यमुना... गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की लाइफलाइन माने जाने वाली यमुना नदी, जो सालों से प्रदूषण की मार झेल रही है। इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले यमुना पूरी तरह स्वच्छ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ये लाखों लोगों की आस्था से जुड़ा मामला है। एक चैनल के कार्यक्र म में अमित शाह ने कहा कि यमुना को शुद्ध करना वोट बैंक का मुद्दा नहीं है। यमुना की सफाई करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का विषय है। उन्होंने कहा कि यमुना जी की ही कृपा है जो उनके किनारे के सभी राज्यों में हमारी सरकार है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली से होते हुए यूपी के प्रयागराज में यमुना मिलती है। ये सभी राज्य आज भाजपा शासित ही हैं। गृह मंत्री ने कहा कि अभी छठ दूज-यम द्वितीया पर लाखों लोग यमुना घाट पर जाते हैं लेकिन प्रदूषण की वजह से यमुना में स्नान नहीं कर पाते। उन्होंने कहा, आप इस बात को मान कर चलिए कि 2029 के चुनाव से पहले यमुना शुद्ध हो जाएगी। भाई दूज के दिन कोई भी भाई यमुना में जाकर स्नान कर पाएगा।

कर्तव्य पथ दो लाख दीपों से जगमगाएगा, भव्य दीवाली की तैयारी; सीएम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली भारत की क्रिएटिव कैपिटल बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि अगले 80 दिनों में दिल्ली में तीस से ज्यादा भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। दीवाली पर कर्तव्य पथ को दो लाख दीयों से सजाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन आयोजनों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम तैयार किया गया है। इसके अलावा 20 से अधिक चौराहों को सजाने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को दी गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यटन तथा कला संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि ट्रैविस स्कॉट, कृष्ण दास, जाकिर खान, पैपोन, एपी ढिल्लों, अरमान मलिक, जोनिता गांधी, राधिका दास दिल्ली में कार्यक्रम करेंगे। यह पहल दिल्ली सरकार, इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएशन (फेमा) और पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के संयुक्त सहयोग से की जा रही है। सीएम ने कहा कि राज्यों के लिए कॉन्सर्ट इकॉनमी महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है। इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। सरकार ने इसे समझा है कि केंद्र और दिल्ली सरकार के अधीन सभी प्रमुख स्टेडियम जैसे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम, त्यागराज स्टेडियम और छत्रसाल स्टेडियम के टैरिफ रेट कम किए जाएं और उनकी सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत किया जाए। रेखा गुप्ता ने कहा कि अनुमति, सुरक्षा और दूसरे इंतजाम की प्रक्रिया को सरल किया गया है। दिल्ली में कार्यक्रमों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इसका सफल उपयोग कांवड़ यात्रा, रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पर्व के आयोजन में हो चुका है। इसके अच्छे परिणाम मिले हैं। इसी मॉडल को इवेंट सेक्टर में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में मनोरंजन उद्योग करीब 150 अरब रुपये का है। दिल्ली सरकार बड़े चौराहों को सजाएगी। इंडिया गेट पर दो दिन का भव्य आयोजन होगा। इसके साथ प्रमुख चौराहों पर लाइटिंग की जाएगी। सिग्नेचर ब्रिज, मंडी हाउस, आईटीओ समेत शहर की प्रमुख इमारतों और चौराहों को सजाया जाएगा। यह जिम्मेदारी पीडब्लूडी को दी गई है।

खुलेआम बिक रहे बैन पटाखे, लाइसेंस तक लेने को तैयार नहीं कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में दीवाली की चमक के बीच पटाखों का बाजार गर्म है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के ताजा नियमों ने इस बार व्यापारियों के उत्साह पर पानी फेर दिया है। कोर्ट ने दीवाली के लिए ग्रीन पटाखों की बिक्री को हरी झंडी दी, लेकिन दिल्ली के व्यापारी इस मौके को भुनाने में ज्यादा उत्साहित नहीं दिख रहे। गुरुवार को शुरू हुई दो दिन की लाइसेंस प्रक्रिया में सिर्फ 15 व्यापारियों ने आवेदन किया। आखिर क्या है इस बेरुखी की वजह? चलिए समझते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए 18 से 20 अक्टूबर तक का समय दिया है और इन्हें जलाने की इजाजत भी सिर्फ दो खास समय-सीमाओं में दी है- 19 और 20 अक्टूबर को सुबह 6 से 7 और रात 8 से 10 बजे। लेकिन दिल्ली के बाजारों में नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। सआदत बाजार से लेकर लाजपत नगर तक, सड़कों पर चकाचौंध करने वाले पटाखों की बिक्री जोरों पर है, वो भी बिना किसी लाइसेंस के। फुलझड़ियों से लेकर आसमान छूने वाले रॉकेट तक, सब कुछ खुलेआम बिक रहा है। लाइसेंस लेने की प्रक्रिया भी कोई

आसान नहीं है। व्यापारियों को दिल्ली के 15 डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस में से किसी एक के पास आवेदन करना पड़ता है, साथ में ढेर सारे दस्तावेज जमा करने पड़ते हैं। जिसमें एफिडेविट, फायर डिपार्टमेंट से एनओसी, साइट प्लान और 200 रुपये का बैंक ड्राफ्ट शामिल है। इसके बाद स्थानीय पुलिस स्टेशन से वेरिफिकेशन भी करवाना पड़ता है। सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि इस प्रक्रिया को सिर्फ दो दिन में करना है। इसी वजह से दिल्ली के 15 पुलिस जिलों में से छह नई दिल्ली, साउथईस्ट, द्वारका, ईस्ट, नॉर्थवेस्ट और आउटर में एक भी आवेदन नहीं आया। सबसे ज्यादा आवेदन साउथवेस्ट जिले में आए, वो भी सिर्फ तीन।

ग्रीन पटाखों की कमी, नकली लेबल का खेल: बाजार में ग्रीन पटाखों की कमी भी व्यापारियों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। तीन दशकों से पटाखे बेच रहे सीलमपुर के एक थोक व्यापारी हरि शंकर ने कहा, लाइसेंस मिल भी जाए, तो ग्रीन पटाखे कहां से लाएं? थोक में सप्लाई ही नहीं है। मैंने तो आवेदन कर दिया, लेकिन ये बस एक जोखिम है। वहीं, कुछ व्यापारी नकली ग्रीन पटाखों के खेल में भी उलझे हैं। अधिकारियों का कहना है कि बाजार में नकली क्यूआर कोड और फर्जी लेबल वाले पटाखे खूब बिक रहे हैं।

लाजपत नगर के एक व्यापारी ने बताया कि वो ऑनलाइन ऑर्डर भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को पता है कि दुकान में ज्यादा स्टॉक रखने से पकड़े जाएंगे। इसलिए हम स्टॉक छुपाते हैं और ग्राहकों को उनके घर या पास की जगह पर डिलीवरी देते हैं। आज ही 10 ऑर्डर मिल चुके हैं। ग्रेटर कैलाश के एक छोटे से स्टॉल वाले ने कहा, लोग कई दिनों से खरीद रहे हैं। अब लाइसेंस के लिए क्या भागदौड़ करें?

दिल्ली पुलिस ने नियमों को लागू करने के लिए स्पेशल टीमें बनाई हैं। स्पेशल सीपी (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा, बैन किए गए पटाखों की बिक्री या इस्तेमाल, चाहे ऑनलाइन हो या कूरियर से, सख्त कार्रवाई को बुलावा देगा। लेकिन हकीकत में ये इतना आसान नहीं है। पिछले साल, जब पूरी तरह से पटाखों पर बैन था, तब भी लोग खुलेआम पटाखे जला रहे थे। एक हेड कांस्टेबल ने बताया, लोग गाजियाबाद और गुरुग्राम से पटाखे लाए। कुछ ने तो हम पर जलते हुए पटाखे तक फेंके जब हमने रोकने की कोशिश की।

दिल्ली पुलिस का नया फैसला

हर यूनिट के 80 प्रतिशत कर्मी सड़कों पर रहेंगे सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारों के बीच दिल्ली पुलिस ने एक बड़ा फैसला लिया है। सभी यूनिटों में अब फील्ड और ऑफिस ड्यूटी का अनुपात 80:20 होगा। राजधानी के हर यूनिट में करीब 80 फीसदी पुलिसकर्मी सड़क पर सक्रिय रहेंगे, जबकि 20 फीसदी ऑफिस का काम संभालेंगे।

पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने सभी यूनिटों का ऑडिट कराने के बाद यह निर्णय लिया है। इसके लिए दिल्ली पुलिस मुख्यालय ने यूनिट प्रमुखों को निर्देश दिया है कि 80-20 अनुपात जल्द से जल्द लागू किया जाए। ऐसा होने पर दिल्ली पुलिस देश की पहली ऐसी पुलिस बन जाएगी, जिसमें हर यूनिट में यह अनुपात सुनिश्चित होगा।

दरअसल, ऑडिट में कुछ यूनिटों में फील्ड में पर्याप्त कर्मी नहीं पाए गए थे। कुछ यूनिटों में यह संख्या 40 से 60 फीसदी तक ही थी। अनुपात में यह कमी कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग पर असर डाल रही थी। इसलिए पुलिस कमिश्नर ने सभी यूनिटों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि फील्ड में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़े।

पुलिस कमिश्नर का जोर है कि फील्ड ड्यूटी में सक्रियता बढ़ने से अपराधियों में डर बना रहेगा और अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। इससे पीड़ित को आपात स्थिति में तुरंत मदद मिलेगी और कानूनी कार्रवाई तेज होगी। हादसों से निपटने के लिए दिल्ली दमकल विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार 66 दमकल स्टेशनों से कुल 321 गाड़ियां तैनात की जाएंगी और भीड़भाड़ वाले इलाकों के लिए अतिरिक्त बल की व्यवस्था की गई है। दिल्ली पुलिस ने त्योहार पर भारी भीड़ के कारण यातायात को प्रभावित होने से बचाने के उद्देश्य से गुरुवार को को सभी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दीं। विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) अजय चौधरी ने कहा कि शहर में अधिकतम तैनाती की गई है। मोटरसाइकिल पर कर्मियों को तैनात किया गया है और छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। हम आने वाले दिनों में भीड़ को प्रबंधित करेंगे।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए विंटर एक्शन प्लान लागू, सर्दी में नहीं होगी दमघोंटू हवा!

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार ने 2025-26 के लिए विंटर एक्शन प्लान लागू कर दिया है। यह योजना अक्तूबर से फरवरी के बीच होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बनाई गई है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि इसमें सात प्रमुख थीम और 25 एक्शन प्वाइंट शामिल हैं। सड़क धूल और निर्माण प्रबंधन, वाहन

उत्सर्जन, उद्योग व ऊर्जा क्षेत्र, कचरा व खुले में आगजनी, नागरिक भागीदारी व निगरानी और ग्रीन इनोवेशन इसमें शामिल हैं। सिरसा की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी कदम तय समय सीमा में पूरे हों और ग्रीन वार रूम से उनकी रियल टाइम मॉनिटरिंग हो। उन्होंने कहा कि इस सर्दी प्रदूषण नियंत्रण के नियमों के अनुपालन पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर एक्शन प्लान के निर्देशों का पालन करें। सरकार ने 86 मैकेनिकल रोड स्वीपर, 300 स्प्रिंकलर और 362 एंटी-स्मॉग गन पहले से ही तैनात किए हैं। इसके अलावा 70 और नए स्वीपिंग मशीन लाए जाएंगे। सरकार की ओर से कहा गया कि 578 टीमें सड़कों पर धुआं, पीयूसी और इंजन चालू रखे जाने के उल्लंघन पर निगरानी कर रही हैं। इसके अलावा 953 पीयूसी केंद्र अब ट्रांसपोर्ट विभाग के डैशबोर्ड से लाइव जुड़े हैं। 500 वर्गमीटर से बड़े हर निर्माण प्रोजेक्ट के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। साथ ही 3,000 वर्गमीटर से बड़े प्रोजेक्ट के लिए एंटी-स्मॉग गन लगाना जरूरी।

भाजपा का झूठ बेनकाब'; आप के सौरभ भारद्वाज ने छठ से पहले दिल्ली में यमुना सफाई पर सीएम को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने छठ पूजा से पहले यमुना नदी की सफाई के तरीकों को लेकर दिल्ली की भाजपा सरकार पर पाखंड करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा ने पहले नदी की सफाई के लिए केमिकल के इस्तेमाल का विरोध किया था, लेकिन अब खुद वही तरीके अपना रही है।

सौरभ भारद्वाज ने याद दिलाया कि 2022 में छठ पूजा से पहले अरविंद केजरीवाल सरकार ने यमुना नदी से झाग हटाने के लिए केमिकल का छिड़काव किया था, जिससे छठ पूजा करने वालों के लिए साफ वातावरण सुनिश्चित हुआ। हालांकि, तब भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने इन केमिकल को 'जहरीला' बताते हुए इसकी

आलोचना की थी।

'आप' के दिल्ली अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री जिस तरह से दिल्ली की जनता से झूठ बोल रही हैं, हमने उसका पूरी तरह से पर्दाफाश कर दिया है। 2022 में छठ पूजा से पहले, जब अरविंद केजरीवाल की सरकार ने यमुना में झाग हटाने के लिए केमिकल का छिड़काव किया था तो प्रवेश वर्मा वहां आए और कहा कि यह केमिकल यमुना को जहरीला बना देगा। भारद्वाज ने आगे कहा, आज, वही केमिकल जिसे उन्होंने दो साल पहले जहरीला बताया था... वही केमिकल दिल्ली जल बोर्ड ने एक टेंडर के जरिये मंगवाया है। भारद्वाज ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी ने इस 'झूठ का पूरी तरह से पर्दाफाश' कर दिया है कि कैसे 2022 में छठ पूजा से पहले यमुना की सफाई के प्रयासों को लेकर भाजपा नेताओं ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झूठा निशाना बनाया था। भारद्वाज ने कहा, इस तरह, उनका झूठ उजागर हो गया है, द्वेष के कारण, उन्होंने छठ भक्तों को परेशान करने के लिए दिल्ली सरकार को झाग हटाने की अनुमति नहीं दी थी ताकि झाग बने रहें और छठ पूजा न मनाई जाए। 'आप' नेता का यह बयान दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा गुरुवार को कालिंदी कुंज छठ घाट पर आगामी छठ पर्व की तैयारियों का जायजा लेने के बाद आया है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि राजधानी में छठ पर्व मनाने वाली महिलाएं इस वर्ष गंदगी रहित और झाग मुक्त यमुना में सूर्य देव की पूजा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के उपायों से नदी की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

डीयूएसयू की जॉइंट सेक्रेटरी दीपिका झा ने प्रोफेसर को मारा थप्पड़, मच गया बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां दिल्ली छात्र संघ की जॉइंट सेक्रेटरी दीपिका झा और एबीवीपी के छात्र नेताओं ने तीखी बहस की और एक प्रोफेसर को थप्पड़ जड़ दिया। दीपिका झा द्वारा प्रोफेसर को थप्पड़ मारने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और दीपिका झा की काफी आलोचना की जा रही है।

डूसू की जॉइंट सेक्रेटरी दीपिका झा ने प्रोफेसर को पुलिस के सामने थप्पड़ मारा है। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी और कुछ छात्र मौके पर मौजूद हैं। इन सबकी मौजदूगी में प्रोफेसर और दीपिका झा के बीच किसी बात को लेकर बहस हो रही है। इतने में दीपिका उठती हैं और प्रोफेसर को थप्पड़ मार देती हैं। उनके थप्पड़ मारने का वीडियो सीसीटीवी कैरमें में कैद हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, जिस प्रोफेसर पर दीपिका ने हमला किया, उनका नाम सुजीत कुमार है। सुजीत डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के डिसिप्लिनरी कमिटी के कन्वीनर हैं। डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट की तरफ से जारी बयान के अनुसार, सुजीत कुमार के साथ कमिटी कैंपस में हाल में हुई हिंसक घटनाओं की जांच कर रही थी, जिसमें एबीवीपी के सदस्यों ने दूसरे छात्रों पर हमला किया था। दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन ने वाइस चांसलर को लेकर लिखकर तुरंत मामले पर ऐक्शन की मांग की है। डूटा की तरफ

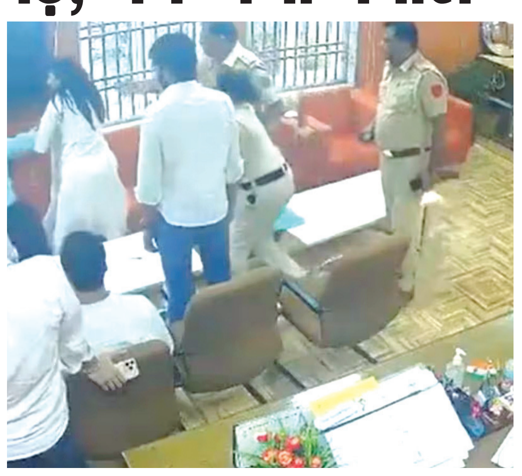

से लिखे गए लेटल में कहा गया है कि हमें ह जानकर पहुत दुख हुआ कि अंबेडकर कॉलेज के एक सीनियर फैकल्टी मेंबर को कॉलेज के अंदर स्टूडेंट्स के एक ग्रुप ने थप्पड़ मारा और हमला किया। डूटा ने कहा कि जब उनपर हमला हुआ, वो अपनी ड्यूटी कर रहे थे। इस तरह की हिंसा की एक एकेडमिक संस्थान में कोई जगह नहीं है और यह टीचिंग कम्युनिटी का अपमान है। डूटा ने कहा कि इस तरह के हमलों से टीचर्स और स्टूडेंट दोनों में भय का माहौल बनता है।

यूपी में भी हो सकता था राजस्थान जैसा कांड, एक्सप्रेसवे पर जल उठी बस

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान जैसा कांड यूपी में भी हो सकता था। गनीमत रही कि आग अंदर तक नहीं पहुंची और करीब 50 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। गौतमबुद्ध नगर जिले के दनकौर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात एक चलती लग्जरी बस में आग लग गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

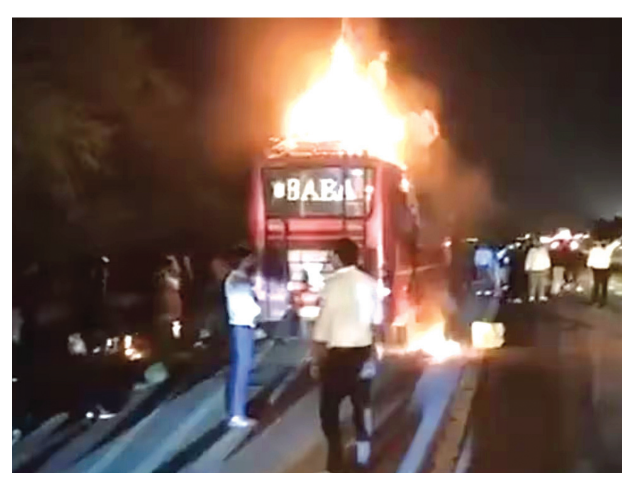

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि निजी बस पंजाब के लुधियाना से आगरा जा रही थी और उसमें करीब 50 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि बस जब यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते ग्रेटर नोएडा से गुजर रही थी, तभी उसकी छत पर रखे सामान में भीषण आग लग गई। चालक ने आग का पता चलते ही बस रोक दी और यात्री बाहर आ गए। अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, दिवाली से पहले की जा रही आतिशबाजी की वजह से चिंगारी चलती बस की छत पर गिरी जिसके कारण आग लग गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इसके साथ राजस्थान में हुए हादसे का जिक्र करते हुए यात्रियों की जान बचने पर ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं। मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर में एक एसी बस में आग लग जाने से 21 यात्रियों की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई तो एक दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए।

जाम से थमी दिल्ली; दिवाली की खरीदारी के लिए भारी भीड़ से चोक हुई सड़कें

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में दिवाली की खरीदारी के लिए गुरुवार को भारी भीड़ उमड़ी। बाजारों में भारी भीड़ और सड़क पर वाहनों के दबाव की वजह से राष्ट्रीय राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था चरमराती नजर आई। आलम यह कि दिल्ली में गुरुवार को लगे सैकड़ों किलोमीटर लंबे जाम ने लोगों की हालत खराब कर दी। सदर बाजार, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, सरोजिनी नगर सहित अन्य बाजारों में शाम पांच बजे के बाद लोगों की भीड़ और वाहनों के दबाव की वजह से भारी दिक्कतें हुईं।

लोग बाजारों के आसपास जाम के जंजाल में घंटों फंसे रहे। दिल्ली की सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। राजधानी के दक्षिणी से लेकर उत्तरी हिस्से और पूर्वी से लेकर पश्चिमी सभी दिशाओं के प्रमुख बाजारों के आसपास के इलाके प्रभावित रहे। सड़कों और चौराहों पर वाहनों की लंबी लाइन लग रही। मध्य दिल्ली, यमुनापार समेत कई अन्य इलाकों में तीन से चार घंटे तक लोग जाम में फंसे रहे।

दक्षिणी दिल्ली में सरोजिनी नगर, सेंट्रल मार्केट लाजपत नगर, युसूफ सराय मार्केट, नेहरू प्लेस, साकेत-जे ब्लॉक और अनुपम सिनेमा मार्केट, ग्रेटर कैलाश, आईएनए मार्केट से ग्रीन पार्क तक भीषण जाम रहा। उत्तरी दिल्ली में सदर चौक, खारी बावली, कुतुब रोड चौक से लेकर चांदनी चौक, फतेहपुरी, लालकिला, करोल बाग और आसपास के इलाके में भारी जाम रहा। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन, कमला नगर, तिलक नगर से लेकर पंजाबी बाग तक सड़कें चोक रहीं। वाहनों के लोड से दिल्ली की सड़कें चोक हो गईं। आलम यह कि गूगल मैप दिल्ली और उसके आस-पास के एनसीआर

के इलाकों के लिए रेड मोड पर चला गया। लोग घंटों लंबे ट्रैफिक जाम में फंसे रहे।

ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि त्योहारी सीजन मे लोगों की बाजारों में भीड़ के कारण जाम की स्थिति बन रही है, इसलिए लोग अनावश्यक यात्रा से बचें और ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक परिवहन खासतौर से बाजारों में जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करें। भीड़भाड़ वाले बाजारों में जाने से पहले वैकल्पिक मार्ग की जानकारी अवश्य लें। आउटर रिंग रोड और रिंग रोड, प्रगति मैदान और बदरपुर बॉर्डर के बीच मथुरा रोड, अरबिंदो मार्ग, बारापुला एलिवेटेड रोड, दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे, गाजियाबाद जाने वाला दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम रहा। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को स्थिति को संभालने के लिए सभी ट्रैफिक कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दीं।

एक यूजर ने एक्स पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि 2 घंटे से ज्यादा समय से एक ही जगह पर फंसा हूं, कुछ भी नहीं चल रहा है। 112 पर 3 से 4 बार कॉल किया, लेकिन कॉल कटती रही। मैंने दिल्ली में ऐसा ट्रैफिक पहले कभी नहीं देखा। ट्रैफिक पुलिस की ओर से दिन में तीन घंटे के लिए डायवर्जन प्लान लागू किए जाने के बाद हालत बिगड़ गए। इसमें आईटीओ चौक, बीएसजेड मार्ग, जेएलएन मार्ग, राजघाट क्रॉसिंग, शांति वन क्रॉसिंग, हनुमान मंदिर, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, मठ बाजार, चंदगीराम अखाड़ा, दिल्ली विधानसभा, विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय नॉर्थ कैंपस शामिल हैं।

संपादकीय

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में सामने आई लापरवाही

सरकार की ओर से समाज के विभिन्न वर्गों के लिए नई-नई योजनाएं लागू की जाती हैं, मगर इनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंच पाता है या नहीं, इस पर शायद ही कोई ध्यान दिया जाता है। इससे न केवल सरकारी धन का बेजा इस्तेमाल होता है, बल्कि वे लोग भी लाभ से वंचित रह जाते हैं, जिन्हें केंद्र में रखकर योजना तैयार की जाती है। यही वजह है कि सरकार की कई महत्त्वाकांक्षी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती हैं। संबंधित अधिकारियों की लापरवाही और निगरानी तंत्र का अभाव इसकी बड़ी वजह है।किसानों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का भी यही हाल है। इसके तहत किसान परिवार का एक सदस्य ही लाभ ले सकता है। मगर केंद्रीय कृषि मंत्रालय की सत्यापन जांच में पाया गया कि बड़ी संख्या में पति और पत्नी दोनों ही इस योजना के लाभार्थी बने हुए हैं। सवाल है कि इस तरह की योजनाओं में आर्थिक सहायता से पहले पात्रता की जांच करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती? प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है। इसमें हर वर्ष तीन किस्तों में किसान परिवार के एक सदस्य को दो-दो हजार रुपए की राशि देने का प्रावधान है। इस रकम को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए सीधे बैंक खाते में जमा किया जाता है। अगर यह नियम है, तो यह कैसे संभव हुआ कि एक ही घर से दो लोगों को राशि हस्तांतरित की जाती रही। जिन अधिकारियों के माध्यम से राशि जारी की जा रही थी, न तो उन्होंने और न ही संबंधित बैंक प्रबंधन ने कभी इस पर गौर करने की जरूरत महसूस की। इस योजना के अंतर्गत उन्नीस लाख से अधिक किसानों के सत्यापन से पता चला है कि इनमें 17.87 लाख पति-पत्नी ही लाभार्थी थे। इस हिसाब से करीब चौरानवे फीसद दंपति इस योजना का लाभ ले रहे थे। यह पहली बार नहीं है, जब किसी अहम योजना के क्रियान्वयन में इस तरह की लापरवाही सामने आई है। ऐसे में शासन-प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की योजनाओं की नियमित निगरानी हो, ताकि पात्र लोगों को इनका लाभ मिल सके।

कुछ लोगों को यह बात 'छोटी-सी' लग सकती है, लेकिन इसमें बड़े संकेत छुपे हुए हैं। जो हुआ, उस पर अगर मीडिया जगत और विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त न की होती तो शायद इस घटना को भी तालिबान से मजबूरन की जा रही दोस्ती के कालीन के नीचे सरका दिया जाता।

उठते सवाल- महिला पत्रकार, तालिबानी सोच और दोस्ती की मजबूरियां!

(अजय बोकिल)

बेशक, दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान की भू राजनीतिक परिस्थिति, उससे हमारे ऐतिहासिक रिश्तों, बदलते वैश्विक समीकरण चलते और भारत के व्यापक अंतरराष्ट्रीय हितों के मद्देनजर तालिबान से दोस्ती सही मानी जा सकती है, लेकिन यह दोस्ती उन तालिबानी मूल्यों से कतई नहीं हो सकती, जो मध्ययुगीन और महिलाओं के प्रति दुराग्रह और प्रतिगामी सोच से भरे हैं। जबकि हमारे भारतीय मूल्य लिंग, धर्म अथवा जाति भेद से परे समानता, समता और सभी को न्याय की संवैधानिक गारंटी पर आधारित हैं।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के बाद अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने अपने देश के दिल्ली स्थित दूतावास में जो पहली पत्रकार वार्ता की, उसमें भारतीय महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया। इस पर बवाल मचना ही था, क्योंकि इसे काबुल सरकार की वर्तमान सोच की संदर्भ में इस घटना को देखा गया।

महिला पत्रकारों और और 'एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' ने अफगान दूतावास द्वारा इस लैंगिक भेदभाव की कड़ी आलोचना की। इसके बाद भारत सरकार ने मामले से यह कहकर पल्ला झाड़ा कि उसका इसमें कोई रोल नहीं है। अफगान दूतावास के अंदर क्या होता है, वह वही जानें। जबकि अफगान दूतावास (जो कल तक खुद तालिबान सरकार के खिलाफ था) ने सफाई दी कि भारतीय महिला पत्रकारों को प्रेस कांफ्रेंस से अलग रखने का उसका कोई सुचिंतित इरादा नहीं था। यह पत्रकारवार्ता जल्दबाजी में कुछ पत्रकारों को बुलाकर आयोजित की गई थी।

प्रतिक्रिया का दिखा असर: भारत में व्यापक प्रतिक्रिया के बाद रविवार को अफगान दूतावास में दूसरी पत्रकारवार्ता में न केवल महिला पत्रकारों को बुलाया गया, बल्कि उन्हें आगे बिठाया गया। यह संदेश देने की कोशिश थी कि महिला पत्रकारों के मुद्दे पर न तो अफगानिस्तान भारत से और न भारत अफगानिस्तान से रिश्ते बिगाड़ना चाहता है। लेकिन इसका अर्थ नहीं है कि महिलाओं को लेकर तालिबानी सोच में रत्तीभर भी फर्क आया हो।

वैसे यह सवाल राजनीतिक, कूटनीतिक और मीडिया जगत में भी तैर रहा है कि मोदी सरकार कट्टरपंथी तालिबान को इस तरह गले क्यों लगा रही है क्या यह स्वागत-सत्कार केवल संकट कालीन मजबूरी है, भू-राजनीतिक हालात का अपने ढंग लाभ उठाने की कोशिश है, पाक को कांटे से कांटा निकालने की शैली में सबक सिखाने की चाल है या फिर विवशताजनित दोस्ती है

यह सही है कि अमेरिका द्वारा चार साल पहले अफगानिस्तान (और उन तमाम आधुनिक सोच वाले अफगानियों को उनकी किस्मत के भरोसे

छोड़कर) से जाने के बाद भारत सरकार ने तालिबानी शासन को मध्ययुगीन बर्बर सोच वाला करार देकर उससे दूरी बना ली थी। लेकिन यह भी कड़वा सच है कि तालिबान चार साल से अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हैं। उन्होंने वहां कट्टर इस्लामिक शरिया कानून लागू कर रखे हैं, जिससे बहुत से अफगान भी सहमत नहीं है। लेकिन बेबस हैं।

उधर अफगानिस्तान अभी भी मानता है कि भारत के साथ उसके ऐतिहासिक रिश्ते हैं लेकिन इस्लामिक देश होते हुए भी पाकिस्तान पर अफगानों का कभी भरोसा नहीं रहा। उनकी तुलना में भारत ज्यादा विश्वसनीय है। हालांकि भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को अभी मान्यता नहीं दी है, लेकिन धीरे-धीरे उसी दिशा में बढ़ रहा है।

कारण साफ है कि भारत अफगानिस्तान में चीन, पाकिस्तान और रूस के लिए मैदान खुला नहीं छोड़ना चाहता। जो सही भी है, लेकिन तालिबान से दोस्ती हो, लेकिन तालिबानों मूल्यों से न हो।

अफगान दूतावास की घटना तो केवल खतरे की घंटी भर है। अपनी पहली आधिकारिक यात्रा में विदेश मंत्री मुत्तकी ने भारत के सहयोग पर जोर दिया। यह सलाह भी दी कि भारत, पाक के साथ वाघा बॉर्डर को खोले ताकि अफगानिस्तान से माल आसानी से भारत भेजा जा सके।

यहां तक तो ठीक, लेकिन मुत्तकी दिल्ली के अलावा और कहीं गए तो वह था- दारूल उलूम देवबंद। यह इस्लामी के सुन्नी इस्लामी शिक्षा का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा केन्द्र हैं, जहां करीब 4 हजार छात्र धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। जिनमें कुछ विदेशी छात्र भी हैं।

दारूल उलूम 1 से 5 वर्ष तक के अलग अलग पाठ्यक्रम संचालित करता है, कुरान, हदीस, नबूवत, अरबी, उर्दू भाषा के अलावा साहित्य और विज्ञान भी शामिल है। शिक्षा का माध्यम उर्दू है, मुख्य जोर दीनी तालीम पर ही है।

इस संस्था की स्थापना भारत में मुगल सत्ता के पूर्ण अवसान के बाद हजरत मौलाना मोहम्मद कासिम नानोतवी और हाजी मोहम्मद ने की थी। उसका उद्देश्य भारत में गौरवपूर्ण मुस्लिम शासन की परंपरा को सहेजे रखना और इस्लामिक विचार और जीवनशैली का संवर्द्धन करना था।

संस्था का संचालन मजलिसे शूरा करती है और इसके प्रमुख मोहतमिम कहलाते हैं। वर्तमान में इसके प्रधानाचार्य मौलाना अर्शद मदनी हैं। 84 वर्षीय मदनी रूढ़िवादी जमीयत उलेमा-ए-हिंद के भी अध्यक्ष हैं।

मुत्ताकी ने देवबंद को ही क्यों चुना: यूं भारत में इस्लामिक शिक्षा देने वाले और भी केन्द्र हैं। लेकिन विदेश मंत्री मुत्ताकी ने देवबंद का ही चयन क्यों किया मुस्लिम देशों से आने वाले राष्ट्राध्यक्ष अथवा राजनयिक अमूमन धार्मिक शिक्षा संस्थानों में नहीं जाते। वो ज्यादातर राजनेताओं से या सामाजिक संगठनों से मिलते हैं। लेकिन मुत्तकी का दौरा देवबंद जाने के कारण ज्यादा चर्चित हुआ।

हो सकता है, इस बहाने वो अपने देश में भी अपनी गहरी इस्लामिक आस्था और उसके सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देना चाहते हों। दारूल उलूम इस्लामिक शिक्षा का केन्द्र भले हो, लेकिन महिलाओं को लेकर उनकी सोच भी तकरीबन वही है, जो मुत्तकी की है।

दारूल उलूम में केवल पुरूष विद्यार्थियों को प्रवेश मिलता है। महिलाओं को नहीं। इसको लेकर खुद मुस्लिम समाज में होने वाली आलोचना के चलते पिछले साल दारूल उलूम प्रबंधन ने महिलाओं को संस्थान में केवल भ्रमण की इजाजत दे दी है। लेकिन वह भी हिजाब और पर्दादारी के साथ। पढ़ने-पढ़ाने का तो सवाल ही नहीं है।

मुत्तकी को देखने और उन्हें छूने के लिए दारूल उलूम में छात्रों की जो भीड़ उमड़ी, उससे यह संदेश गया कि उनकी सोच भी तालिबान से मिलती है। यही चिंता का विषय है। मुत्तकी, संस्था प्रमुख मौलाना मदनी से मिले। बाद में मदनी ने इस मुलाकात के बारे में बयान दिया कि मुत्तकी ने भरोसा दिलाया है कि अफगानिस्तान आतंकियों को भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने देगा।

उधर भारत में कड़ी आलोचना के बाद अफगान विदेश मंत्री महिला पत्रकारों को लेकर अपनी सोच में थोड़ा समझौता किया, लेकिन खुद अफगानिस्तान में आज महिलाएं एक सदी पीछे चली गईं हैं। वहां महिला पत्रकार खुलकर कह भी नहीं सकती कि वो पत्रकार हैं। अफगान नेशनल जर्नलिस्ट यूनियन का दवारा पूर्व में कराए गए एक सर्वे के अनुसार तालिबान शासन में 87 फीसदी महिलाओं के साथ लैंगिक भेदभाव हो रहा है। 60 फीसदी महिलाओं ने अपनी नौकरियां गंवा दी हैं। इनमें से 91 फीसदी महिला पत्रकार ऐसी थीं, जो अपने परिवार में अकेली कमाने वाली थीं। तालिबान शासन द्वारा इतने भयंकर दमन के बावजूद बताया जाता है कि कुछ महिला पत्रकार अभी भी किसी तरह अपना काम कर रही हैं। 2021 में जब अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आए, उस वक्त देश में 1400 महिला पत्रकार काम कर रही थीं। 2023 में इनकी संख्या 400 रह गई। हालांकि बताया जाता है कि 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 600 हो गई है। लेकिन काम करने की परिस्थितियां बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं। उन पर बहुत सारे प्रतिबंध हैं। अफगानिस्तान की एक जानी मानी पत्रकार और 'रूखशाना' की संपादक जहरा जोया के मुताबिक वे इसलिए काम रही हैं, क्योंकि पत्रकारिता उनके लिए मिशन हैं और वो अफगानिस्तान में महिलाओं की दुर्दशा को दुनिया के सामने ला रही हैं। जहरा आजकल लंदन में रहती हैं। पत्रकार तो दूर महिलाओं के अन्य क्षेत्रों में काम करने लेकर भी तालिबान की सोच नकारात्मक है। तीन साल पहले पाकिस्तान की तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार जब बिना हिजाब के अफगानिस्तान के तालिबान शासको से काबुल जाकर मिलीं तो कट्टरपंथियों ने काफी हल्ला मचाया था। लेकिन हिना ने इसकी परवाह नहीं और अफगान शासको से वैसे ही हाथ मिलाया और बातचीत की। तालिबान की नजर में महिलाओं का काम सिर्फ बच्चे पैदा करना और दीनी इबादत करनें जिंदगी गुजारना है। यहां तक की सजने संवरने, गाने बजाने तक तो इस्लाम विरोधी करार दे दिया गया है। यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' सोच के ठीक विपरीत है। हालत यह है कि कुछ समय पहले तक जिस अफगानिस्तान की महिला क्रिकेट टीम टूर्नामेंटों में उतरती थी, वो आज ऑस्ट्रेलिया में शरण लिए हुए है और जिसे वनडे वर्ल्ड कप में विशेष रूप से दर्शक के रूप में आमंत्रित किया गया है।

प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन के अनुसार तालिबान के लिए महिलाएं इंसान ही नहीं हैं। वैश्विक हालात और दक्षिण एशिया के राजनीतिक गणित के चलते भारत सरकार तालिबानियों से रिश्ते रखे, लेकिन उन प्रतिगामी मूल्यों को कतई बर्दाश्त न करे, जो हमारे मूल्यो के खिलाफ हो। भारत में इसकी कोई जगह नहीं है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

धनतेरस पर इन चीजों की खरीदारी से बढ़ेगा 13 गुना धन, मिलेगा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

(मनीष पाण्डेय)

धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर 2025, शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन धन व समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की पूजा का विशेष महत्व है। धनतेरस पर कुछ खास चीजें खरीदना घर में सुख-शांति और धन वृद्धि के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

धनतेरस का त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इसे धन त्रयोदशी और धन्वन्तरि त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस से ही पांच दिन चलने वाले दिवाली के त्योहार की शुरुआत होती है। इस दिन धन व समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की पूजा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है की इसी दिन समुद्र मंथन से देवी लक्ष्मी और अमृत कलश प्रकट हुआ था इसी वजह से इसे धनतेरस कहा जाता है।

पंचांग के अनुसार, इस साल धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर 2025, शनिवार के दिन मनाया जाएगा। धनतेरस के दिन मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा करने से सुख और समृद्धि प्राप्त होती है। इस दिन कुछ खास चीजों को खरीदना बेहद ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि धनतेरस पर इन शुभ चीजों को खरीदने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और धन की वृद्धि होती है। आइए जानते हैं कि इस शुभ दिन पर किन-किन चीजों की खरीदारी करने से आपका धन 13 गुना बढ़ जाएगा।

कुबेर यंत्र: इस दिन कुबेर यंत्र को खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन घर, दुकान के गल्ले या तिजोरी में कुबेर यंत्र रखने से धन और समृद्धि आती है। मान्यता है कि इस उपाय से धन की कमी दूर होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

नमक और धनिया: धनतेरस के दिन नमक खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से दरिद्रता दूर होती है और घर में धन की वृद्धि होती है। नमक नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर करता है। वहीं, धनिये को घर के आंगन या गमले में डालने से समृद्धि आती है।

तांबा: धनतेरस के दिन तांबे की वस्तुएं खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। तांबे के बर्तन या पूजा से जुड़ी वस्तुएं घर लाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और स्वास्थ्य में सुधार होता है। इसी दिन कांसे से बने बर्तन या सजावटी वस्तुएं भी घर लाना शुभ रहता है।

बर्तन: धनतेरस का संबंध 'धन' और 'धातु' दोनों से है। इसीलिए तांबा, पीतल और चांदी के बर्तनों को खरीदना इस दिन बेहद ही शुभ माना जाता है। ज्योतिष में कहा गया है कि धातु खरीदने से शुक्र ग्रह मजबूत होता है और खर्चों में कमी आती है।

झाड़ू: धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा बहुत पुरानी है। मान्यता है कि इस दिन नया झाड़ू लाने से दरिद्रता दूर होती है। झाड़ू को लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। नई झाड़ू से घर की सफाई करने पर मां लक्ष्मी का आगमन होता है। धनतेरस के दिन भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्तियों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है।

नई मूर्ति घर लाने और उनकी विधिवत पूजा करने से घर में धन, अन्न और सुख की कभी कमी नहीं होती। माता लक्ष्मी समृद्धि और सौभाग्य की देवी हैं। इन दोनों की कृपा से जीवन में उन्नति और शांति बनी रहती है।

धनतेरस: समृद्धि का नहीं, संवेदना का उत्सव

डॉ. सत्यवान सौरभ

धनतेरस का अर्थ केवल 'धन' नहीं बल्कि 'ध्यान' भी है – ध्यान उस पर जो हमारे जीवन को सार्थक बनाता है। यह त्योहार हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि समृद्धि का असली अर्थ क्या है। अगर घर में प्रेम है, परिवार में एकता है, मन में शांति है, और समाज में करुणा है–तो यही सबसे बड़ा धन है। इसलिए इस धनतेरस पर केवल चाँदी की चमक नहीं, अपने मन की उजास बढ़ाइए। अपने भीतर के अंधकार को पहचानिए और प्रेम, संयम और सेवा का दीप जलाइए। यही होगी असली पूजा–जहाँ लक्ष्मी केवल तिजोरी में नहीं, व्यवहार में भी बसती है।

धनतेरस का नाम लेते ही आंखों के सामने दीपों की उजास, सोने-चांदी की झिलमिलाहट, बाज़ारों का रौनकभरा शोर और पूजा की तैयारियों में जुटे घर-घर के दृश्य उभर आते हैं। यह दिन न केवल खरीदारी का त्योहार है, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहरे दर्शन का प्रतीक भी है। यह वह दिन है जब लोग मानते हैं कि लक्ष्मी माता घर आएंगी, समृद्धि का आशीर्वाद देंगी, और दुर्भाग्य के अंधकार को मिटा देंगी। परंतु अगर हम इस पर्व के पीछे के दर्शन को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि धनतेरस का अर्थ केवल सोना-चांदी खरीदना नहीं, बल्कि 'धन' की सही परिभाषा को समझना है।

'धन' शब्द संस्कृत के 'धना' से बना है, जिसका अर्थ केवल संपत्ति या पैसा नहीं बल्कि समृद्धि, सुख और संतोष का संगम है। प्राचीन ग्रंथों में धनतेरस को 'धनत्रयोदशी' कहा गया है – अर्थात धन और स्वास्थ्य दोनों की कामना का दिन। इसी दिन समुद्र मंथन से धनवंतरि देवता अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, जिन्होंने मानवता को स्वास्थ्य का वरदान दिया। यही कारण है कि इस दिन को आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। जब दुनिया धन को केवल भौतिक संपत्ति के रूप में देखती है, तब भारतीय दर्शन इसे शरीर, मन और आत्मा की समृद्धि के रूप में देखता है।

आज के समय में धनतेरस का रूप काफी बदल गया है। पहले जहां यह दिन दीप जलाने, घर साफ़ करने और देवी-देवताओं की पूजा का होता था, अब यह दिन शॉपिंग मॉल और ऑनलाइन सेल का प्रतीक बन गया है। धनतेरस आते ही लोग सोना, चांदी, कार, बाइक, फ्रिज, टीवी, मोबाइल–सब कुछ खरीदने की होड़ में लग जाते हैं। लेकिन क्या यही असली 'धन' है? क्या केवल महंगी वस्तुएं खरीदकर हम सच में समृद्ध हो जाते हैं? शायद नहीं। असली समृद्धि तो उस मन में है जो संतोष जानता है, उस घर में है जहाँ प्रेम की दीवारें मजबूत हैं, और उस समाज में है जहाँ सभी के पास रोटी, कपड़ा और सम्मान हो।

धनतेरस हमें यह भी सिखाता है कि धन का उपयोग कैसा हो। जब धन भगवान धनवंतरि से जुड़ा हुआ है, तो इसका अर्थ यह भी है कि धन स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा के लिए होना चाहिए, न कि दिखावे और व्यर्थ विलासिता के लिए। लेकिन आज की हकीकत यह है कि लोग धनतेरस पर नई चीज़ें खरीदने के लिए कर्ज़ तक ले लेते हैं। त्योहार खुशियों का होना चाहिए, पर वह तनाव और तुलना का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया पर कौन कितना खरीद रहा है, किसने कौन-सी गाड़ी ली–यह तुलना हमें भीतर से खोखला कर देती है। असली पूजा तो तब है जब हम अपने जीवन में संतुलन और संयम को जगह दें।

एक समय था जब धनतेरस के अवसर पर लोग मिट्टी के दीप, तांबे या पीतल के बर्तन खरीदते थे। यह परंपरा केवल प्रतीकात्मक नहीं थी, बल्कि वैज्ञानिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थी। मिट्टी के दीप अंधकार मिटाने का प्रतीक हैं, और धातु के बर्तन स्वास्थ्य व सकारात्मक ऊर्जा का। लेकिन अब इन बर्तनों की जगह चमकदार चाइनीज़ लाइट्स और प्लास्टिक के सजावटी सामान ने ले ली है। पहले जहां घरों में 'शुभ-लाभ' लिखकर दीवारें सजी होती थीं, अब 'डिस्काउंट' और 'कैशबैक' के बोर्ड झिलमिला रहे हैं। यह बदलाव केवल बाहरी नहीं, बल्कि हमारे भीतर के मूल्यबोध में भी आया है।

धनतेरस का एक और गहरा संदेश है–'धन' और 'धर्म' के संतुलन का। यदि धन अधर्म के मार्ग से अर्जित किया गया है, तो वह कभी सुख नहीं दे सकता। महाभारत में कहा गया है– ÷धनं धर्मेण सञ्चयेत्÷ यानी धन को धर्म के मार्ग से अर्जित करो। आज जब समाज में भ्रष्टाचार, लालच और अनैतिक कमाई बढ़ रही है, तब धनतेरस हमें याद दिलाता है कि असली पूजा वह नहीं जो सोने के दीपक से हो, बल्कि वह है जो ईमानदारी और परिश्रम से कमाए धन से की जाए। इस दिन जब हम दीप जलाते हैं, तो वह केवल बाहर का अंधकार नहीं मिटाता, बल्कि भीतर के लालच, ईर्ष्या और मोह के अंधकार को भी दूर करने का संदेश देता है।

इस पर्व का एक आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक पक्ष भी है। कार्तिक मास की त्रयोदशी के दिन मौसम बदलता है, सर्दी की शुरुआत होती है, और शरीर में रोगों की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे समय में भगवान धनवंतरि की पूजा करना इस बात का प्रतीक है कि हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। धनतेरस का अर्थ केवल धन प्राप्ति नहीं, बल्कि दीर्घायु, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन की प्राप्ति भी है। जब शरीर स्वस्थ होगा, तभी जीवन में वास्तविक सुख और समृद्धि होगी।

अगर हम अपने पुरखों की जीवनशैली देखें, तो वे त्योहारों को केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं मानते थे, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण संतुलन का अवसर भी समझते थे। धनतेरस के दिन घरों की सफाई का चलन केवल देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रतीक के रूप में भी था। दीप जलाना केवल अंधकार हटाने के लिए नहीं, बल्कि प्रदूषण कम करने और वातावरण को पवित्र करने का एक उपाय भी था। लेकिन आज सफाई की जगह सजावट ने ले ली है, और पवित्रता की जगह दिखावे ने।

धनतेरस समाज में समानता का भी प्रतीक रहा है। पुराने समय में अमीर-गरीब सभी इस दिन अपने घरों में दीप जलाते थे। किसी के पास सोना-चांदी न हो तो वह मिट्टी का दीपक जलाकर भी अपनी श्रद्धा प्रकट करता था। आज यह भाव कम होता जा रहा है। त्योहार जो कभी सबको जोड़ता था, अब वर्गों में बाँट रहा है। मॉलों की चकाचौंध में झुग्गियों की अंधेरी रातें दब जाती हैं। यह सोचने की बात है कि अगर लक्ष्मी सच्चे मन से हर घर में आती हैं, तो इतने लोग भूखे क्यों हैं? इतने किसान कर्ज़ में क्यों मर रहे हैं? क्या हमने लक्ष्मी को केवल अमीरों की देवी बना दिया है?

धनतेरस का वास्तविक संदेश यही है कि हमें धन का सही उपयोग करना सीखना चाहिए। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हमारा धन कितने लोगों के जीवन में रोशनी लाता है। अगर हम अपने धन से किसी गरीब की मदद करें, किसी बीमार के इलाज में सहयोग दें, किसी जरूरतमंद बच्चे की पढ़ाई में योगदान दें–तो वही असली धनतेरस होगी। लक्ष्मी तभी स्थायी होती हैं जब उनका उपयोग दूसरों की भलाई में होता है। वरना वह केवल कुछ समय की झिलमिलाहट बनकर रह जाती हैं।

आज के युग में जब हम डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शॉपिंग और कृत्रिम रोशनी के बीच धनतेरस मना रहे हैं, तब यह और भी ज़रूरी है कि हम इस पर्व की आत्मा को पहचानें। यह पर्व हमें अपने घर के साथ-साथ अपने मन का भी 'क्लीनिंग डे' बनाने का अवसर देता है। अपने भीतर के लोभ, ईर्ष्या, स्वार्थ और दिखावे की धूल झाड़कर अगर हम मन में करुणा, ईमानदारी और प्रेम के दीप जला सकें, तो वही सच्चा धनतेरस होगा।

धनतेरस केवल एक दिन नहीं, एक दृष्टिकोण है–जीवन को संतुलित, स्वास्थ्यपूर्ण और अर्थपूर्ण बनाने का दृष्टिकोण। यह हमें सिखाता है कि धन का मूल्य उसकी मात्रा में नहीं, बल्कि उसके प्रयोग में है। अगर हम धन को साधन बनाएँ, साध्य नहीं, तो वह जीवन में सौंदर्य और संतोष दोनों लाता है। लेकिन अगर वही धन हमें दूसरों से श्रेष्ठ दिखने की दौड़ में ले जाए, तो वह वरदान नहीं, अभिशाप बन जाता है।

आज के समय में शायद सबसे बड़ा 'धन' यह है कि हम अपनी मानसिक शांति को बचा पाएँ। परिवार के साथ बैठकर मुस्कुरा सकें, कुछ समय अपनों को दे सकें, बुजुर्गों के चरण छूकर आशीर्वाद ले सकें–यह भी धनतेरस का ही भाव है। क्योंकि जो घर प्रेम और सम्मान से भरा हो, वहाँ लक्ष्मी अपने आप आ जाती हैं।

त्योहारों की असली चमक सोने या चांदी की नहीं होती, वह मन की निर्मलता में होती है। दीपों की रोशनी बाहर तभी फैलेगी जब भीतर के दीप प्रज्वलित हों। इसलिए इस धनतेरस पर अगर आप कुछ खरीदना ही चाहें, तो अपने लिए संयम, करुणा और संतोष खरीदिए। यह वे अमूल्य वस्तुएं हैं जो कभी पुरानी नहीं पड़तीं, कभी चोरी नहीं होतीं, और जीवनभर समृद्धि देती हैं। धनतेरस का यह पर्व हमें हर वर्ष यह याद दिलाता है कि समृद्धि केवल धनवान बनने में नहीं, बल्कि मनवान बनने में है। जब हम अपने कर्मों से दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाते हैं, जब हम अपनी कमाई से किसी का अंधकार मिटाते हैं–तभी सच्चे अर्थों में 'धनतेरस' होती है। इसलिए दीप जलाइए, पर साथ ही किसी और के जीवन में भी उम्मीद का दीप जलाइए। यही इस पर्व का सबसे सुंदर संदेश है।

उत्तराखंड में आखिरकार क्यों हो रहे आंदोलन अब बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के खिलाफ सड़कों पर लोग

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड पेपर लीक आंदोलन के बाद अब अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया में हो रहा आंदोलन चर्चाओं में है. चौखुटिया का आंदोलन किसी भर्ती घोटाले का नहीं, बल्कि बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर है. इसीलिए इस आंदोलन को प्रदर्शनकारियों ने ऑपरेशन स्वास्थ्य नाम दिया है. चौखुटिया हॉस्पिटल में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के लेकर पूरा कस्बा सड़कों पर उतरा हुआ है. इस आंदोलन का असर ये हुआ कि सरकार को जनता की बात तुरंत सुननी पड़ी. मुख्यमंत्री धामी ने भी मामले का संज्ञान लिया और सीएससी चौखुटिया को लेकर बड़ी घोषणा की. सीएचसी चौखुटिया को उप जिला अस्पताल में अपग्रेड कर दिया है. साथ ही बेड की संख्या बढ़ाकर 50 करने और डिजिटल एक्स-रे मशीन लगाए जाने के संबंध में भी शासनादेश जारी कर दिया गया है, लेकिन अभी भी लोगों ने अपना आंदोलन खत्म नहीं किया है। दो अक्टूबर को शुरू हुआ छोटा सा आंदोलन जनसैलाब में बदला- अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर दो अक्टूबर को महज़ 15-20 लोगों ने ये आंदोलन शुरू किया था, लेकिन धीरे-धीरे ये आंदोलन जनसैलाब में बदल गया.पूर्व सैनिक भुवन कठायत और बचे सिंह की अगुवाई में लोग पहले जल सत्याग्रह पर उतरे. उसके बाद आमरण अनशन किया. अब रोजाना हजारों की तादाद में लोग हाथों में तख्तियां लिए स्वास्थ्य विभाग को जगाने की कोशिश कर रहे हैं. इस आंदोलन में क्या महिलाएं, क्या बच्चे और क्या बुजुर्ग सभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं. स्थानीय लोग कहते हैं कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे इलाके की सांसों की लड़ाई बन गया है। स्वास्थ्य सेवाएं कागजों में जमीन

पर सन्नाटा- चौखुटिया का सीएचसी अस्पताल कागज़ों पर तो 30 बिस्तरों से बढ़ाकर 50 बिस्तरों तक की सूची में है. मगर ज़मीन पर हालात इससे उल्ट हैं। डॉक्टरों के अधिकांश पद खाली हैं. चौखुटिया के सरकारी हॉस्पिटल में न तो सर्जन है और न ही गायनाकोलॉजिस्ट. बाल रोग विशेषज्ञ का पद भी खाली पड़ा हुआ है. 24 घंटे की इमरजेंसी सेवा सिर्फ नाम मात्र है। एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और बुनियादी लैब टेस्ट जैसी सुविधाएं भी या तो बंद हैं या बेहद सीमित. बचे सिंह की मानें तो समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण बीते कुछ महीनों में कई मरीजों की मौत हो चुकी है. बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग जगाने को तैयार नहीं है। जनता की आवाज बन गया चौखुटिया आंदोलन- दो अक्टूबर से चल रहे इस आंदोलन के सूत्रधार रहे पूर्व सैनिक भुवन कथायत उनके ही जल सत्याग्रह और अमरणांसन के बाद भीड़ को ये मालूम हुआ की आखिरकार ये लड़ाई क्यों है। वो कहते है कि हमने बार-बार प्रशासन से अपील की, पत्राचार किया. लेकिन किसी ने नहीं सुनी. जब हमारे क्षेत्र में लोग इलाज के अभाव में दम तोड़ने लगे तो मजबूर होकर हमें आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ा. जब तक सरकार ठोस कार्रवाई कर स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त नहीं करती आंदोलन जारी रहेगा। नींद से जागी सरकार- आंदोलन में बढ़ती भीड़ ने सरकार को जगाने पर मजबूर किया. यहीं कारण है कि 16 अक्टूबर को एक और आदेश जारी हुई. आदेश स्वास्थ्य सचिव डॉक्टर आर राजेश कुमार की तरफ से जारी हुआ, जिसमें चौखुटिया के लोगों को जानकारी देते हुए बताया गया कि अब अस्पताल को अपग्रेड किया जा रहा है. जल्द ही 30 बेड के अस्पताल को 50 बेड का कर दिया जाएगा. इसके अलावा डिजिटल एक्सरे मशीन भी अस्पताल में लगाई जाएगी. वहीं डॉक्टरों की तैनाती को लेकर भी विभाग आगे कार्य कर रहा है । राजनीतिक सरगर्मियां भी तेज़- साल 2027 के विधानसभा चुनाव नज़दीक आने के साथ ही चौखुटिया का यह आंदोलन राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है, जहां एक ओर स्थानीय लोग इसे जनता की आवाज बता रहे हैं तो वहीं कांग्रेस भी इस आंदोलन के साथ खड़ी हो रही है.कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन महरा का कहना है कि चौखुटीया सिर्फ एक छोटा सा गांव नहीं है, बल्कि ये वो क्षेत्र है, जहा से गढ़वाल के लोगों को भी स्वास्थ्य सुविधा मिलती है. ऐसे में सरकार ने अभी तक न तो आंदोलनकारियों से बातचीत की है और न ही उनके आंदोलन के बाद कोई एक्शन लिया है।

संक्षिप्त समाचार

शुरू हुआ साइबेरियन पक्षियों के आने का सिलसिला, आसन झील में शुरू होगी बोटिंग

देहरादून, एजेंसी। रामसर साइट आसन कंजर्वेशन पार्क में साइबेरियन पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। आसन झील में बोटिंग शुरू होगी।उत्तराखंड की पहली रामसर साइट आसन कंजर्वेशन पार्क में साइबेरियन पक्षियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। झील पर बने टापुओं पर रुडी शेलडक (सुर्खाब) के झुंड गुनगुनी धूप के बीच पानी में अठखेलियां करते नजर आ रहे हैं। आसन झील को बोटिंग के लिए खोल दिया गया है। ऐसे में पर्यटक और पक्षियों को निहारने के शौकीन करीब से उनके दीदार कर पाएंगे।आसन कंजर्वेशन पार्क साइबेरियन पक्षियों के लिए मशहूर है। यहां रामसर साइट की जैव विविधता और शांति साइबेरियन पक्षियों को खूब भाती है। यही कारण है करीब 4500 किलोमीटर का लंबा सफर तय कर साइबेरियन पक्षी आसन झील पहुंचते हैं।

अक्तूबर माह से झील में साइबेरियन पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है। करीब 141 प्रजातियों के पांच हजार से अधिक पक्षी झील में पहुंचते है। मार्च से पक्षियों के लौटने का सिलसिला शुरू होता है।आसन कंजर्वेशन रिजॉर्ट के प्रबंधक अनिल नौटियाल ने बताया कि बोट की मरम्मत और रंग रोगन का कार्य जोरों पर चल रहा है। वन दरोगा और पक्षी अवलोकन विशेषज्ञ प्रदीप सक्सेना ने बताया कि आसन रामसर साइट में साइबेरियन पक्षी के आने का सिलसिला शुरू हो गया। कई प्रजाति के साइबेरियन पक्षी रामसर साइट पर पहुंचे हैं।इन प्रजातियों के पक्षियों के होते है दीदाररुडी शेलडक, ब्लैक स्टॉर्क, गूजेंडर, स्नोई ब्राउड फ्लाई कैचर, चेस्टनट हेडेड टेसिया, पलाश फिश ईगल, वाल क्रीपर, चीनी रूबीथ्रोट, सिल्वर-ईयर्ड मेसिया, रिवर टर्न, कानल ग्रीन शैंक, रूफस-बेलिड निल्टवा, स्टेपी ईगल, स्लेटी ब्लू फ्लाई कैचर, ग्रे-बिल्ड टिसिया, ब्राउन डिपर, रूफस जार्जेट फ्लाईकैचर, स्पॉटेड फ्राकटेल, नार्दन शावलर, गैडवाल, यूरेशियन विजन, इंडियन स्पॉट बिल्ड डक, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, टफ्ड डक, लिटिल ग्रेब आदि।

जल सहेजने को गंगा के तट पर विज्ञान की नई साधना, कुएं बढ़ाएंगे धरती का भूजल स्तर

देहरादून, एजेंसी। गंगा की गोद में बसा हरिद्वार अर्धकुंभ से पहले जल संरक्षण की प्रयोगशाला बनने जा रहा है। गंगा तट पर आरसीसी जल पुनर्भरण कुएं बनाकर यहां आस्था को विज्ञान और नवाचार से जोड़ा जाएगा। इन कुओं से गंगा का निर्मल जल धरती में उतरकर भूजल स्तर को बढाएगा। यह परियोजना हरिद्वार को रिवर-लिंक्ड स्मार्ट सिटी बनाएगी, जहां भूजल रीचार्ज की रियल-टाइम निगरानी हो सकेगी। इस पहल से आस्था, पर्यावरण संरक्षण और तकनीक का एक साथ संगम होगा।

हरिद्वार के भूजल स्तर में गिरावट दर्ज की जा रही है। इससे निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने अर्धकुंभ से पूर्व गंगा किनारे आरसीसी इनफिल्ट्रेशन वेल (जल पुनर्भरण कुएं) निर्माण की पहल शुरू की है। करीब एक करोड़ की लागत से 10 मीटर व्यास व 25 मीटर गहरे कुएं लालजीवाला, गौरीशंकर और पंतदीप क्षेत्रों में बनाए जा रहे हैं। कुओं से गंगाजल को भूमिगत स्तर तक पहुंचाकर भूजल को पुनः संचित किया जाएगा, वहीं नदी के जल को प्राकृतिक तरीके से शोधित भी किया जा सकेगा। इससे जल स्तर में सुधार और गंगा की स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ये कुएं प्राकृतिक रिसाव प्रणाली पर आधारित हैं, जिनसे गंगा का अतिरिक्त जल मिट्टी की परतों से होकर नीचे जाएगा और स्वाभाविक रूप से फ़िल्टर होकर भूजल की गुणवत्ता बढ़ाएगा। कुओं में लगे सेंसर रीयल-टाइम डेटा देंगे, जिससे गंगा के प्रवाह, भूजल स्तर और गुणवत्ता की निरंतर निगरानी संभव की जा सकेगी।

ऑनलाईन ऐप पर बस बुकिंग में फर्जीवाड़ा, एप पर बसें फुल, लेकिन चार्ट में थे बस 16 पैसेंजर

देहरादून, एजेंसी। अगर आप उत्तराखंड परिवहन निगम की बस का टिकट ऑनलाइन बुक कर रहे हैं और ऑनलाइन एप पर आपको बस फुल दिखाई दे रही है तो झांसे में न आएं। दरअसल, परिवहन निगम की ओर बसों के ऑनलाइन टिकट बुक करने वाली रेड बस व अभी बस कंपनी कंपनी का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। ऑनलाइन साइट पर बसें फुल दिखाई दे रही थी, जबकि जब आइएसबीटी पर बस का चार्ज निकला तो उसमें आधी से ज्यादा बस खाली निकली। लखनऊ जाने वाली 50 सीटर बस ऑनलाइन साइट पर फुल नजर आ रही थी, जबकि बस में केवल 16 यात्रियों के टिकट बुक पाए गए। यही स्थिति दिल्ली जाने वाली वोल्वो बसों में भी सामने आई।

देहरादून पछवादून डेमोग्राफी चेंज मामला, धामी सरकार ने दिये जांच के आदेश, शुरू हुई सियासत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार ने देहरादून के पछादून क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों में कथित डेमोग्राफी चेंज की जांच के आदेश दिए हैं. अधिकारियों ने बताया कि त्रुटियों और धोखाधड़ी की खबरों के बीच, अधिकारियों को आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिये गये हैं. मुख्यमंत्री के विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते ने कहा आधार और परिवार रजिस्टर में विसंगतियों की शिकायतों के बाद गंभीर जांच शुरू की गई है। मुख्यमंत्री के विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते ने कहा राज्य सरकार उचित दिशा-निर्देशों और कार्रवाई के साथ स्थिति की जांच पर केंद्रित है. उन्होंने आगे कहा राज्य के कई जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन दर्ज किए गए हैं. जिला प्रशासन और पुलिस को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और अन्य प्रमाण पत्र जारी करने वाली संस्थाओं की निगरानी करने के लिए कहा गया है.पछवादून क्षेत्र के कई गांवों में, खासकर मुस्लिम आबादी में वृद्धि को लेकर निवासियों ने

चिंता जताई है. ग्रामीणों ने मुस्लिम परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, कुछ लोग इसका श्रेय विवाहों और क्षेत्र के बाहर से रिश्तेदारों के आने को देते हैं. ढकरानी गांव के 83 वर्षीय निवासी श्याम लाल ने बताया मुस्लिम आबादी पहले कम थी, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें वृद्धि हुई है। पूर्व ग्राम प्रधान मौसम सिंह ने कहा, नहर के आसपास की खाली ज़मीनों पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किए गए. उस समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उन्हें कानूनी दस्तावेज़ प्राप्त करने में मदद की. इसकी कोई जांच नहीं हुई. दुकानदार पंकज सहित स्थानीय लोगों ने भी पिछले 10-15 वर्षों में बढ़ती मुस्लिम आबादी पर चिंता जताई. जिनमें से कई स्थानीय समुदाय से परिचित नहीं हैं। लंबे समय से यहां रहने वाली शांति देवी ने भी इसी तरह की राय व्यक्त की. उन्होंने कहा क्षेत्र में मुस्लिम परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. दूसरी ओर, जीवनगढ़ गांव के ज़ाहिद सहित कुछ मुस्लिम निवासियों ने अपने पिछले स्थानों की समस्याओं के कारण अपने रिश्तेदारों को इस क्षेत्र में बसाने की बात स्वीकार की है. एक अन्य निवासी मोहम्मद इमरान ने बताया वह 20 सालों से इस इलाके में रह रहे हैं। डेमोग्राफी चेंज एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है. भाजपा इसे देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान के लिए खतरा बता रही है. कांग्रेस का कहना है कि भारत के किसी भी नागरिक को देश में कहीं भी बसने का अधिकार है. भाजपा के महेंद्र भट्ट ने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया. दावा किया कि कई इलाकों में बहुसंख्यक आबादी में 40-60 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने पलटवार करते हुए कहा भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है. उन्होंने कहा पार्टी उत्तराखंड के अधिकांश समय सत्ता में रही है. उन्होंने आगे तर्क दिया कि नागरिकों को अपनी पसंद के अनुसार कहीं भी बसने का अधिकार है. इसके लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल जैसे लोगों का उदाहरण दिया।

धाम की दूसरे चरण की यात्रा ने पकड़ी रफ्तार, 17 लाख के पार पहुंची श्रद्धालुओं की संख्या

देहरादून, एजेंसी। जत्थे के साथ तीर्थयात्री केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं। मौसम सुहावना होने के कारण तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शनों के साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ भी उठा रहे हैं। वहीं प्रतिदिन 12 हजार से अधिक श्रद्धालु बदरीनाथ के दर्शन कर रहे हैं।केदारनाथ धाम की दूसरे चरण की तीर्थयात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रतिदिन 10 हजार से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। अभी तक 17 लाख से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। अधिकांश तीर्थयात्री जत्थे के साथ यात्रा पर पहुंच रहे हैं।इन दिनों धाम में मौसम सुहावना होने के कारण तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शनों के साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ भी उठा रहे हैं। बरसात में केदारनाथ की तीर्थयात्रा धीमी पड़ गई थी। प्रतिदिन 5 हजार तक श्रद्धालु दर्शनों को पहुंच रहे थे।बीते अगस्त माह में अतिवृष्टि से गौरीकुंड हाईवे के साथ ही आस्था पथ पर भूस्खलन और भूधंसाव होने से तीर्थयात्रा खासी प्रभावित रही। बारिश न थमने से जिला प्रशासन को कुछ दिनों के लिए तीर्थयात्रा भी रोकनी पड़ी। अब मौसम सामान्य हो गया है। जिससे केदारनाथ की दूसरे चरण की तीर्थयात्रा भी रफ्तार पकड़ने लगी है।

प्राग फार्म फसल मामला : नैनीताल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, किसानों को राहत

देहरादून, एजेंसी। हाई कोर्ट ने ऊधमसिंह नगर स्थित प्रसिद्ध प्राग फार्म की भूमि पर खड़ी फसल की कटाई और बिक्री करने की अनुमति देने जाने को लेकर दायर एकलपीठ के आदेश को चुनोती देती विशेष अपील पर सुनवाई की।शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए याचिकाकर्ताओं को फसल काटने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने सरकार से जवाब भी पेश करने को कहा है।एकलपीठ के आदेश को यूएस नगर की माधवी अग्रवाल अन्य ने विशेष अपील के माध्यम से चुनौती दी गई । अपीलकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि एकलपीठ ने एक आदेश जारी कर राज्य सरकार के हक में फैसला देते हुए कहा कि प्राग फार्म की भूमि पर खड़ी फसल की कटाई व बिक्री सरकार करेगी और पैसे को एक अलग खाते में रखेगी।इस आदेश के विरुद्ध पीड़ितों की तरफ से अपील की गई। अपील में कहा गया कि सरकार ने जमीन पर कब्जा ले लिया है लेकिन इस भूमि पर खड़ी फसल पर उसका हक है। दूसरी ओर सरकार की ओर से इसका विरोध करते हुए कहा गया है प्रविधान राज्य सरकार के पक्ष में है। फसल की बिक्री व कटान राज्य सरकार की ओर से किया जाना चाहिए।राज्य सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि ऊधमसिंह नगर जिला प्रशासन ने फसल काट दी है हालांकि अपीलकर्ता की ओर से कहा गया कि अभी फसल खड़ी है। इसलिए फसल कटाई व बिक्री करने का अधिकार उन्हें दिया जाय। बोई गई फसल अब पक चुकी है।

अशासकीय विद्यालयों में अनियमितता मामला, सीबीसीआईडी जांच की तैयारी

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री कार्यालय को दी गई शिकायत से शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है. मामला अवैध नियुक्ति और वित्तीय अनियमितता का है. जिस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गृह विभाग को जांच कराने के निर्देश दिए हैं. हालांकि अभी जांच को लेकर आधिकारिक पत्र जारी नहीं हुआ है. उम्मीद है कि शुक्रवार को सीबीसीआईडी से जांच करने से जुड़ा आधिकारिक पत्र जारी कर दिया जाएगा। अशासकीय विद्यालयों में अवैध नियुक्ति और अनियमित का मामला वैसे तो कोई नई बात नहीं है लेकिन इस बार बात सीबीसीआईडी जांच तक पहुंच गई है. हालांकि शिक्षा विभाग के स्तर पर इसके लिए कोई कदम उठाए जाने की बजाय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खुद मामले का संज्ञान लेते हुए आदेश किए हैं। बात पौड़ी के अशासकीय विद्यालय की है, जिसमें गलत तरीके से नियुक्ति की बात सामने आई है. हैरत की बात यह है कि यह मामला पहले ही शिक्षा विभाग के संज्ञान में आ गया था. इस पर जांच भी की गई थी लेकिन आगे मामले में कोई कार्रवाई नहीं हो पाई।.यह बात एक शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुंचाई. जिसके बाद सीएम धामी ने इस पर जांच के निर्देश दिए हैं.आरोप लगाया गया है कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्तियां दी गई. अशासकीय इंटर कॉलेज जाखेटी और इंटर कॉलेज डांगीधार में लिपिक के पद पर गलत तरीके से नियुक्ति की शिकायत की गई है. यहां लिपिक के अलावा शिक्षिका की भी गलत प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति की बात कही गई है. अब मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को संदर्भ में सीबीसीआईडी जांच करने के निर्देश दिए हैं. अभी इस मामले में आधिकारिक रूप से जांच सीबीसीआईडी को नहीं सौंपी गई है.मामला अवैध नियुक्ति और करोड़ों के भ्रष्टाचार से जुड़ा है. लिहाजा इसे अब बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है. अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। अभी इसपर जांच के लिए आधिकारिक आदेश करने की तैयारी की जा रही है। इससे पहले भी अशासकीय विद्यालयों को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों में गड़बड़ी की बातें सामने आती रही है. कभी इस पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है. ऐसे में अब मान जा रहा है की पौड़ी के इस अशासकीय विद्यालय में गड़बड़ी पाई जाती है तो सीबीसीआईडी के स्तर पर जांच के बाद दोषियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

2 नवंबर से शुरू होगी आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन, 22 राज्यों के एथलीट लेंगे हिस्सा

देहरादून, एजेंसी। 2 नवंबर से आदि कैलाश रन उत्तराखंड फर्स्ट हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन का आयोजन किया जा रहा है. इसमें 22 राज्यों के एथलीट हिस्सा लेंगे. ये सभी एथलीट 15 हजार फीट की ऊंचाई पर आदि कैलाश पर्वत की परिक्रमा करेंगे। आदि कैलाश में बढ़े श्रद्धालु- उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के अलावा मानसखंड यात्रा के तहत कुमाऊं के आदि कैलाश में साल दर साल धार्मिक यात्राओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने बताया कि साल 2021 से साल 2024 तक आदि कैलाश में यात्रियों की संख्या 3000 से 30000 तक पहुंच गई है. 2025 में यह संख्या अब तक 25000 से ज्यादा हो चुकी है।

पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने बताया आदि कैलाश आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अभी उत्तराखंड के अन्य धामों से काफी कम है लेकिन पिछले कुछ सालों में श्रद्धालुओं की संख्या का बढ़ता ग्राफ बताता है कि यहां भी बहुत सी संभावनाएं हैं। 2 नवंबर से आदि कैलाश परिक्रमा अल्ट्रा मैराथन- उत्तराखंड पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने बताया 2 नवंबर को कुमाऊं के आदि कैलाश क्षेत्र में आदि कैलाश परिक्रमा रन उत्तराखंड फर्स्ट हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें देशभर के 22 राज्यों से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं. उन्होंने बताया नवंबर का महीना और भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिकोण से बेहद चुनौती भरा है. उस समय आदि कैलाश जैसे इलाकों में काफी ज्यादा ठंड बढ़ जाती है. ऐसे में इतने बड़े आयोजन को लेकर पर्यटन विभाग लगातार अपनी तैयारी में जुटा हुआ है.उन्होंने बताया यह अल्ट्रा मैराथन समुद्र तल से तकरीबन 15000 फीट की ऊंचाई पर आयोजित की जा रही है. ये अल्ट्रा मैराथन गुंजी, कालापानी होते हुए गुंजी में तकरीबन 60 किलोमीटर की दूरी तय करके समाप्त होगी. उन्होंने बताया यहां बेहद दुर्गम और सीमांत इलाकों में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, लिहाजा देश भर के राज्यों से आने वाले प्रतिभागियों की सुविधाओं की व्यवस्थाओं का जायजा वे खुद ले रहे हैं.सचिव पर्यटन धीराज गर्ब्याल ने बताया यह मैराथन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के अनुसार हो रहा है. प्रतियोगिता का उद्देश्य पिथौरागढ़ के सीमांत इलाकों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा है. इस क्षेत्र को साहसिक पर्यटन के रूप में प्रमोट करना भी इसका उद्देश्य है.। साथ ही इन इलाकों में मौजूद होमस्टे की इकोनॉमी को मजबूत करने की दिशा में भी इसे बड़ी पहल माना जा रहा है। उन्होंने कहा भारत सरकार की वाइब्रेट विलेज योजना के तहत सीमांत इलाकों को लगातार विकसित करने और इन क्षेत्रों में गतिविधियां स्थापित करने के साथ-साथ शीतकालीन पर्यटन को भी बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिवाली पर सीएम योगी का बड़ा उपहार, प्रदेश के 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत वृद्धि

लखनऊ, एजेंसी। दीपावली पर राज्य कर्मचारियों को बोनस के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ा तोहफा दिया है। उनके महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है।

अब प्रदेश के सभी पात्र 16.35 लाख कर्मचारियों और 11.52 लाख पेंशनरों को 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत की दर से भत्ता मिलेगा। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। महंगाई के प्रभाव से राहत पहुंचाना और जीवनस्तर सुधारना हमारी प्राथमिकता है।

इस निर्णय से राज्य सरकार पर मार्च 2026 तक 1960 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता और राहत का भुगतान अक्टूबर से नकद रूप में किया जाए। इस व्यवस्था के तहत नवंबर 2025 में 795 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा, जबकि ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) से आच्छादित कर्मचारियों के जीपीएफ में 185 करोड़ जमा होंगे।

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई से सितंबर 2025 के एरियर भुगतान पर 550 करोड़ से अधिक का भार पड़ेगा। दिसंबर 2025 से प्रत्येक माह 245 करोड़ का अतिरिक्त व्ययभार राज्य सरकार वहन करेगी।

महंगाई भत्ते की यह बढ़ोतरी न केवल सरकारी विभागों के नियमित कर्मचारियों को लाभान्वित करेगी, बल्कि सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यप्रभारित कर्मचारियों और यूजीसी वेतनमान वाले कार्मिकों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। यह कदम न केवल कर्मचारियों की क्रयशक्ति बढ़ाएगा, बल्कि त्योहारों के सीजन में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा।

संक्षिप्त समाचार

400 मीटर में हिमांशी और विश्वजीत सबसे तेज दौड़े

पुरवा , एजेंसी। प्राथमिक विद्यालयों की न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है। गुरुवार को पुरवा ब्लॉक में आयोजित प्रतियोगिता में 13 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। 400 मीटर दौड़ में विश्वजीत और हिमांशी ने बाजी मारी।

क्षेत्र के बनिगांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। व्यायाम शिक्षक प्रदीप कुमार व खेल अनुदेशक आलोक कुमार की देखरेख में प्रतियोगिता में बच्चों ने अपना दमखम दिखाया। 50 मीटर दौड में नीरज अव्वल रहें। वहीं 100 मीटर आदित्य ने बाजी मारी। इसके अलावा 200 मीटर में नैतिक तिवारी और 400 मीटर में विश्वजीत सबसे तेज दौड़े। बालिका वर्ग 50 मीटर दौड़ में शिवानी अव्वल रहीं। 100 मीटर में सौम्या गुप्ता और 200 मीटर में आयुषी व 400 मीटर दौड़ में हिमांशी अव्वल रहीं। इस दौरान अखिलेश चंद्र , सुनील कुमार पाल , वीरेंद्र कुमार,शशिकांत आदि मौजूद रहे।

दौड़ में पवन, सुशांत और गौरव ने बाजी मारी

बीघापुर। क्षेत्र के न्याय पंचायत ख्वाजगीपुर में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ एआरपी प्रशांत बाजपेई ने किया। दौड़ में पवन, सुशांत और गौरव ने बाजी मारी। वहीं प्राथमिक विद्यालय करोवन की टीम ने कब्बडी व खो-खो में जीत हासिल की। संचालन कुमार अभिषेक,अली मेहंदी व संजय पटेल ने किया। इस दौरान शिक्षक संकुल मनोज द्विवेदी, खेल प्रभारी स्वर्णपाल सिंह,अशोक रावत, शहजाद हुसैन,शांभवी शुक्ला, मीना बाजपेई आदि मौजूद रहीं।

सहकर्मी ने ब्लैकमेल कर युवती का किया यौन शोषण, अश्लील फोटो वायरल करने की दी धमकी

बरेली , एजेंसी। बरेली में युवती को प्रेमजाल में फंसाकर युवक ने यौन शोषण किया है। युवती का आरोप है कि युवक ने आत्महत्या कर उसके परिजनों को फंसाने की धमकी दी। इससे वह उसे ब्लैकमेल करता रहा। पीड़ित छात्रा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी रोहित और धमकाने के लिए उसके भाई के खिलाफ संबंधित आरोपों में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक पीलीभीत जिले की रहने वाली युवती ने फरीदपुर थाने में तहरीर देकर बताया कि वह बरेली के एक कॉलेज में एमबीए की पढ़ाई कर रही थी। वहीं पर उसकी पहचान रोहित से हो गई। बाद में वह दोनों फरीदपुर की कंपनी में नौकरी करने लगे। रोहित फरीदपुर में कंपनी की तरफ से मिले कमरे में रह रहा था। वह वहीं उसके ऊपर वाले कमरे में रह रही थी।

आरोपी ने कहा कि वह उसे प्यार करता है। उसे बातों में फंसा लिया। रोहित ने आत्महत्या करने की धमकी दी। साथ ही उसके भाई ने उसे और उसके परिवार को फंसाने की धमकी दी। इस बीच आरोपी युवक ने उसके साथ कई शारीरिक संबंध बना लिए। उसने उसके फोटो खींच लिए। उसने छात्रा व उसके घरवालों को फोन कर फोटो वायरल करने की धमकी दी।

आरोपी ने तुड़वा दी थी शादी : पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसकी शादी पहले भी तुड़वा चुका है। कुछ दिनों पहले उसने उसके ऊपर दबाव डालकर शादी कर ली थी, लेकिन वह उसके साथ रहना नहीं चाहती। अब वह बार-बार फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। इधर, फरीदपुर इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि युवती की तहरीर पर आरोपी व उसके भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

मोबाइल लूटने वाले दो युवक गिरफ्तार

अमेठी सिटी , एजेंसी। मोबाइल लूट की वारदातों में शामिल जायस के दो युवकों को गौरीगंज पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिसका इस्तेमाल वारदातों में किया गया था। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

इंस्पेक्टर श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि सूचना मिली कि नवोदय विद्यालय के पीछे नहर पटरी के पास दो युवक संदिग्ध हालात में मोटरसाइकिल के साथ खड़े हैं। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक ने अपना नाम अनिल गुप्ता निवासी छोटा कंचनावा वार्ड जायस और दूसरे ने सैफ निवासी जेर मस्जिद वार्ड जायस बताया। तलाशी में उनके पास से दो मोबाइल बरामद हुए, जिन्हें उन्होंने नौ और 15 अक्तूबर को सैठा रोड पर राहगीरों से लूटा था। पूछताछ में दोनों ने आर्थिक तंगी के कारण मोबाइल लूटने की बात स्वीकार की। बताया कि दोनों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

दीपावली गिफ्ट में सूखे मेवों की जगह बर्तन, बिस्कुट और होम डेकोर का दबदबा

मेरठ , एजेंसी। मेरठ में दीपावली का बाजार गुलजार है, लेकिन महंगाई ने गिफ्टिंग की परंपरा पर असर डाला है। पिछले साल की तुलना में इस साल ड्राई फ्रूट्स के दाम डेढ़ गुना तक बढ़ गए हैं। किशमिश 560 रुपये प्रति किलो, काजू 960 रुपये, बादाम 840 रुपये और चिलगोजे 5 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। इसके कारण गिफ्ट बॉक्स की कीमत 1500 से 2500 रुपये तक हो गई।

लोगों ने सूखे मेवे की बजाय बिस्कुट, नमकीन, टॉफी, जूस और अन्य होम डेकोर आइटम जैसे बैड शीट, वाटर बॉटल सेट, कप सेट और क्रॉकरी सेट को गिफ्ट पैक में शामिल करना शुरू कर दिया है। इनकी कीमत 300 रुपये से 1500 रुपये तक है। व्यापारी विनेश जैन का कहना है कि महंगाई के कारण सूखे मेवे की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं, इसलिए वे भी अन्य गिफ्ट पैक खरीद रहे हैं। वहीं अनिल पुंडीर बताते हैं कि लोग अब हलवाई से मिठाई बनवाकर बजट में फिट गिफ्ट पैक तैयार करवा रहे हैं। संयुक्त व्यापार संघ के उपाध्यक्ष तरुण गुप्ता ने कहा कि महंगाई से हर ग्राहक प्रभावित है, और इस बार सूखे मेवे के गिफ्ट पैक की तुलना में अन्य विकल्पों की बिक्री ज्यादा हो रही है। इस तरह, इस दीपावली पर बाजार में सूखे मेवे से लेकर होम डेकोर तक के गिफ्ट पैक में बदलाव साफ नजर आ रहा है।

काशी में गंगा के जलस्तर में पांच सेमी की कमी, छतों पर ही हो रही आरती

वाराणसी, एजेंसी। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण घाटों पर होने वाली गंगा आरती छतों पर ही हो रही है। दो दिनों तक बढ़ोतरी के बाद बृहस्पतिवार को गंगा के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार रात आठ बजे गंगा का जलस्तर 64.11 मीटर था। जलस्तर में उतार चढ़ाव के कारण घाट पर दुश्वारियां बढ़ गई हैं। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती अभी तक छतों पर ही हो रही है। बृहस्पतिवार की सुबह गंगा का जलस्तर 64.16 मीटर था और जलस्तर में ठहराव था। दोपहर के बाद गंगा के जलस्तर में गिरावट शुरू हुई और पांच सेंटीमीटर की कमी आई।

गंगा सेवा निधि की ओर से होने वाली गंगा आरती जलस्तर बढ़ने के बाद से ही छत पर हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार बुधवार को गंगा का जलस्तर 64.19 मीटर रिकार्ड किया गया था और मंगलवार की जलस्तर 64.15 मीटर था। गंगा का जलस्तर स्थिर होने के बाद घाटों पर कीचड़ व गाद से पर्यटकों व श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है।

बाबा महाश्मशाननाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष चैनू प्रसाद गुप्ता ने बताया कि दीपावली की रात्रि में बाबा महाश्मशाननाथ मंदिर में विशेष पूजा होती है। दूर-दूर से तांत्रिक और श्रद्धालु यहां पहुंचकर पूरी रात पूजा और तंत्र क्रियाएं करते हैं।

अंबानी परिवार ने मां अन्नपूर्णेश्वरी को भेजा उपहार, साड़ी और आभूषण समेत श्रृंगार सामग्री शामिल

वाराणसी, एजेंसी। मां अन्नपूर्णेश्वरी के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन धनत्रयोदशी से शुरू हो जाएंगी। इसके लिए तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इसी बीच अंबानी परिवार ने मां अन्नपूर्णेश्वरी को श्रृंगार सामग्री भेजा है। ये श्रृंगार सामग्री धनतेरस के अवसर पर मां को चढ़ाई जाएगी।

अंबानी परिवार की ओर से भेजी गई सामग्री में दीपावली ग्रीटिंग के साथ साड़ी समेत आभूषण शामिल है। इस उपहार पर मुकेश अंबानी समेत दोनों पुत्रों,पुत्रवधुओं और बच्चों के नाम अंकित हैं।

पांच दिन होंगे मां अन्नपूर्णा के दर्शनः धनतेरस पर काशीपुराधीश्वरी मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होंगे। इस बार भी श्रद्धालुओं को पांच दिनों तक माता के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन मिलेंगे। अन्नपूर्णा मंदिर में मां के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन के लिए 17 अक्तूबर से ही श्रद्धालु कतारबद्ध हो जाएंगे। 18 अक्तूबर को कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे और 22 अक्तूबर को शयन आरती के बाद अगले साल के लिए बंद हो जाएंगे।

किसान आंदोलन से चर्चित हुई पूनम बनेंगी मेरठ की बहू, सपा नेता दीपक गिरी संग की सगाई, इंस्टा पर डालीं पिक्स

मेरठ, एजेंसी। किसान आंदोलन के दौरान किसानों की आवाज बनकर राष्ट्रीय पहचान हासिल करने वाली पूनम पंडित अब नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी के युवा नेता दीपक गिरी से सगाई कर ली है। दीपक गिरी मेरठ के रहने वाले हैं और लंबे समय से पार्टी से जुड़े हैं।

सोशल मीडिया पर साझा की सगाई की तस्वीरें: पूनम ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सगाई की खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इनमें वे पारंपरिक परिधान में नजर आ रही हैं, जबकि दीपक गिरी भी हल्के क्रीम कलर के कुर्ते-पायजामे में दिखाई दिए। दोनों के चेहरे पर खुशियों की झलक साफ नजर आ रही है।

सगाई समारोह में शामिल हुए करीबी दोस्त व रिश्तेदारः सगाई समारोह में दोनों के परिवारों और करीबी दोस्तों ने हिस्सा लिया। तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और समर्थक उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

किसान आंदोलन से चर्चा में आई थी पूनमः पूनम पंडित ने 2020-21 के किसान आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने दिल्ली बॉर्डर पर किसानों के साथ धरना देकर सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद वे राजनीति में भी सक्रिय रहीं और कई सामाजिक अभियानों में हिस्सा लिया।

जीवन की नई पारी की शुरुआत, बनेंगी मेरठ की बहूः अब उनकी यह नई शुरुआत मेरठ से जुड़ रही है। सगाई के साथ ही पूनम मेरठ की बहू बनने जा रही हैं, जिससे शहर में भी उनके समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है।

इंस्टा पर पोस्ट की तस्वीरें, लिखा भावुक पोस्टः पूनम ने जहां अपने इंस्टा अकाउंट पर अपनी सगाई की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा-इस दिन का सभी को इंतजार था। सभी मेरे इंस्टाग्राम पर और फेसबुक पर पूछते थे कि आप कब शादी कर रहे हो। तो इंतजार खत्म और हम जल्दी शादी कर रहे हैं। हमारी कल एंगेजमेंट थी। काफी देर तक फ्री हुए। इसलिए फोटो आज आपके साथ साझा कर रही हूं। इनसे मिलिए ये हैं दीपक जी मेरे जीवनसाथी। हमेशा मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। दुनिया ने इनको न जाने क्या क्या कहा फिर भी सभी की बात दरकिनार करते हुए हमेशा मुझे सपोर्ट किया। महादेव का शुक्रिया कि मुझे दीपक जी जैसे जीवनसाथी मिले।

नन्हीं जान ने कितना संघर्ष किया होगा...बच्ची के कातिलों को फांसी की सजा, कोर्ट ने लिखीं ये पंक्तियां

आगरा , एजेंसी। आगरा में साढ़े पांच साल की बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर बेरहमी से हत्या के दो दोषियों को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा दोषियों ने नन्ही अबोध बालिका के विरुद्ध सह अभियुक्त के साथ हवस पूर्ति करते हुए जघन्य घटना को अंजाम दिया है।

विशेष न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में अत्यंत गंभीर और संवेदनशील तथ्य यह है कि अभियुक्त अमित वादी का रिश्तेदार था। पीड़िता अभियुक्त की पुत्री के रूप में थी। वह विश्वास के कारण ही अभियुक्त अमित के साथ गई होगी। परंतु अभियुक्त ने संबंधों की मर्यादा को लांघते हुए पीड़िता के विश्वास को तार-तार किया। नन्ही अबोध बालिका के विरुद्ध सह अभियुक्त के साथ हवस पूर्ति करते हुए जघन्य घटना को अंजाम दिया। इस नन्ही जान को उसके माता-पिता ने कभी कोई सुई भी न चुभने दी होगी, उसने स्वयं का जीवन बचाने के लिए कितना संघर्ष किया होगा। अदालत ने पंक्तियां भी लिखीं।

हाईकोर्ट ने वाराणसी शाही बाबा मजार ध्वस्तीकरण पर लगाई रोक, सुनवाई का दिया एक और मौका

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी में सर्किट हाउस के पास स्थित मजार हजरत मुख्तार अली शाह उर्फ लाटशाही बाबा के ध्वस्तीकरण व बेदखली पर रोक लगा दी है। साथ ही याची की आपत्ति पर सुनवाई का मौका देते हुए एक माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी और न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की खंडपीठ ने मजार वक्फ की तरफ से दायर याचिका पर दिया है।

याची वक्फ मजार के अधिवक्ता ने दलील दी कि याची को दो दिन में सड़क से अवैध कब्जा हटा लेने का आदेश देते हुए सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी वाराणसी ने नोटिस दिया है। यह नोटिस लोक संपत्ति क्षति निवारण कानून के तहत दिया गया है। जबकि विवादित संपत्ति उप्र पब्लिक प्रिमाइसेस (अनाधिकृत कब्जा बेदखली) कानून के दायरे में आती है। ऐसे में सक्षम अधिकारी को कानून के अनुसार पक्षों को सुनते हुए कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है। इसलिए सहायक अभियंता को लोक संपत्ति क्षति निवारण कानून के तहत नोटिस देने का अधिकार नहीं है। नोटिस रद्द किया जाना चाहिए। कोर्ट ने पक्षों को कहा, नोटिस में अतिक्रमण हटाने के लिए सिर्फ दो दिन का समय दिया गया है।

आयोडीन टिंचर की बूंद डालते ही मिलावटी खोया हो जाएगा नीला

उन्नाव , एजेंसी। शहर के लोकनगर में संचालित होटल में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। इसमें खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान के तरीके बताए गए। कारोबारियों को मानक अनुरूप सामग्री का प्रयोग करने की नसीहत दी गई।

कार्यशाला का शुभारंभ एडीएम (वित्त राजस्व) सुशील कुमार गोंड ने कराया। उन्होंने कहा कि कारोबार करने वाले मानक के अनुसार ही मिष्ठान, खोया व पनीर आदि में खाद्य सामग्री का प्रयोग करें। निर्धारित मानक के अनुसार ही रंगों का प्रयोग करके मिठाईयां तैयार करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि घर में ही लोग मिलावट की जांच कर सकते हैं। थोड़ा खोया लेकर पानी में उबालें। उसके बाद आयोडीन टिंचर की चार बूंद उसमें डालें। यदि खोये का रंग नीला हो जाता है तो वह मिलावटी है। अंगुली से रगड़ने पर ज्यादा चिकनाई छोड़ने वाला खोया भी मिलावटी हो सकता है। मिलावटी पनीर भी टिंचर डालने पर नीला हो जाता है।

सहायक खाद्य आयुक्त प्रियंका सिंह ने बताया कि नियमानुसार पंजीकरण व लाइसेंस लेकर ही कारोबार करें। सालाना 12 लाख से ऊपर का कारोबार कर रहे हैं तो उसके लिए लाइसेंस अनिवार्य है। इससे कम के लिए पंजीकरण कराना होता है। मिठाई एवं डेयरी संचालकों को प्राप्त कच्चे माल के अभिलेखों को भी संरक्षित करने की जानकारी दी गई।

इस दौरान कारोबारियों ने भी कुछ सवाल पूछे। जिनका जवाब दिया गया। कहा गया कि परिसर में साफ सफाई जरूर रखें। इस दौरान मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेश दीक्षित, अनिल कुमार कटियार, उपासना साह, आशीष कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

पनीर व खोया नष्ट कराया

उन्नाव। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने शुक्लागंज के जगनीखेड़ा में यादव पनीर भंडार में जांच की। मिलावट का संदेह होने पर पनीर व खोये का नमूना लिया। सौ किलो पनीर तथा 35 किलो खोया नष्ट कराया। इसका मूल्य लगभग 33100 रुपये है। दोस्तीनगर में श्रीबालाजी दुकान से पनीर का सैंपल लिया। साफ सफाई न मिलने पर नोटिस दी गई। जांच टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेश दीक्षित, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार कटियार, आशीष कुमार वर्मा आदि शामिल रहे।

राजस्थान देश में दूसरा राज्य : बिजली स्टोर करने की बैटरी व्यवस्था के नियमों का मसौदा जारी, आमजन से 14 नवंबर तक मांगे सुझाव

जयपुर। बिजली स्टोर करने वाली बड़ी बैटरी व्यवस्था [बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (क्ष्क्षस्स्)] विनियम, 2025 बनाने वाला राजस्थान देश का दूसरा राज्य बन गया है। इससे पहले केवल आंध्र प्रदेश ही इस तरह के नियम बना पाया था। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (ऋक्षऋष्ट) ने इन प्रस्तावित नियमों (विनियम 2025) का मसौदा आम जनता के लिए जारी कर दिया है। इन नियमों को बिजली कानून, 2003 के तहत आयोग की शक्तियों का उपयोग करके तैयार किया गया है। राजस्थान के प्रमुख ऊर्जा सचिव अजिताभ शर्मा ने बताया कि इन नियमों को भारत सरकार के ऊर्जा भंडारण राष्ट्रीय ढाँचे (अगस्त 2023) और राजस्थान की स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसका मुख्य लक्ष्य राजस्थान में बिजली स्टोर करने की इन प्रणालियों की प्लानिंग, खरीद और इस्तेमाल के लिए एक साफ-सुथरा ढाँचा बनाना है। इससे सौर और पवन ऊर्जा को बिजली के सिस्टम (ग्रिड) में आसानी से जोड़ा जा सकेगा, बिजली सप्लाई में संतुलन बना रहेगा और पूरा सिस्टम लचीला होकर बेहतर काम करेगा।

यह प्रारूप राजस्थान विद्युत नियामक आयोग वेबसाइट www.rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है। आम जन से अपील की गई है कि वे 14 नवंबर 2025 तक इस मसौदे पर अपने सुझाव और आपत्तियाँ 6 प्रतियों में नियामक आयोग को भिजवा सकते हैं।

जानिए, क्या हैं मुख्य-मुख्य प्रावधानः ये नियम किसी खास बैटरी तकनीक तक सीमित नहीं हैं। बल्कि सभी तरह की बिजली भंडारण प्रणालियों पर लागू होंगे। बिजली स्टोर करने की यह व्यवस्था बिजली बाँटने वाली कंपनियाँ (डिस्कॉम), बिजली पहुँचाने वाली कंपनियाँ, बिजली बनाने वाली कंपनियाँ, आम उपभोक्ता या कोई भी निजी निवेशक बना और चला सकता है।

बिजली कंपनियों के लिए नियमः

खरीद का तरीकाः बिजली कंपनियाँ बैटरी से जुड़ी क्षमता और सेवाओं की सभी खरीद केवल सबसे सस्ती बोली (टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली) लगाकर ही करेंगी।

क्षमताः ग्रिड से जुड़ने वाली एक बैटरी प्रोजेक्ट का न्यूनतम आकार 1 मेगावाट या उससे ज़्यादा होना चाहिए, जो कम से कम दो घंटे तक बिजली दे सके। हालांकि, यह नियम छोटे उपभोक्ताओं या मोहल्ले के ट्रांसफार्मर स्तर पर लागू नहीं होगा।

मददगार सेवाएँः ये बैटरी सिस्टम ग्रिड को संतुलन में रखने, वोल्टेज सपोर्ट देने, और ग्रिड फेल होने पर दोबारा चालू करने (ब्लैक स्टार्ट) जैसी जरूरी सेवाएँ देने के लिए पात्र होंग।

आरई का लाभः बैटरी को चार्ज करने में इस्तेमाल होने वाली अक्षय ऊर्जा (जैसेः सौर) को अपनी हरी प्रकृति बनाए रखने की अनुमति होगी, जिससे बिजली कंपनियों को अक्षय ऊर्जा खरीदने की अनिवार्यता (RPO/RCO) का लाभ मिलेगा।

उपभोक्ताओं के लिए फायदेः

घर पर बैटरीः सभी उपभोक्ता अपनी तय बिजली की मांग (लोड) तक, सौर ऊर्जा संयंत्र के साथ या बिना, अपने मीटर के पीछे (यानी घर या फैक्ट्री में) बैटरी सिस्टम लगा सकते हैं।

बिजली का कारोबारः उपभोक्ताओं को सस्ते समय (ऑफ-पीक) में ग्रिड से बिजली खरीदकर स्टोर करने और महंगे समय (पीक) में इसे वापस ग्रिड को बेचकर फायदा कमाने की अनुमति होगी।

मालपुरा के रिद्धि सिद्धि एजेंसी के गोदाम पर छापा, लगभग 325 किलोग्राम सोन पपड़ी को किया सीज

मालपुरा। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों के लगातार नमूने भी लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा आयुक्त टी शुभमंगला और जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी द्वारा गठित टीम द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर के नेतृत्व में रिद्धि सिद्धि एजेंसी मालपुरा के गोदाम पर छापा मारकर सोन पपड़ी भगवती ब्रांड का नमूना लेकर शेष बचे हुए लगभग 325 किलोग्राम सोन पपड़ी को जांच रिपोर्ट आने तक नियमानुसार सीज कर विक्रेता की सुरक्षित अभिरक्षा में रखने हेतु सुपुर्दगी दी गई। उक्त सोहन पपड़ी भगवती ब्रांड की पैकिंग पर निर्माण तिथि, उपयोग में लेने की तिथि व बैच नंबर अंकित नहीं होने के कारण एफएसएसए एक्ट के अंतर्गत नियमानुसार सीज किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुजर ने बताया की जांच रिपोर्ट में मिलावट पाएं जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 को तहत कठोर कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा दल द्वारा तिवाड़ी इंटरप्राइजेज मालपुरा से रसगुल्ला का नमूना, कुंदन मल चंदन मल से गुड़ व हींग का नमूना, बीकानेर मिष्ठान भंडार से मावा और मावा बर्फी का नमूना लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भिजवाया गया। जांच रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी गुर्जर ने बताया की दीपावली के त्यौहार तक लगातार मिलावट के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के साथ अविनाश साहू, रामेश्वर प्रसाद, तिलक वर्मा, प्रहलाद आदि उपस्थित रहे।

2 किलोग्राम 540 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर गिरफतार

रूपवास (भरतपुर)। गहनौली थाना पुलिस ने गहनौली मोड़ पर नाकाबंदी के दौरान बाइक पर जा रहे संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी लेने पर बाइक में रखकर ले जा रहे 2 किलो 540 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। व्यक्ति की बाइक से गांजा मिलने पर पुलिस ने मादक पदार्थ जप्त कर व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। गहनौली थानाधिकारी जितेन्द्र कुमार गगवानी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक भरतपुर दिगत आनंद (आई.पी.एस.) के निर्देशानुसार अनिल डोरिया आर.पी.एस पुलिस उप अधीक्षक वृत उच्चौन के निकटतम सुपरवीजन में थानाधिकारी थाना गहनौली मोड जितेन्द्र कुमार गंगवानी पु0नि0 के नेतृत्व में थाना गहनौली की पुलिस टीम ने कार्यवाही की।

गहनौली मोड जितेन्द्र कुमार गंगवानी पु0नि0 के नेतृत्व में थाना गहनौली मोड की पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 16.10.25 को सांय करीब 5.00 बजे दौरान नाकाबंदी जिन्दपुरा बंद के पास शक्श जीतू उर्फ जितेन्द्र पुत्र खैमचन्द जाति गुर्जर उम्र 50 वर्ष निवासी खुडासा पुलिस थाना गहनौली मोड के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 2 किलोग्राम 540 ग्राम व वाहन मोटरसाईकिल रजि0न0 आरजे 05 यूएस 5546 को जप्त कर जीतू को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं पुलिस टीम में जितेन्द्र कुमार गंगवानी पु0नि0 थानाधिकारी पुलिस थाना गहनौली मोड, राजेन्द्र सिंह स0उ0नि, लक्ष्मन सिंह कांसटेबल, लेखराज मिह कंस्टेबल, सुबरन सिंह कंसटेबल, राकेश कुमार कंस्टेबल मौजूद थे।

बारिश में टूटी सड़कों की होगी पक्की मरम्मत, सरकार ने खोला 798 करोड़ का पिटारा

जयपुर। अब बारिश में सड़कों के धसने और गड्ढों में गाड़ियों के फंसने की परेशानी कम होगी। राज्य सरकार ने बड़ी राहत देते हुए 41 जिलों की खराब सड़कों की मरम्मत के लिए 798.80 करोड़ की मंजूरी दे दी है। इस राशि से 1592 जगहों पर स्थाई मरम्मत के काम किए जाएंगे, जिसमें ग्रामीण सड़कें, राज्य राजमार्ग, मुख्य जिला सड़कें और शहरी रास्ते शामिल हैं। अक्सर बारिश के मौसम में सड़कें उखड़ जाती हैं, पानी भर जाता है और लोगों को आवाजाही में दिक्कत झेलनी पड़ती है।

कई बार तो सड़कें धंसने और गड्ढों की वजह से हादसे भी हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी सड़कों की मरम्मत समय पर और अच्छी गुणवत्ता से की जाए ताकि आगे फिर ऐसी समस्या न हो। सरकार का कहना है कि इस बार सड़कों को ऐसे तैयार किया जाएगा कि उन पर पानी न टिके और वे ज्यादा टिकाऊ रहें। यानी आने वाले मानसून में लोगों को अब कीचड़, पानी और गड्ढों से राहत मिलने वाली है।

राजस्थान में सर्दी ने कराया अहसास : सीकर में पारा 14 डिग्री से नीचे, रात में बढ़ी ठिठुरन

जयपुर। राजस्थान में अब ठंड ने धीरे-धीरे अपनी उपस्थिति दर्ज करानी शुरू कर दी है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से रात के तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। सीकर, अजमेर और आसपास के इलाकों में पारा औसत से करीब 5 डिग्री नीचे पहुंच गया है। गुरुवार रात सीकर में न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो अब तक का इस सीजन का सबसे कम तापमान है।शेखावाटी क्षेत्र (सीकर, झुंझुनूं, चूरू) में हल्की सर्द हवाओं ने सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में ऐसा ही मिज़ाज रहने की संभावना है। तापमान में किसी बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना नहीं है, लेकिन रातें और ठंडी होती जाएंगी। राज्य के ज़्यादातर हिस्सों में दिन में मौसम साफ़ और धूप खिली हुई है। दोपहर में हल्की गर्मी का एहसास अब भी बना हुआ है।गुरुवार को बाड़मेर का अधिकतम तापमान 36.9एष्ट और जैसलमेर का 36.3एष्ट रिकॉर्ड किया गया – ये दोनों राज्य के सबसे गर्म शहर रहे।वहीं, सीकर में रात सबसे ठंडी रही। पिलानी (15.7एष्ट) और दौसा (15.6एष्ट) में भी तापमान औसत से नीचे दर्ज हुआ।

जयपुर, उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर और आसपास के इलाकों में भी रात का तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री कम हो गया है। सुबह की हवा में ठंडक महसूस की जा रही है और खुले इलाकों में ओस की परत दिखने लगी है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर भारत में आ रही ठंडी हवाओं के चलते आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट हो सकती है। नवंबर के पहले हफ्ते से सर्दी का असर और गहराने की संभावना है।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने मालवीय नगर फायर स्टेशन का किया औचक निरीक्षण

दीपावली पर सतर्क रहने के निर्देश

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बुधवार को मालवीय नगर फायर स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल भी मौजूद रहे। आयुक्त ने दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर उपलब्ध सभी आवश्यक संसाधनों, अग्निशमन वाहनों और उपकरणों की कार्यशील स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान हाजिरी रजिस्टर की जांच की गई और उपस्थित कर्मचारियों की उपस्थिति का सत्यापन किया गया। आयुक्त ने कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश देते हुए कहा कि फायर स्टेशन का हर कर्मचारी अपने मोबाइल फोन चालू अवस्था में रखे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत कार्य शुरू किया जा सके। डॉ. सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपावली पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आग लगने या अन्य आपात परिस्थितियों में आमजन को तुरंत और प्रभावी राहत पहुंचाना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिपावली पर्व पर विशेष अभियान के तहत 43 लीटर घी सीज किया

भीलवाड़ा। आयुक्त (खाद्य सुरक्षा एवं औशधि नियंत्रण) डॉ. टी. शुभमंगला राजस्थान जयपुर एवं जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में चलाये जा रहे ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान'' के अन्तर्गत दिपावली पर्व पर विशेष अभियान द्वारा जिले मे 8 खाद्य नमूने लिये गये अभियान के तहत अब तक कुल 68 खाद्य नमूने लिये गये एवं लगभग 3000 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई गयी एवं 497 किग्रा खाद्य सामाग्री सीज कि गई है।खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मैससर्स-राजेन्द्र प्रसाद रामपाल, सदर बाजार, गुलाबपुरा, से आचार, खोआ व रसगुल्ले का 3 नमूने लिये गये, मैसर्स- भवानी बिकानेर मिष्ठान भण्डार, रायला, से पनीर का 1 नमूना लिया गया व मैसर्स- सोमानी ब्रदर्स, रायला से घी (ब्राण्ड-खुशाली), घी (ब्राण्ड- डेयरी सरस), घी (ब्राण्ड- कृशणन्म) व घी (ब्राण्ड- रघु श्री) के 4 नमूने लिये, साथ ही 43 लीटर घी को सीज किया गया है। सभी नमूनो को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला अजमेंर में जाँच हेतु भिजवाया जायेगा। रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत विधिक कार्यवाही की जायेगी।शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत संपूर्ण जिले मे अनवरत रूप से कार्यवाही जारी रहेगी। खाद्य करोबारकर्ताओ को खाद्य अनुज्ञा पत्र बनाने, खाद्य अनुज्ञा पत्र को प्रतिश्ठान में उचित स्थान पर प्रदर्शित रखने, खाद्य तेंल व मसालो को खुले में नही बेचने, साफ-सफाई रखने, खाद्य सामग्री मिठाईया इत्यादि ढककर रखने, उच्च गुणवता युक्त खाद्य सामग्री काम में लेने तथा पेकिग मटेरियल फुड ग्रेड श्रेणी का काम में लेने हेतु निरन्तर प्रेरित किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानो का उल्लंघन करने पर सजा एवं जुर्माने का प्रावधान है।

दिवाली से पूर्व 159 आवंटियों को मिले सपनों के घर के आवंटन पत्र, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री ने किया वितरण

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित समृद्धि अपार्टमेंट, जयपुर के 159 पात्र आवंटियों को बुधवार को उनके आवंटन पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने लाभार्थियों को उनके सपनों के घर के दस्तावेज़ सौंपे। यह आयोजन प्रताप नगर स्थित मण्डल के वृत प्रथम कार्यालय में चल रहे ÷शहरी सेवा शिविर 2025÷ अभियान के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में जनसेवा को त्वरित, पारदर्शी और सुलभ बनाना है। मंत्री खर्रा ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि हर परिवार को सम्मानजनक जीवन देना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ÷हर सर को छत÷ के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मंत्री खर्रा ने सभी 159 आवंटियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत और आत्मनिर्भर जीवन की नींव हैं। उल्लेखनीय है की शहरी सेवा शिविर 2025 के माध्यम से मण्डल ने अब तक लगभग 2 हजार 200 से ज्यादा प्रकरणों का निस्तारण किया है। इस अवसर पर आवासन अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने अपनी योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को प्राथमिकता दी है। उन्होंने बताया कि ÷समृद्धि अपार्टमेंट÷ परियोजना आम नागरिकों को किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास प्रदान करने का सफल उदाहरण है।उन्होंने कहा कि बोर्ड अब पारंपरिक निर्माण से आगे बढ़कर तकनीकी नवाचार और नागरिक सुविधा केंद्रित परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी समय में बोर्ड द्वारा राज्यभर में कई नई आवासीय परियोजनाएँ प्रारंभ की जाएंगी। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया की समृद्धि आवासीय योजना में प्रति फ्लैट की कीमत 35 लाख अनुमानित थी लेकिन मण्डल ने उसी उच्च गुणवत्ता के साथ प्रत्येक फ्लैट 31 लाख में दिया है। मण्डल भविष्य में भी विभिन्न आय वर्ग के लिए इसी तरह किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध करवाता रहेगा।

जंगली जानवरों में इंसानी बीमारियां :शेर को मिर्गी, तेंदुए को डायबिटीज

जयपुर। वनों की गहराइयों में दहाड़ने वाले शेर और पेड़ों पर फुर्ती से छलांग लगाने वाले तेंदुए आज एक नए खतरे से जूझ रहे हैं - इंसानी बीमारियां। हाल ही में सामने आए कई मामलों ने वन्यजीव विशेषज्ञों और पर्यावरण वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। अब केवल इंसान ही नहीं, बल्कि जंगली जानवर भी मिर्गी, डायबिटीज, मोटापा और तनाव जैसी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

चौंकाने वाले मामले

मध्य प्रदेश के कान्हा नेशनल पार्क में हाल ही में एक शेर को बार-बार दौरे पड़ने के बाद जब जांच की गई तो पता चला कि उसे मिर्गी है। वहीं, महाराष्ट्र के ताडोबा टाइगर रिजर्व में पकड़े गए एक तेंदुए में डायबिटीज की पुष्टि हुई। हाल ही यूपी में गोरखपुर के चिड़ियाघर से कुछ चौंकाने वाली खबरें आईं। यहां जंगली जानवर कैंसर, डायबिटीज और मोतियाबिंद जैसी बीमारियों से पीड़ित पाए गए। गोरखपुर के चिड़ियाघर में एक तेंदुए की मौत कैंसर की वजह से हुई। एक शेर को मिर्गी का दौरा पड़ गया। जबकि एक बाघिन ने मोतियाबिंद के चलते 90 फीसदी तक अपनी आंखों की रोशनी गंवा दी। एक दूसरे तेंदुए की जांच की गई तो पता चला कि उसे डायबिटीज है। ये मामले वन्यजीव स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के लिए हैरान करने वाले हैं, क्योंकि अब तक इन बीमारियों को केवल मनुष्यों से जोड़कर देखा जाता था। कई रिसर्च में यह पहले भी सामने आ चुका है कि जंगली जानवरों को कैंसर, डायबिटिज, कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं होती हैं। अमेरिका के एक एक्वेरियम में इसी साल फरवरी में एक क्लाउडेड लैपर्ड की मौत डायबिटिज की वजह से हुई। जंगली जानवरों को टीबी, हार्ट अटैक भी होते हैं। भालुओं में कई बार हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या देखने को मिली है।

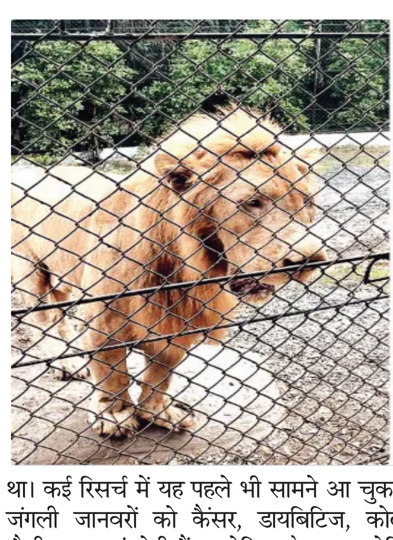

कारणः बदलता परिवेश और मानव हस्तक्षेप

विशेषज्ञों का मानना है कि इंसानी गतिविधियों और पर्यावरणीय बदलावों ने जंगली जानवरों के जीवनचक्र को गहराई से प्रभावित किया है। शहरीकरण के बढ़ते दायरे, प्रदूषण, और भोजन के स्रोतों में बदलाव के कारण जानवरों की प्राकृतिक दिनचर्या बाधित हो रही है। डॉ. अनिल शर्मा, वन्यजीव चिकित्सक, बताते हैं कि जंगलों में अब पहले जैसी शांति और भोजन की विविधता नहीं रही। इंसानी बस्तियों के नजदीक रहने वाले जानवर अक्सर कचरे या इंसानों द्वारा फेंके गए खाने पर निर्भर हो जाते हैं, जिससे उन्हें डायबिटीज या मोटापा जैसी बीमारियां हो रही हैं।

तनाव भी बड़ा कारण

मिर्गी या न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के पीछे तनाव को भी प्रमुख कारण माना जा रहा है। लगातार बदलता निवास स्थान, शिकार में कमी और इंसानों से बढ़ते संघर्ष के कारण जानवरों में तनाव बढ़ रहा है। कई बार शावकों को बचाने में असमर्थ रहने वाले या लगातार शिकार के प्रयासों से घिरे बड़े बिल्लियों में व्यवहारिक परिवर्तन देखे गए हैं- जैसे असामान्य आक्रोश, सुस्ती या अचानक दौरे पड़ना।

किस वजह से इंसानी बीमारियों के शिकार हो रहे जंगली जानवर

विशेषज्ञों की मानें तो इस तरह की बीमारियों का शिकार अधिकतर वही जानवर हो रहे हैं, जिन्हें चिड़ियाघर या एक निश्चित बाड़े में रखा गया है। यहां उन्हें प्राकृतिक खाना नहीं मिल रहा बल्कि इंसानों द्वारा तैयार डाइट दी जा रही है। जंगल में वो तभी खाते हैं, जब भूख लगती है। लेकिन कैद में ऐसा नहीं है, जब मालिक खाना देता है तभी खाना होता है। जंगल में खाने के लिए उन्हें शिकार करना पड़ता है, लेकिन यहां बिना कुछ किए ही खाना मिल रहा है। चिड़ियाघर में उनके पास घूमने-फिरने के लिए भी ज्यादा जगह नहीं होती, जिसके चलते धीरे-धीरे बीमारियां घर करने लगती हैं।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 'हरित दीपावली' के संदेश पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देश पर हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए स्वच्छ और हरित दिपावली मनाने के सन्देश के साथ राज्य के विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान आयोजित किए।बोर्ड द्वारा बिलासपुर, कांगड़ा, शिमला, चम्बा, ऊना, सिरमौर, सोलन और हमीरपुर जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बोर्ड की परवाणु स्थित केंद्रीय प्रयोगशाला ने बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पट्टा मसूलखाना और परवाणु में 'हरित दीपावली' पहल के तहत 'स्वच्छ दीपावली, हरित दीपावली' विषय पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए। इस आयोजन में पटाखे फोड़ने के दुष्प्रभावों के बारे में आमजन को जागरूक करने के लिए विद्यार्थियों द्वारा जन जागरूकता रैली निकाली गई। इसके पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा थीम पर आधारित नारा लेखन और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की क्षेत्रीय प्रयोगशाला, पांवटा साहिब ने भी सिरमौर जिला के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालय बेचड़ का बाग में 'स्वच्छ दीपावली, हरित दीपावली' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और समुदाय को प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान पोस्टर बनाने, नारा लेखन और भाषण जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को ग्रीन दीपावली के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान युवा प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अपनी कलाकृतियों और भाषणों के माध्यम से प्रभावशाली संदेश दिए। प्रधान विज्ञानी डॉ. हितेंद्र कुमार शर्मा ने पटाखों के दुष्प्रभावों पर एक व्याख्यान दिया और सभी से स्वस्थ पर्यावरण के लिए दीपावली मनाने का एक पर्यावरण-अनुकूल तरीका चुनने का आग्रह किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनके सराहनीय प्रयासों के लिए प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। इस आयोजन ने युवाओं के मन में पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीज सफलतापूर्वक बोए। इसी प्रकार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, घनियारा में भी दीपावली जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां विद्यार्थियों ने रैली के माध्यम से स्वच्छ एवं हरित दीपावली का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश को दर्शाती एक सुंदर रंगोली बनाई और उसे मिट्टी के दीयों से सजाया। क्षेत्रीय प्रयोगशाला दारी की विज्ञानी सतविंद्र कौर ने अपने सम्बोधन में पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कांग्रेस नेता ने अपने क्षेत्र में तीन सीबीएसई स्कूलों की मांग की

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से आज शिमला में मंडी जिला के जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता जीवन ठाकुर ने शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र की विभिन्न मांगों पर चर्चा की। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के जोगिंद्रनगर, चौंतड़ा और लड़भड़ोल में सीबीएसई स्कूल खोलने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।जीवन ठाकुर ने इस अवसर पर अपने क्षेत्र के महिला मंडल टिक्करू की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 11,000 रुपये का चेक भी मुख्यमंत्री को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के योगदान आपदा में जरूरतमंदों की सहायता करने में बहुत मददगार साबित होते हैं।

17 अक्तूबर को बिजली बंद

धर्म्याला । विद्युत उपमंडल नम्बर 2 धर्मशाला के सहायक अभियन्ता रमे्य धीमान ने बताया कि विद्युत लाईनों के सामान्य रखरखाव के चलते 11 केवी बगली फीडर के क्षेत्रों नन्दहेड़, पुराना मटौर, घुंडी, बगली, अन्सोली, पटौला, घाना, गंग भैरों, गगली, चैतड़ू, बनवाला, मनेड़, मस्तपुर, कन्दरेहड़, सराह, लोअर सकोह, पुलिस लाईन सकोह तथा साथ लगते क्षेत्रों में 17 अक्तूबर को प्रातः 09:00 बजे से्याम 05:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि 250 केवीए लोअर दाडी ट्रासफॉर्मर के जरूरी रखरखाव के चलते लोअर दाड़ी, जय शिव नगर, वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल दाड़ी के समीप, प्रदुषण नियंत्रण बोड के समीप तथा साथ लगते क्षेत्रों में 17 अक्तूबर को प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे या कार्य की समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने की स्थिति में यह कार्य अगले दिन किया जाएगा।

रैत में बनेगा राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल : केवल सिंह पठानिया

- मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री का जताया आभार, कहा .....शाहपुर के बच्चों के लिए वरदान साबित होगा यह स्कूल

शाहपुर । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के रैत में राजीव गांधी गवर्नमेंट मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल का निर्माण किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बताया कि विद्यालय के निर्माण पर लगभग 5 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य इन स्कूलों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा प्रदान करना है। इन मॉडल डे बोर्डिंग स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, इनडोर स्टेडियम और खेल के मैदान जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों का समग्र विकास हो सके। विधायक पठानिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के प्रयासों से प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा मिल रही है। उन्होंने दोनों का आभार जताते हुए कहा कि रैत में इस स्कूल की स्थापना से शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा का अवसर मिलेगा। विधायक पठानिया ने भावुक होकर कहा कि मैं स्वयं इसी स्कूल से पढ़ा हूं, इसलिए रैत में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल की स्थापना मेरे लिए गर्व का विषय है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह स्कूल शाहपुर के बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाएगा।

आंगनबाड़ी सहायिकाओं के साक्षात्कार 28 से 30 अक्तूबर को रैत में होंगे आयोजित

- शाहपुर, कांगडा व धर्मशाला उपमंडल की कुछ पंचायतों के लिये आवेदन 25 अक्तूबर तक

धर्मशाला। बाल विकास परियोजना अधिकारी रैत ने सूचित किया है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आंगनवाडी सहायिका के रिक्त पदों की भरने के लिए उप मण्डल शाहपुर, उप मण्डल कांगडा व उप मण्डल धर्मशाला के 14, 15 और 16 अक्तूबर को होने वाले साक्षात्कार प्रशासनिक कारणों से स्थगित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब मण्डल शाहपुर के अर्न्तगत रिक्त पदों को भरने के लिए साक्षात्कार 28 अक्तूबर को, उप मण्डल कांगडा के अन्तर्गत रिक्त पदों को भरने के लिए साक्षात्कार 29 अक्तूबर को तथा उप मण्डल धर्मशाला के रिक्त पदों को भरनें के लिए साक्षात्कार 30 अक्तूबर को बाल विकास परियोजना अधिकारी रैत के कार्यालय में प्रातः 10 बजे होंगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी सूचित किया है कि कुछ आंगनवाडी केद्रों में तीन से कम आवेदन प्राप्त होने के कारण या एक भी आवेदन नहीं प्राप्त होने के कारण रिक्त पदों कों भरने के लिए के लिए पुनः आवेदन आंमत्रित किए गये हैं।उन्होंने बताया कि शाहपुर उपमंडल के तहत मुंदला, नेरटी, क्यारी, मंझग्रां, रिछ्यालू और तत्वानी जबकि कांगड़ा उपमंडल के तहत सनौरा, भरूपलाहड तथा धर्मशाला उपमंडल के तहत लांझणी के आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनबाड़ी सहायिका के पदों के लिये आवेदन पुनः आमंत्रित किए गये हैं। इन पदों के लिए शाहपुर उपमंडल का साक्षात्कार 28 अक्तूबर को, कांगड़ा उपमंडल को साक्षात्कार 29 अक्तूबर को तथा धर्मशाला उपमंडल का साक्षात्कार 30 अक्तूबर को बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय रैत में प्रातः 10 होंगे। इनके लिऐ आवेदन 25 अक्तूबर, 2025 तक किसी भी कार्यदिवस को बाल विकास परियोजना अधिकरी कार्यालय रैत में जमा करवाये जा सकते हैं। इसके लिए प्रार्थी की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास तथा आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रार्थी के परिवार की सालाना आय 50 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

चमियाणा और टांडा के बाद आईजीएमसी शिमला में शुरू होगी रोबोटिक सर्जरी: मुख्यमंत्री

शिमला। एआइएमएसएस चमियाणा और टांडा मेडिकल कॉलेज में रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत के बाद राज्य सरकार शीघ्र ही आईजीएमसी शिमला में यह सुविधा उपलब्ध करवाने जा रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यहां बुधवार सांय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आईजीएमसी शिमला में कमला नेहरू अस्पताल के मरीजों की रोबोटिक सर्जरी के लिए 40 बेड आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रदेश के अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनरी उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आईजीएमसी में गाइनी की रोबोटिक सर्जरी शुरू की जाए। बैठक में गाइनी की रोबोटिक सर्जरी से जुड़े अनेक अन्य निर्णय भी लिए गए। उन्होंने कहा कि केएनएच के स्त्री रोग विशेषज्ञ रोबोटिक सर्जरी के अलावा आईजीएमसी में इलेक्टिव सर्जरी भी करेंगे। उन्होंने कहा कि केएनएच प्रशासन रोबोटिक व इलेक्टिव सर्जरी के लिए आईजीएमसी में डॉक्टरों की टीम तैनात करेगा ताकि दोनों जगह महिला रोगियों को सुगम इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि आईजीएमसी में रोबोटिक व इलेक्टिव सर्जरी का तीन माह तक ट्रायल आधार पर प्रयोग किया जाएगा। इसके बाद समीक्षा कर आगामी बदलाव किए जा सकते हैं। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि 25 करोड़ रुपये की लागत से आईजीएमसी में डायग्नोस्टिक लैब स्थापित की जा रही है। कॉलेज प्रशासन को इसके लिए राशि जारी कर दी गई है। इसमें टेस्ट शुरू होने के बाद केएनएच के स्त्री रोग विशेषज्ञों को भी महिला रोगियों के उपचार में काफी लाभ होगा। बैठक में सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी, निदेशक स्वास्थ्य शिक्षा राकेश शर्मा तथा कमला नेहरू अस्पताल के स्त्री रोग विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने युवाओं से अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में मॉडल संयुक्त राष्ट एवं युवा संसद के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक युवा राष्ट है तथा इन युवाओं की रचनात्मकता और ऊर्जा इसे निकट भविष्य में एक विकसित देश का रूप प्रदान करेगी। इस संगोष्ठी का आयोजन केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा विकसित भारत/2047 पहल के अंतर्गत किया गया। राज्यपाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करते हैं। इससे उन्हें वर्ष 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य की दिशा में सार्थक योगदान करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने इस बात की सराहना की कि विद्यार्थी अपनी संस्कृति को जीवंत रखते हुए राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।यह सांस्कृतिक जागरूकता हमारे लोकतंत्र की आत्मा और भारत की वास्तविक पहचान है। राज्यपाल ने जेन-जेड के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के युवाओं का अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ गहरा जुड़ाव है। उन्होंने कुल्लू दशहरा और अन्य धार्मिक उत्सवों जैसे आयोजनों के दौरान इन मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को स्वयं देखा है। कुल्लू दशहरा में युवा श्रद्धालु भगवान रघुनाथ के रथ को अपार श्रद्धा के साथ खींचते हैं, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके अटूट सम्मान को दर्शाता है। युवाओं में ऐसी भावना और समर्पण भारत को एक बार फिर विश्व गुरु के रूप में उभरने में मदद करेगा।उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। हिमाचल के युवाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वे प्रदेश की सादगी, ईमानदारी और मानवता को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वह अपनी ऊर्जा संघर्ष में न लगाकर राष्ट निर्माण में लगाएं। विश्वविद्यालयों में हिंसात्मक गतिविधियों पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने छात्र संगठनों का आह्वान किया कि शारीरिक संघर्षों के बजाय वे वैचारिक संघर्ष में शामिल हों। शैक्षणिक वातावरण को बाधित करने से किसी को कोई लाभ नहीं होता, इसलिए युवाओं को अपनी ऊर्जा राष्ट विकास में लगानी चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत के ऊर्जावान युवा इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार-विमर्श करेंगे और राष्ट निर्माण में सार्थक योगदान देंगे। विचारों की विविधता को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए, श्री शुक्ला ने कहा कि यही लोकतंत्र की असली ताकत है।

स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा देना आवश्यक : राहुल जैन

सोलन । अतिरिक्त उपायुक्त सोलन एवं परियोजना निदेशक ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण राहुल जैन ने कहा कि स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा देने में ऐसे महोत्सव अहम भूमिका निभाते हैं। राहुल जैन आज यहां ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण सोलन द्वारा 8वें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 'ग्रामीण स्वाद महोत्सव' को सम्बोधित कर रहे थे। राहुल जैन ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए पौष्टिक भोजन का सेवन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी उम्र के लोगों के तरह-तरह के पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए जिससे वह स्वस्थ रह सके। उन्होंने कहा कि पोषण माह का उद्देश्य समुदाय में कुपोषण की दर को कम करना, स्वस्थ आदतों व परम्परागत पौष्टिक व्यंजनों का

समावेश करना एवं बच्चों में शारीरिक एवं बौद्धिक विकास को बढ़ाना है।ज़िला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पदम देव शर्मा ने इस अवसर पर राष्ट्रीय पोषण माह के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान सोलन की किरण कश्यप ने इस अवसर पर संस्थान द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षणों की जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित विभिन्न स्वयं सहायता समूह द्वारा पारम्परिक व्यंजनों पर पोषण प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें सोलन खण्ड प्रथम, कण्डाघाट खण्ड द्वितीय तथा धर्मपुर खण्ड तृतीय स्थान पर रहीं। ज़िला पंचायत अधिकारी जोगिन्द्र राणा, राजस्व तहसीलदार भूमिका जैन, ज़िला कार्यक्रम प्रबंधक प्रियंका शर्मा सहित ज़िला की विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं व अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

आगामी शैक्षणिक सत्र से प्रथम चरण में 100 स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम पर किया जाएगा संचालित : रोहित ठाकुर

पाईनग्रोव स्कूल का वार्षिक समारोह आयोजित

सोलन। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र से प्रथम चरण में प्रदेश भर में 100 स्कूलों को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पाठ्यक्रम पर संचालित किया जाएगा। रोहित ठाकुर आज कसौली विधानसभा क्षेत्र के धर्मपुर स्थित पाईनग्रोव स्कूल द्वारा वार्षिक समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि सीबीएसई पैटर्न आधारित स्कूलों का अलग रंग होगा और यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों की अलग रंग की वर्दी होगी। इन स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं के साथ-साथ मैस का प्रबंध भी किया जाएगा और विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाएगा।रोहित ठाकुर ने कहा कि पाईनग्रोव निसंदेह ही देश के बेहतरीन विद्यालयों में शामिल है। उन्होंने कहा कि

पाईनग्रोव स्कूल छात्रों के समग्र विकास पर बल दे रहा है। स्कूल के छात्र शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेल, कला, संगीत, वाद-विवाद और नेतृत्व प्रशिक्षण में बेहतर प्रदर्शन कर रहे है।उन्होंने मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत जरूरतमंद बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए पाईनग्रोव स्कूल की पहल की सराहना भी की।

रोहित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। आज प्रदेश पूर्ण साक्षर राज्यों की सूची में अपना नाम अंकित करवा चुका है। प्रदेश ने आज 07 प्रतिशत साक्षरता से 99.30 प्रतिशत साक्षरता के गौरवपूर्ण मील के पत्थर को हासिल कर लिया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में राज्य सरकार बदलाव ला रही है। सरकार ने कमियों का पता लगाकर उन्हें दूर किया है, जिसके कारण शिक्षा में वर्ष 2021 में 21वें स्थान पर पहुंच चुका हिमाचल प्रदेश आज 5वें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रगतियां केवल आंकड़े नहीं हैं, यह प्रदेश को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र में बदलने के लिए सरकार के दृष्टिकोण का मूर्त रूप हैं।

रोहित ठाकुर ने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मादक पदार्थों के दुरुपयोग और उनके अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ रही है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि द्वारा परेड की सलामी ली गई तथा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्कूली छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

कसौली विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने कहा कि पाईनग्रोव स्कूल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। इस विद्यालय में से शिक्षा ग्रहण कर चुके विद्यार्थी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर रहे है। पाईनग्रोव स्कूल के कार्यकारी निदेशक कैप्टन ए.जे. सिंह ने शिक्षा मंत्री व अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और विद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।मेजर जनरल विनीत गौड, चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन बबलू, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ लिमिटेड (हिमफेड) के निदेशक भीम सिंह जौहटा, पाईनग्रोव स्कूल के प्रशासन की निदेशक समीक्षा सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, पाईनग्रोव स्कूल के अध्यापक व छात्र उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण को सफल बनाने के लिए करें सहयोग : मनमोहन शर्मा

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सामाजिक-आर्थिक आंकड़े एकत्र करने के लिए 80वां राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) जून, 2026 तक ज़िला सोलन में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और अनुसंधान के लिए विश्वसनीय सांख्यिकी डेटा उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि 80वां राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण पर केन्द्रीत है। उपायुक्त ने कहा कि इसका उद्देश्य यात्रा के प्रकार, यात्रा के तरीके, ठहरने के प्रकार, गंतव्य, बुक की गई यात्रा सेवाएं, घरेलू पर्यटन पर यात्रा व्यय, आंगुतकों की विशेषताओं, यात्रा का उद्देश्य और घेरलू यात्राओं के संबंध में यात्रा विशेषताओं पर जानकारी एकत्रित करना है। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण पर्यटन उपग्रह खाता (टीएसए) तैयार करने के लिए आवश्यक है।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि यह सर्वेक्षण पर्यटन को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे को विकसित करने में सहयोगी होगा। उपायुक्त ने कहा कि इस कार्य को ज़िला सांख्यिकी कार्यालय सोलन के कर्मचारियों से प्रशिक्षित सर्वेक्षण दल प्रतिदर्श आधार पर चयनित घरों का दौरा करेंगे। दल के सदस्य टैब एप्लकेशन पर ई-सिग्मा सॉफ्टवेयर (सीएपीआई मोड) की सहायता से घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण की प्रामणिकता के लिए टीम के सदस्य आधिकारिक पहचान पत्र और प्राधिकरण पत्र साथ रखेंगे।

मनमोहन शर्मा ने ज़िला सोलन के सभी नागरिकों से अपील की है कि सटीक जानकारी प्रदान कर सर्वेक्षण टीमों का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि एकत्रित डेटा पूर्णतया गोपनीय होगा, इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी सत्यापन के लिए सांख्यिकी अधिकारी सोलन के कार्यालय दूरभाष नम्बर 01792-223740 तथा ईमेल dso-sol-hp@nic.in पर सम्पर्क किया जा सकता है।

बस्तर में शांति और विकास का नया युग : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ का नक्सलमुक्त होना यह प्रमाण है कि अब बस्तर भय नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की नई पहचान बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत आज नक्सलवाद के अंत की दहलीज़ पर खड़ा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बीते दो दिनों में 258 नक्सलियों का आत्मसमर्पण इस बात का प्रतीक है कि बंदूक नहीं, बल्कि विश्वास की शक्ति जीत रही है। उन्होंने कहा कि बीते 22 महीनों में छत्तीसगढ़ में 477 नक्सली मारे गए, 2110 ने आत्मसमर्पण किया और 1785 गिरफ्तार हुए – यह आँकड़े हमारे राज्य को नक्सलमुक्त बनाने के अडिग संकल्प के साक्षी हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाने का लक्ष्य अब बहुत निकट है। यह परिवर्तन राज्य सरकार की ÷नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025÷ तथा ÷नियद नेल्ला नार योजना÷ की सफलता का प्रत्यक्ष परिणाम है। डबल इंजन सरकार की संवेदनशील नीतियों, बस्तर में लगातार स्थापित हो रहे सुरक्षा शिविरों और वनांचलों में शासन के प्रति बढ़ते विश्वास ने इस सकारात्मक परिवर्तन को संभव बनाया है। उन्होंने कहा कि अब तक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 64 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे न केवल सुरक्षा सुदृढ़ हुई है, बल्कि विकास और विश्वास की किरण भी हर गांव तक पहुँची है। मुख्यमंत्री साय ने हमारे वीर सुरक्षाबलों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही

आज बस्तर भयमुक्त हुआ है और शांति की राह पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर नक्सल आतंक से पूर्णतः मुक्त हो चुके हैं, जबकि दक्षिण बस्तर में यह लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है। नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं ने बस्तर में संवाद, विकास और संवेदना की नई धरती तैयार की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की नीति दो टूक है – हिंसा का कोई स्थान नहीं। जो नक्सली शांति और विकास का मार्ग चुनना चाहते हैं, उनका स्वागत है। लेकिन जो बंदूक उठाकर समाज में आतंक फैलाने की कोशिश करेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने सभी नक्सलियों से अपील की – ÷हिंसा की राह अंतहीन पीड़ा देती है, जबकि आत्मसमर्पण जीवन को एक नई दिशा देते हुए एक नई शुरुआत का रास्ता खोलता है। अपनी मातृभूमि के भविष्य और अपने परिवारों के उज्जवल कल के लिए हथियार त्यागें और विकास की रोशनी में कदम रखें।÷ उल्लेखनीय है कि देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही निर्णायक लड़ाई ने एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर जानकारी कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल आतंक के गढ़ हुआ करते थे, अब पूरी तरह नक्सलमुक्त घोषित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह न केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी सफलता है, बल्कि विकास, विश्वास और संवेदना की नई कहानी भी है। बीते दो दिनों में देश में कुल 258 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि बंदूक नहीं, बल्कि संविधान पर विश्वास की शक्ति जीत रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों से नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम उनके बेहतर भविष्य और देश की एकता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने सभी नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और देश की प्रगति में सहभागी बनें।

खदान धंसने से महिला की मौत, एक घायल

बलरामपुर (निप्र)। जिले के वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत मदनपुर गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। दिवाली के अवसर पर घर की पुताई के लिए छुहीमिट्टी (सफेद मिट्टी) एकत्र कर रही ग्रामीण महिलाओं पर खदान का ऊपरी हिस्सा अचानक भरभरा कर गिर पड़ा। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। दो अन्य महिलाएं इस हादसे में बाल-बाल बच गईं। हादसे के बाद महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबे में दबी महिलाओं को बाहर निकाला। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक महिला की शिनाख्त और अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

बस्तर पुलिस ने दिवाली से पहले पकड़ी 100 पेटी गोवा व्हिस्की, तस्कर फरार

बस्तर (निप्र)। दिवाली से पहले छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पुलिस ने शराब तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मध्य प्रदेश से आ रही गोवा व्हिस्की की तस्करी करते हुए एक वाहन को पकड़ा, जिसमें भारी मात्रा में शराब थी। हालांकि, वाहन चालक पुलिस को देखकर फरार होने में कामयाब रहा। मिली जानकारी के अनुसार यह मामला बड़ांजी थाना क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक वाहन (नंबर ष्ठत्र 17 ऱ9565) में भारी मात्रा में शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम टकरागुड़ा-बेलर मार्ग पर रेड की कार्रवाई की। घटना के दौरान वाहन चालक ने अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी वहीं छोड़ दी और फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें गोवा व्हिस्की की 100 पेटी बरामद हुई। बरामद शराब की कीमत लगभग 6 लाख 40 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर थाने लेकर आई। बड़ांजी थाना के पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी युवक की तलाश जारी है

और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और तस्करी में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को सराहा है और पुलिस से कहा कि ऐसे प्रयास तस्करी और अवैध शराब की बिक्री पर नियंत्रण रखने में मदद करेंगे। पुलिस अधिकारियों ने भी जनता से अपील की है कि अवैध शराब की जानकारी मिलने पर तुरंत सूचना दें, ताकि कार्रवाई समय पर की जा सके। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई दिवाली के त्योहार के मद्देनजर की गई थी, ताकि अवैध शराब की बिक्री और तस्करी से संबंधित अपराधों को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में शराब तस्करी की घटनाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में पुलिस कड़ी कार्रवाई करती रहेगी। बड़ांजी थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए एक अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शराब तस्करों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और आने वाले दिनों में ऐसे अन्य प्रयास भी किए जाएंगे। पुलिस ने यह भी कहा कि वाहन के साथ पकड़ी गई शराब की सही गिनती और मात्रा की पुष्टि के लिए आगे जांच जारी है। इसके अलावा, यह भी पता लगाया जा रहा है कि शराब कहां से लाई जा रही थी और इसके वितरण में कौन-कौन लोग शामिल थे। इस घटना से जिले में अवैध शराब तस्करी पर नियंत्रण के प्रयासों को और मजबूत माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल एक उदाहरण है और आगे भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। बस्तर पुलिस ने यह स्पष्ट किया है कि शराब तस्करी और बिक्री के मामलों में कोई भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा। फरार आरोपी युवक की जल्द गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इस पूरे मामले ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की तत्परता को दिखाया है। पुलिस का मानना है कि त्योहार के मौसम में समय पर कार्रवाई करने से अवैध शराब की तस्करी और बिक्री पर नियंत्रण रखना आसान होगा और जनता को सुरक्षित वातावरण मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में एक और जिला बनाने की मांग

कोरबा (निप्र)। राज्योत्सव के अवसर पर कटघोरा को जिला घोषित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है. वर्षों से इस मांग को लेकर संघर्ष कर रहे अधिवक्ताओं और स्थानीय संगठनों ने एक बार फिर प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि अगर 1 नवंबर तक सरकार ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कटघोरा के अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधियों ने अनुविभागीय अधिकारी (स्ष्ठरू) को ज्ञापन सौंपते हुए कटघोरा को अलग जिला बनाए जाने की मांग की. मुख्यमंत्री से आग्रह किया गया है कि राज्योत्सव के दिन - यानी 1 नवंबर को कटघोरा को जिला घोषित किया जाए. अब एक बार फिर यह मांग जोरों पर है, जिसमें 50 से अधिक सामाजिक संगठन और समुदाय समर्थन दे चुके हैं. अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों में जनप्रतिनिधियों ने कटघोरा को जिला बनाने का वादा किया था, लेकिन चुनाव के बाद यह वादे पूरे नहीं हुए। अब जनता की मांग है कि वर्तमान सरकार इस मांग को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करें।

जल प्र्रदाय योजनाओं का हो शत प्र्रतिशत संचालन : कलेक्टर महोब

जांजगीर-चांपा (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप जिले में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए है, और कहा है कि शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या न हो। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जल जीवन मिशन श्री जन्मेजय महोबे ने आज जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित जल प्रदाय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, कार्यपालन अभियंता आदित्य प्रताप सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन योजना के तहत जिन गांवों का कार्य पूर्ण हो गया है उनमें हर घर जल अभियान के तहत नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिले के हर घर जल के तहत सभी 135 प्रमाणीकृत गांवों में शत प्रतिशत जल उपलब्धता के सुचारू रूप से संचालित करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन योजना के तहत् कार्य निर्धारित मापदंड, गुणवत्ता के साथ एवं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन में आने वाली बिजली की समस्या के संबंध में संबंधित को प्रगति प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा करते हुए समय पर कार्य पूर्ण कराये जाने में आ रही समस्याओं का निराकरण शीघ्र कराये जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से प्रत्येक योजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों को मिशन के संचालन की

जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से दी जाए। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव से पहले सभी जल प्रदाय योजनाओं को पूरी तरह से चालू किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसके माध्यम से सभी पात्र घरों में जल उपलब्धता की गारंटी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की प्राथमिक योजना है, और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने को कहा, साथ ही प्रतिदिन की प्रगति की मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती के उल्लास में तोकापाल में लगा कुष्ठ विकृति सुधार व त्वचा जांच शिविर

10 मरीजों को मिला उपचार, एक नए कुष्ठ रोगी की हुई पहचान

जगदलपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की जनकल्याणकारी मंशा के अनुरूप और राज्य शासन स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तोकापाल में एक महत्वपूर्ण कुष्ठ विकृति सुधार एवं त्वचा जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन स्वास्थ्य विभाग को 10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक चरणबद्ध रूप से कार्यक्रम आयोजित करने के प्राप्त निर्देशों की श्रृंखला का एक हिस्सा था। शिविर में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें बस्तर संभाग डॉ. महेश शांडिया, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. व्ही. के. ठाकुर तथा पूरे आयोजन का मार्गदर्शन खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषभ साव उपस्थित रहे। शिविर का मुख्य उद्देश्य कुष्ठ रोगियों को

आवश्यक सेवाएँ और उपचार उपलब्ध कराना था। इस दौरान उपस्थित 10 उपचाररत एवं अक्षमता वाले कुष्ठ मरीजों का विकृति सुधार हेतु महत्वपूर्ण जल-तेल उपचार किया गया। साथ ही शिविर में आए अनेक त्वचा रोग वाले मरीजों की भी जांच की गई, जिसमें एक बड़ी सफलता मिली। जांच के दौरान 01 मरीज में कुष्ठ रोग की पुष्टि हुई, जिसे तत्काल उपचार प्रदान कर रोग से सम्बंधित आवश्यक जानकारी दी गई। तोकापाल में अक्षमता एवं विकृति सुधार हेतु प्रति सोमवार को नियमित रूप से जल-तेल उपचार शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसका लाभ मरीज उठा सकते हैं। शिविर को सफलतापूर्वक संपादित करने में कुष्ठ सहायक शिव नारायण पाण्डे, बीपीएम अल्का वैद्य, मलेरिया निरीक्षक सुदर्शन कश्यप एवं जगदलपुर से आए राजन माली तथा अन्य स्वास्थ्य अमले की महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही। यह शिविर रजत जयंती वर्ष में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने के राज्य सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

सुशासन शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं का हो रहा निराकरण - विधायक गोमती साय

जशपुरनगर (निप्र)। लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने एवं ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण करने के उद्देश्य से जिले में सुशासन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज पत्थलगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुलडेगा में जिला स्तरीय सुशासन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय स्टाल लगाए गए, जिनके माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में भारी संख्या में बुलडेगा सहित आसपास गांव के लोग शामिल हुए। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जिनका विभागों द्वारा यथासंभव निराकरण भी किया गया। शिविर में सरगुजा विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र विधायक श्रीमती गोमती साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। साथ ही कलेक्टर श्री रोहित व्यास एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को विभागीय योजनाओं एवं उनके लाभ के बारे में जानकारी दी। विधायक श्रीमती साय ने शिविर स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर लोगों को लाभान्वित किये जा रहे गतिविधियों की जानकारी ली। शिविर में केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं जैसे राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड, फसल बीज, मछली जाल आदि से लोगों को लाभान्वित किया गया। साथ ही मौके पर आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया।इस दौरान विधायक श्रीमती साय ने महिला एवं

बाल विकास विभाग अंतर्गत बच्चों के अन्नप्रासन्न एवं गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म अदा की। इस दौरान शिविर में जिला पंचायत सदस्य सुरुचि पैंकरा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती धनियारो परहा, एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारीगण एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे। शिविर में विधायक श्रीमती साय ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि समस्त योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को मिले। साथ ही उनके सभी समस्याओं का निराकरण भी हो। इसी उद्देश्य से सुशासन शिविर लगाया जा रहा है। इसके तहत लोगों की समस्याओं का यथा संभव निराकरण भी किया जा रहा है। साथ ही लोगों को उनके आवेदनों के निराकरण की जानकारी भी दी जा रही है। विधायक ने कहा कि केन्द्र और राज्य की सरकारें गांव, गरीब, किसान की प्रगति और खुशहाली के लिए सतत् कार्य कर रही हैं। उन्हें विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के आवास, जल जीवन मिशन के तहत घर पहुंच पानी, बिजली, सड़क, अस्पताल, स्कूल, शौचालय एवं विभिन्न सुविधाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

कलेक्टर व्यास ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप शासकीय कामकाज में पारदर्शिता लाने तथा शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के अलावा आम जनता के समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करने के उद्देश्य से सुशासन शिविर लगाया जा रहा है। शिविर स्थल में विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर अपने-अपने विभाग के योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। कलेक्टर श्री व्यास ने आम जनता को यह आश्वस्त किया कि सुशासन शिविर के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा लोगों को आवास की सुविधा से लाभान्वित करने प्रधानमंत्री आवास योजना का सुचारू क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके तहत जिले में 50 हजार नए आवास स्वीकृत किए गए हैं। जिससे सभी परिवारों को आवास की सुविधा मिलेगी। कलेक्टर ने लोगों से प्रगतिरत आवास के कार्यों को तेजी से पूर्ण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सप्ताह सभी ग्राम पंचायत में ग्रामीण सचिवालय का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत स्थानीय अधिकारी कर्मचारी पंचायत में मौजूद रहकर ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त कर यथासंभव निराकरण करेंगे।

गजरथ यात्रा के माध्यम से 90 स्कूलों के 9800 छात्रों को हाथी के व्यवहार व गतिविधि की दी गई जानकारी

जशपुरनगर (निप्र)। गजरथ यात्रा द्वारा निरंतर स्कूलों में जाकर हाथी के व्यवहार एवं गतिविधि की जानकारी दी जा रही है। जशपुर वनमण्डलाधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार गजरथ यात्रा के माध्यम से अब तक जिले के 90 स्कूलों में 9800 छात्र-छात्राओं को हाथी के व्यवहार एवं गतिविधि की जानकारी दी जा चुकी है। इनमें फरसाबहार, कुनकुरी एवं बगीचा विकासखण्ड अन्तर्गत आने वाले 75 स्कूलों के लगभग 8205 छात्र-छात्राएं एवं पत्थलगांव विकासखण्ड अंतर्गत 15 स्कूलों के 1595 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। वर्तमान में पत्थलगांव विकासखंड में निरंतर गजरथ यात्रा अपना कार्य कर रही है। गजरथ यात्रा हाथी प्रभावित अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर दौरा कर रही है। विशेष रूप से हाथी प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों में कक्षा 06 वीं से 12वीं के छात्र-छात्राओं को जानकारी देकर जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही गांव के चौपालों में चलचित्र के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों में जागरूकता लाने का कार्य करेंगी। उल्लेखनीय है कि गजरथ यात्रा 2025 का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा 21 जून 2025 को किया गया था। इसका उद्देश्य हाथी मानव द्वंद को न्यूनतम करने लोगों में जागरूकता प्रसार करना था। विगत कई वर्षों से जशपुर जिला हाथी विचरण क्षेत्र रहा है एवं हाथियों की उपस्थिति निरंतर बनी हुई है। यहां की भौगोलिक संरचना तथा घने वनक्षेत्र एवं अन्तर्राज्यीय सीमा से लगे होने के कारण कई स्थलों से हाथियों का प्रवेश जशपुर जिले में होता है। जिससे हाथी मानव द्वंद की घटनाएं होने की संभावनाएं बनी रहती है।

मुख्यमंत्री के निर्देश का हुआ त्वरित अमल, मुसाफिर पंजी में दर्ज होने लगा रिकॉर्ड

कोरिया (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा हाल ही में आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के साथ ही 'मुसाफिर पंजी' के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए गए थे। मुख्यमंत्री साय ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया था कि गांवों में बाहरी राज्यों एवं शहरों से आने वाले व्यक्तियों का पूरा ब्यौरा संधारित किया जाए वे किस उद्देश्य से आए हैं, कहां से आए हैं,

कितने समय के लिए रुके हैं, तथा उनका नाम, पता, आधार और मोबाइल नंबर इत्यादि जानकारी कोटवार के पंजी में दर्ज की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के त्वरित अनुपालन में तहसील सोनहत में सभी 79 कोटवारों द्वारा मुसाफिर पंजी संधारित किया गया है। पंजी का निरीक्षण संबंधित पटवारी एवं कानूनगो द्वारा किया गया है, जिससे दर्ज जानकारी का सत्यापन सुनिश्चित हुआ है। इन पंजियों में बाहरी शहरों एवं राज्यों से आने वाले फेरीवाले, बर्तन बेचने वाले, श्रृंगार सामग्री विक्रेता सहित अन्य मुसाफिरों का विवरण नियमित रूप से दर्ज किया जा रहा है। इस पहल से ग्राम स्तर पर आने-जाने वालों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को 04 लाख की राशि स्वीकृत

जशपुरनगर (निप्र)। कलेक्टर रोहित व्यास ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को आर.बी.सी. 6-4 के तहत् 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। कांसाबेल तहसील अंतर्गत ग्राम बटईकेला निवासी स्व. गजाधर राम पाल का मधुमक्खी के काटने से 08 फरवरी 20255 को मृत्यु हो गई। मृतक के निकटतम वारिस उनकी पत्नी राधा बाई हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

भाई दूज पर 23 अक्टूबर को स्थानीय अवकाश घोषित

महासमुंद (निप्र)। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा कैलेण्डर वर्ष 2025 के लिए समस्त शासकीय कार्यालयों तथा संस्थाओं के लिए पूर्व में जारी आदेश में संशोधित किया गया है। संशोधित आदेशानुसार दीपावली का दूसरा दिन (गोवर्धन पूजा) 21 अक्टूबर को घोषित स्थानीय अवकाश को परिवर्तित करते हुए भाई दूज (दीपावली) के दिन गुरुवार 23 अक्टूबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। उपरोक्त स्थानीय अवकाश बैंक, कोषालय, उपकोषालय के लिए लागू नहीं होगा।

जिले को बाल विवाह मुक्त करने बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

कोण्डागांव (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य को बाल विवाह मुक्त घोषित किये जाने के परिपालन में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देश एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोंडागांव के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत की अध्यक्षता में 15 अक्टूबर 2025 को कोण्डागांव एवं बड़ेराजपुर के जनपद पंचायत भवन में बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों (ग्राम पंचायत सचिव) को बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को 2 अक्टूबर 2025 से आयोजित किये गये ग्राम सभाओं में बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत का प्रस्ताव पारित किये जाने की जानकारी दी गई। प्रस्ताव पारित किये जाने शेष पंचायतों के बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किये जाने हेतु ग्राम सभा में शपथ ग्रहण कर प्रस्ताव पारित किया जाना है। शासन द्वारा विवाह हेतु निर्धारित लड़के का 21 एवं लड़की की 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही विवाह किया जाना, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह के दुष्परिणाम संबंधी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को बाल विवाह मुक्त कोण्डागांव संबंधी शपथ ग्रहण करवाया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत, शिक्षा विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड लाईन के अधिकारी, कर्मचारियां उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागियों का किया सम्मान

बालोद (निप्र)। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बुधवार 15 अक्टूबर को संयुक्त जिला कार्यालय स्थित अपने कक्ष में राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शामिल होने वाले राजहरा वेटलिफ्टिंग एसोशिएशन के प्रतिभागी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने जिले के वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों के उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों के मांग पर दल्लीराजहरा में खिलाड़ियों के जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

सिर्फ 25 की उम्र में ओलंपिक चैंपियन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे सफल तैराकों में से एक, ऑस्ट्रेलिया की एरियार्न टिटमस ने सिर्फ 25 साल की उम्र में तैराकी से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है. चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर यह ऐलान किया. उन्होंने कहा कि अब उनके जीवन में कुछ चीजें तैराकी से ज्यादा अहम हो गई हैं.

पेरिसओलंपिक में रचा था इतिहास

एरियार्न टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की दिग्गज तैराक केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था. खास बात यह रही कि उन्होंने इस इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था.

खत्म हुआ एरियार्न टिटमस का सुनहरा करियर

टिटमस के नाम कुल 33 अंतरराष्ट्रीय पदक दर्ज हैं. इनमें 4 ओलंपिक स्वर्ण, 3 रजत, और 1 कांस्य शामिल हैं. इसके अलावा उन्होंने चार विश्व खिताब भी अपने नाम किए. उन्होंने न केवल अपनी देश की उम्मीदों पर खरा उतरीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला तैराकी में एक नया मानदंड स्थापित किया.

क्यों लिया संन्यास का फैसला?

टिटमस ने अपने बयान में कहा, मुझे हमेशा से ही तैराकी में बेहद रूचि रही है. बचपन से ही ये मेरा सपना और जुनून रहा है, लेकिन अब जब मैंने थोड़ा वक्त इस खेल से दूर बिताया, तो महसूस किया कि जीवन में और भी बहुत कुछ है, जो मेरे लिए अब ज्यादा मायने रखता है. उनके इस बयान ने फैंस को भावुक कर दिया है.

अब खेल से बाहर नई शुरुआत की तैयारी

हालांकि एरियार्न टिटमस के कोच और प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे कि वह 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में वापसी करेंगी, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि उन्होंने नया रास्ता चुन लिया है. उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन वह इस जीवन के नए अध्याय को लेकर उत्साहित हैं.

फीफा को लेकर फैंस में भारी क्रैज, विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिके

मियामी, एजेंसी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। फीफा ने यह भी घोषणा की कि उसकी 'रीसेल साइट खुल गई है और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में विश्व कप फाइनल के टिकट बृहस्पतिवार दोपहर तक 9,538 डॉलर से लेकर 57,500 डॉलर प्रति सीट की कीमत पर उपलब्ध थे।

नाओमी ओसाका के लगी चोट, जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल से हटीं

ओसाका, एजेंसी। नाओमी ओसाका बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से हट गईं। मैच से पहले ओसाका के हटने से जैकलिन क्रिस्टियन को वाकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहुंच गईं। डब्ल्यूटीए टूर ने यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा कि शीर्ष वरीय ओसाका दूसरे दौर के मैच के दौरान लगी चोट से नहीं उबर पाईं। क्रिस्टियन ने इस साल तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। चोट के कारण बाहर होने से पहले ओसाका ने वकाना सोनोबे और 2024 की चैंपियन सुजेन लेमेन्स को हराया। जापान ओपन के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता लेला फर्नांडिज ने रेबेका रैमकोव को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलेंगे...

● ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा अक्षर पटेल का चेहरा बदल गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का आगाज 19 अक्टूबर से पर्थ में हो रहा है. इस सीरीज से पहले ट्रेविस हेड और अक्षर पटेल ने मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल पूछा गया. ट्रेविस हेड से पूछा गया कि ये ऑस्ट्रेलिया में विराट और रोहित दोनों की आखिरी सीरीज हो सकती है तो इसपर उन्होंने कहा कि उनके साथ खेलना सम्मान की बात है. साथ ही उन्होंने ये उम्मीद जताई कि ये दोनों दिग्गज 2027 वर्ल्ड कप भी खेलें. हालांकि ट्रेविस हेड के इस बयान के बाद अक्षर पटेल की जो भाव भंगिमा बदली उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

ट्रेविस हेड ने क्या कहा?

ट्रेविस हेड ने मीडिया से बातचीत में विराट और रोहित दोनं की तारीफ की. उन्होंने कहा, 'रोहित और विराट दोनों सफेद गेंद के खेल के महान खिलाड़ी हैं. विराट कोहली शायद सर्वकालिक महान वनडे क्रिकेटर हैं और रोहित भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं. उनके लिए काफी सम्मान है. मुझे लगता है कि दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले है. खेल के लिए बहुत अच्छा होगा.' ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा, गंभीर भाव से इस बात को सुन रहे अक्षर पटेल अचानक मुस्कुराने लगे. उन्होंने दोनों के वर्ल्ड कप 2027 खेलने के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा लेकिन इस ऑलराउंडर ने इस बात की पुष्टि कर दी कि रोहित और विराट वनडे सीरीज के लिए बिल्कुल तैयार हैं.

अक्षर ने विराट-रोहित पर क्या कहा?

अक्षर पटेल ने कहा कि विराट और रोहित जानते हैं कि दोनों को क्या करना है. उन्होंने कहा, 'विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं. दोनों प्रोफेशनल खिलाड़ी हैं, जानते हैं कि क्या करना है, वो तैयार हैं. अगर आप उनकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे तो वो अच्छी तैयारी कर रहे हैं. मुझे लगता है कि वो तैयार हैं. सभी खिलाड़ियों ने अपना फिटनेस टेस्ट दिया है और सीरीज के लिए तैयारी पूरी है.'

महिला विश्व कपः

मैच से पहले बोली इंग्लैंड की कप्तान, इस भारतीय बल्लेबाज को रोकना आसान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में रविवार को होने वाले महिला वनडे विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का नाम है स्मृति मंधाना। भारतीय उप-कप्तान हाल ही में अपनी शानदार फॉर्म में लौटी हैं और विपक्षी कप्तान हीथर नाइट मानती हैं कि उन्हें बल्ले से शांत रखना इंग्लैंड के लिए सबसे मुश्किल काम होगा। स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में 80 रनों की दमदार पारी खेली थी, भले ही वह मैच भारत हार गया हो। लेकिन इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि बाएं हाथ की यह स्टार बल्लेबाज एक बार फिर अपने रंग में लौट आई हैं। टीम इंडिया चाहेगी कि मंधाना और हरमनप्रीत कौर इंग्लैंड के खिलाफ रन बरसाएं और टीम को जीत की राह दिखाएं।

वो अब भी वही पुरानी स्मृति है- हीथर नाइटः इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान हीथर नाइट ने कहा, जब मैंने पहली बार उसके खिलाफ खेला था, तब से लेकर अब तक उसमें बहुत कुछ वैसा ही है।

वह अब भी वही पुरानी स्मृति है- शांत, आत्मविश्वासी और बेहद खतरनाक। बल्ले से उसे रोकना आसान नहीं होगा, और यही हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

नाइट ने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हरमन का जुनून और ऊर्जा भारत को एक खतरनाक टीम बनाते हैं। उन्होंने कहा, हरमन और स्मृति दोनों बिल्कुल अलग हैं- एक जहां शांत और स्थिर है, वहीं दूसरी आग और जोश से भरी हुई। हरमन का जोश टीम को प्रेरित करता है, और उनके खिलाफ खेलना हमेशा कठिन रहता है।

मंधाना की विनम्रता पर मुग्ध नाइटः हीथर नाइट ने स्मृति के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मुझे लगा कि यह लड़की बहुत खास है। वह चाहे जितनी प्रसिद्ध हो गई हो, लेकिन उसका व्यवहार अब भी विनम्र है।

यह बात मुझे हमेशा प्रभावित करती है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने स्मृति के साथ इंग्लैंड की वेस्टर्न स्टॉर्म टीम में और बाद में आरसीबी के लिए भी खेला था। पहला डब्ल्यूपीएल सीजन उसके लिए मुश्किल था, लेकिन जिस तरह से उसने अगले साल वापसी की, वह उसके मजबूत इरादों की मिसाल है। भारत में वह सचमुच एक 'रॉकस्टार' है लेकिन इसके बावजूद जमीन से जुड़ी हुई।

इंग्लैंड की कप्तान साइवर-ब्रंट ने भी जताई चिंताः इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने भी माना कि भारत के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा। उन्होंने कहा, हरमनप्रीत अगर अपने ज़ोन में आ गईं तो उन्हें रोकना लगभग नामुमकिन है।

भारत के खिलाफ ओडीआई सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को करारा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले करारा झटका लगा है. ऑस्ट्रेलिया कुल मिलाकर ऐसा बिल्कुल भी नहीं चाह रहा था, क्योंकि उनके कई स्टार खिलाड़ी पहले ही सीरीज से बाहर हैं. अब इंजरी के कारण यह स्टार ऑलराउंडर भी बाहर हो गया है.

दरअसल, अ टीम के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन चोट के कारण तीन मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं. ग्रीन को ट्रेनिंग के दौरान हल्की साइड स्ट्रेन (पेट के पास खिंचाव) की शिकायत हुई थी, जिसके चलते वे नहीं खेल पाएंगे. उनकी जगह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया गया है. सीरीज की शुरुआत रविवार (19 अक्टूबर) से पर्थ में हो रही है. मार्नस लाबुशेन को शुरू में ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के चलते अब उन्हें मौका दिया गया है. कैमरन ग्रीन की यह नई चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका है. हाल ही में वह पीठ की चोट से उबरकर दोबारा गेंदबाजी करने लौटे थे. अपने पिछले वनडे मैच में उन्होंने 118* रन की बेहतरीन पारी खेली थी, जिससे टीम को काफी उम्मीदें थीं. ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की ओर से जो बयान आया है, उसके मुताबिक- कैमरन ग्रीन की चोट मामूली है और वे इस महीने के अंत तक घरेलू क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं, ताकि अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले एशेज टेस्ट की तैयारी कर सकें.

स्टार ऑलराउंडर बाहर...

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने कहा- ग्रीन थोड़े समय के लिए रिहैबिलिटेशन करेंगे और शेफील्ड शील्ड के राउंड तीन में कमबैक की प्लानिंग है.

विराट कोहली संग खेलने का टूटा था सपना, अब डेब्यू पर एमबीएस्टूडेंट ने जड़ा दोहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला हैदराबाद के खिलाफ खेल रही है. हैदराबाद के नेक्सजेन क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे एलीट ग्रुप-डी के इस मुकाबले में दिल्ली के बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया है. दिल्ली ने अपनी पहली पारी 529/4 के स्कोर पर घोषित की. दिल्ली की तरफ से युवा बल्लेबाज आयुष दोसेजा ने 279 गेंदों पर 209 रनों की पारी खेली, जिसमें 25 चौके और पांच छक्के शामिल रहे. आयुष का ये फर्स्ट क्लास में डेब्यू मुकाबला है, जिसे उन्होंने यादगार बना दिया. दिल्ली के लिए सनत सांगवान ने भी दोहरा शतक जड़ा.

सनत ने 21 चौके और तीन छक्के की मदद से 470 गेंदों पर नाबाद 211 रन बनाए. आयुष दोसेजा का फर्स्ट क्लास डेब्यू आठ महीने पहले ही हो गया रहता, तब विराट कोहली भी दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे थे. लेकिन मैच से एक दिन दोसेजा का टखना मुड़ गया और डेब्यू का सपना तब अधूरा रह गया. अब उसी अधूरे सपने को उन्होंने नए अंदाज में पूरा किया. आयुष ने इस दौरान सनत सांगवान के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 319 रनों की साझेदारी की, जिसने दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया.

इस खिलाड़ी ने भी डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतकः आयुष दोसेजा की तरह गोवा के अभिनव तेजराणा ने चंडीगढ़ के खिलाफ अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू पर दोहरा शतक लगाया.

अभिनव ने 320 गेंदों का सामना करते हुए 2025 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और चार छक्के शामिल रहे. एक ही दिन दो डेब्यूटेंट बल्लेबाजों का दोहरा शतक बनाना रणजी इतिहास की एक दुर्लभ घटना मानी जा सकती है.

कोहली के साथ ना खेल पाने का दर्द बरकरार

आयुष दोसेजा ने कहा कि विराट कोहली के साथ खेलने का मौका छिन जाना उनके लिए काफी दुखद था, लेकिन उन्होंने उसे ही प्रेरणा बना लिया. उन्होंने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, किस्मत के अपने इरादे थे. विराट सर के साथ खेलने का मौका बस आया और चला गया. लेकिन रणजी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाना उस दर्द को काफी हद तक कम कर गया. आयुष दोसेजा ने इस इनिंग्स का श्रेय साथी खिलाड़ी सनत सांगवान को भी दिया. दोसेजा कहते हैं, हमने अंडर-23 और अंडर-24 क्रिकेट एक साथ काफी खेली है. हमें पता था कि अगर सकारात्मक तरीके से क्रिकेट खेलेंगे तो रन अपने-आप आएंगे. दिलचस्प बात यह है कि आयुष क्रिकेट के साथ-साथ स्क्ल की पढ़ाई भी कर रहे हैं. आयुष दोसेजा ने बताया, मैं मेरठ की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी से एमबीए कर रहा हूं..

क्रिकेट का नया फॉर्मेट इस दिन होगा लॉन्च, ये हैं नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में आए दिन कोई न कोई बदलाव होते रहते हैं, लेकिन इस बार एक नए फॉर्मेट का जन्म हुआ है. जो क्रिकेट के रोमांच को और ज्यादा बढ़ा देगा. इसके लिए वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी सर क्लाइव लॉयड, साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह को टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट के सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया. इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के पूर्व सीईओ माइकल फोर्डहम को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है.

क्या है नया फॉर्मेट?

टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट के पहलुओं को टी20 के साथ मिलाने की कोशिश करेगा. ये दुनिया का पहला 80 ओवर का फॉर्मेट होगा.

हालांकि दोनों टीमों को एक साथ 40 ओवर खेलने के बजाय उनको 20-20 ओवर की दो पारियां खेलने का मौका मिलेगा.

इसके लिए प्रत्येक टीम दो बार बल्लेबाजी करेगी, ठीक वैसे ही जैसे टेस्ट मैच में होता है. इसमें टेस्ट और टी20 क्रिकेट दोनों के नियम लागू होंगे. इसमें सभी चार परिणाम जीत, हार, टाई या ड्रॉ संभव हो सकते हैं.

टेस्ट ट्वेंटी कब शुरू होगा?

टेस्ट ट्वेंटी का पहला सीजन जनवरी 2026 में शुरू होगा. इसमें 6 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी. जिनमें से तीन भारत से और तीन दुबई, लंदन और संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगी. प्रत्येक टीम में 16 खिलाड़ी होंगे.

इस नए फॉर्मेट का आधिकारिक उद्घाटन 16 अक्तूबर किया गया. टेस्ट ट्वेंटी द वन वन सिक्स नेटवर्क के कार्यकारी अध्यक्ष गौरव बहिरवानी के दिमाग की उपज है. इस फॉर्मेट का पूर्व क्रिकेटरों ने काफी तारीफ की है.

पूर्व खिलाड़ियों ने क्या कहाः ाउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा कि टेस्ट ट्वेंटी से क्रिकेट में रोमांच और बढ़ेगा. इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को भी इसमें भरपूर मौका मिलेगा. वेस्टइंडीज के दिग्गज सर क्लाइव लॉयड ने कहा कि क्रिकेट के हर युग में रहने के बाद मैं ये कह सकता हूं कि खेल ने हमेशा खुद को ढाला है, लेकिन कभी इतनी सोच-समझकर नहीं. टेस्ट ट्वेंटी इस खेल की कला और लय को वापस लाता है, साथ ही इसे आधुनिक ऊर्जा से जीवंत रखता है.

धनतेरस के दिन भूलकर भी खरीदें ये 5 चीजें, जानें इस दिन क्या करें क्या न करें

इस बार धनतेरस 18 अक्टूबर को है। धनतेरस पर खरीदारी से समृद्धि बढ़ती है। लेकिन कुछ चीजें खरीदना अशुभ होता है। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता और दरिद्रता आ सकती है। आइए जानते हैं धनतेरस पर क्या नहीं खरीदना चाहिए। जानें धनतेरस पर क्या करें क्या न करें। इस बार धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर के दिन मनाया जाएगा। धनतेरस का पर्व कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस बार धनतेरस के अवसर पर शनि प्रदोष व्रत का संयोग भी बन रहा है। साथ ही ब्रह्म योग और सर्वार्थ सिद्धि योग भी रहेगा। शास्त्रों के अनुसार, धनतेरस पर खरीदारी करने से धन में और समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। लेकिन, धनतेरस के दिन की गई गलतियां से आपको परेशानी भी हो सकती है। धनतेरस की खरीदारी में भूलकर भी 5 चीजों की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि, ऐसा करना अशुभ माना जाता है। आइए जानते हैं धनतेरस पर किन चीजों की खरीदारी करना अशुभ होता है।

1) स्टील के बर्तन

धनतेरस पर अक्सर लोग स्टील के बर्तन खरीदते हैं लेकिन, इस बार भूलकर भी धनतेरस के मौके पर स्टील के बर्तन न खरीदें क्योंकि, स्टील को शनि का प्रतीक माना जाता है। साथ ही इस बार धनतेरस शनिवार के दिन है। ऐसे में भूलकर भी स्टील के बर्तन न खरीदें क्योंकि ऐसा करने से लक्ष्मी जी से जुड़ी शुभता कम हो जाती है।

2) सरसों का तेल

धनतेरस के मौके पर सरसों के तेल की खरीदारी भूलकर भी नहीं करना चाहिए। क्योंकि, ऐसा करने से आपके जीवन में नकारात्मक आती है। साथ ही घर में बरकत भी नहीं रहती है।

3) लोहा से जुड़े सामान

लोहे से जुड़े बर्तन, या घर की सजावट से जुड़े सामान जो लोहे से बने हों उनकी खरीदारी भी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि, लोहा भी शनि का प्रतीक है और शनि का संबंध न्याय, कर्म और दंड है ऐसे में धनतेरस पर लोहे के सामान की खरीदारी करने से जीवन में संघर्ष बढ़ता है।

4) शीशा क्रोकरी

धनतेरस के मौके पर शीशे का सामान या क्रोकरी आदि की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि, शीशे का प्रतीक राहु से माना जाता है और इन चीजों को खरीदने से घर में नकारात्मकता का वास होता है। साथ ही यह स्थायी समृद्धि का प्रतीक नहीं मानी जाती हैं।

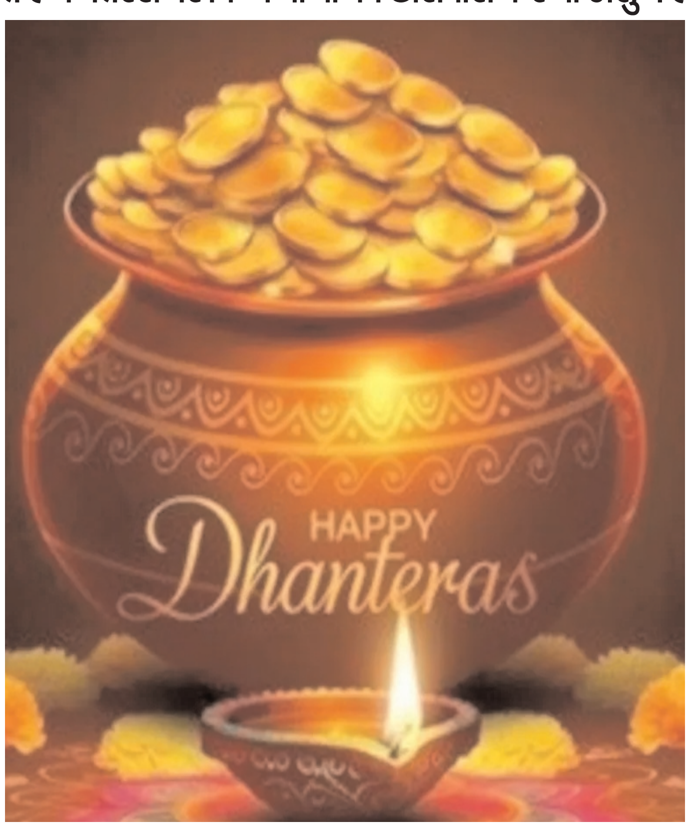

5) एलमुनियम के बर्तन न खरीदें

धनतेरस के मौके पर एल्यूमीनियम से बने बर्तन आदि भी नहीं खरीदने चाहिए। क्योंकि, शास्त्रों में एलुमिनियम को भी राहु का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में धनतेरस के मौके पर ऐलुमिनियम के बर्तन खरीदने से घर में दरिद्रता आ सकती है।

धनतेरस पर क्या करें

1) धनतेरस के दिन मां लक्ष्मी की पोटली बनानी चाहिए। ऐसा करने से सुख समृद्धि बनी रहती है। साथ ही आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता है। वहीं, घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

2) धनतेरस के दिन घर के हर एक कमरे में दीपक जरूर जलाएं। साथ ही घर के मुख्य द्वार पर भी दीपक जलाएं। ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि का वास होता है।

धनतेरस पूजा विधि, मंत्र, जानें किसी मुहूर्त में करें धनतेरस की पूजा

धनतेरस का त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर देवता की पूजा करने का विधान होता है। साथ ही, धनतेरस पर खरीदारी करना भी बहुत लाभदायक सिद्ध होता है। इस दिन शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से पूजा करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है और माता लक्ष्मी की कृपा से धन-धान्य में वृद्धि हो सकती है। बता दें कि इस बार 18 अक्टूबर, शनिवार के दिन धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कि धनतेरस पर पूजा का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा, पूजन विधि, आरती और मंत्र भी जानें...

इस साल 18 अक्टूबर के दिन दोपहर में 12 बजकर 20 मिनट से त्रयोदशी तिथि शुरू होगी और इसका समापन अगले दिन 19 अक्टूबर को दोपहर के 1 बजकर 52 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार, प्रदोष काल में कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि जिस दिन लगती है उसी दिन धनतेरस मनाने की परंपरा है। ऐसे में आप 18 अक्टूबर को धनतेरस की पूजा विधि-विधान से कर सकते हैं। हालांकि, अगर आप खरीदारी 18 तारीख को न कर पाएं, तो 19 अक्टूबर को दिन के 1 बजकर 52 मिनट तक खरीदारी की जा सकती है।

शनिवार, 18 अक्टूबर को त्रयोदशी तिथि में प्रदोष काल के समय धनतेरस की पूजा करना सबसे शुभ रहेगा। पूजा करने का शुभ मुहूर्त 18 अक्टूबर को शाम के वक्त 5 बजकर 4 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। इस अवधि के दौरान भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर देवता की पूजा करना सबसे उत्तम रहेगा। इसके अलावा, आप लाभ चौघाड़िया में यानी शाम को 6 बजकर 41 मिनट से लेकर 7 बजकर 38 मिनट के बीच में भी पूजा की जा सकती है।

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को शाम के समय एक दीप को तेल से भरकर प्रज्वलित करें। इसके बाद, फूल-माला, धूप, कपूर आदि से विधि-विधान पूजा करें। फिर, अपने घर के द्वार पर अन्न के ढेर पर एक दीपक जलाएं। इस बात का ध्यान रखें कि रातभर दीपक जलते रहना चाहिए। इसे बीच में बिल्कुल भी नहीं बुझने देना चाहिए।

धनतेरस पर उदय व्यापिनी तिथि में गोशाला या गायों के आने-जाने के मार्ग में आठ हाथ लंबी और चार हाथ चौड़ी वेदी बनाकर उसपर सर्वतोभद्र लिखें और उसके ऊपर छत्र के आकार का वृक्ष बनाकर उसमें विविध प्रकार के फल, पुष्प और पक्षी बनाएं। वृक्ष के नीचे मण्डल के मध्य भाग में गोवर्द्धन भगवान की, उनके वाम भाग में रुक्मिणी, मित्रविन्दा, शैब्या और जाम्बवतीकी, दक्षिण भाग में सत्यभामा, लक्ष्मणा, सुदेवा और नाग्नजिति की, उनके अग्र भाग में नन्द बाबा, पृष्ठ भाग में बलभद्र और यशोदा तथा कृष्ण के सामने सुरभी, सुनन्दा, सुभद्रा और कामधेनु गौ-इनकी सुवर्णमयी सोलह मूर्तियां स्थापित करें।

उन सबका नाम मन्त्र (यथा गोवर्द्धनाय नमः आदि) से पूजन करके %गवामाधार गोविन्द रुक्मिणीवल्लभ प्रभो। गोपगोपीसमोपेत गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते।% से भगवान ?को और %रुद्राणां चैव या माता वसूनां दुहिता च या। आदित्यानां च भगिनी सा नः शान्तिं प्रयच्छतु।% से गौ को अर्घ्य दे एवं %सुरभी वैष्णवी माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता। प्रतिगृह्णातु मे ग्रासं सुरभी मे प्रसीदतु।% से गौ को ग्रास दें। इस प्रकार अलग-अलग प्रकार के फल, पुष्प, पकवान आदिसे पूजन करके बांस के पात्रों में सप्त धान्य और सात मिठाई भरकर सौभाग्यवती स्त्रियों को दे। इस प्रकार तीन दिन पूजा करनी चाहिए और व्रत रखने वाली इसी विधि से व्रत कर सकते हैं। इसके बाद, चौथे दिन प्रातः स्नानादि करके गायत्री के मंत्र से तिलों की 108 आहुति देकर व्रत का विसर्जन करें तो इससे सुख और संपत्ति का लाभ होता है।

धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा के लिए उनकी तस्वीर को लकड़ी की चौकी पर वस्त्र बिछाकर स्थापित करें। इसके बाद, आचमनी से जल लेकर तीन बार आचमन करें।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेना है। आपका किसी काम को लेकर दूसरों पर निर्भर नहीं रहना है। आप ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार ले सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा और यदि किसी काम में समस्या आ रही थी, तो वह आपके किसी परिजन की मदद से दूर होगी।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आपके खर्च अधिक रहेंगे। आप बिना सोचे समझे खर्च करेंगे, जिसका असर आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। संतान किसी पढ़ाई के लिए कहीं बाहर जा सकती है। आपका कोई रुका हुआ काम पूरा करने के लिए आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा। आपकी नौकरी में भी कुछ समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी।

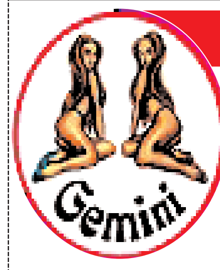

मिथुन

मिथुन- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपकी पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जो लोग सिंगल है, वह परिवार के सदस्य से अपने प्यार को मिलवा सकते हैं। आपको अपने कर्ज को लेकर उन्हे उतारने पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके परिवार का कोई सदस्य नौकरी के लिए घर से दूर जा सकता है। आपको प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने का मौका मिलेगा।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में मधुरता बनाए रखने के लिए रहेगा। आपकी सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। आपके एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप अपनी संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं। आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। आज का दिन आपके लिए आनंद में रहने वाला है।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में चल रही कठिनाइयों से राहत मिलेगी। आपको घर परिवार में चल रही समस्याओं को दूर करना होगा। आपकी कुछ विशेष व्यक्तियों से मुलाकात होगी। आपको कोई फैसला थोड़ा सोच समझकर लेना होगा। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर नजरअंदाज ना करें।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। शेयर मार्केट में निवेश करने वाले लोगों को किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी। आपकी अपनी माता जी से यदि किसी बात को लेकर नाराजगी चल रही थी, तो आप उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करेंगे। आप इधर-उधर के कामों में पड़कर अपने कामों को आगे के लिए टाल सकते हैं।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से काम लेने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ की तैयारी कर सकते हैं। आप किसी दोस्त के साथ कहीं घूमने फिरने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपको रोजगार के नए-नए अवसर प्राप्त होंगे

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। पिताजी का कोई पुराना रोग उभरने से आप परेशान रहेंगे। आपकी भागदौड़ भी अधिक रहेगी। आप किसी नई गाड़ी की खरीदारी कर सकते हैं। आपको धन को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है। आपके भाई से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपके मन में टेंशन बनी रहेगी। आपको किसी से कोई बात नहीं बोलनी है, जो कि बुरी लगे। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा। आप अपने घर की मरम्मत आदि की भी योजना बना सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको किसी यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के लिए आपसे अच्छा रहने वाला है। आपको आपका रुका हुआ धन मिल सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर आप अपने किसी मित्र से बातचीत कर सकते हैं। आप किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को अपने घर लेकर आ सकते हैं। आपको अपने कामों को पूरा करने में कुछ मुश्किलें आएंगी, लेकिन फिर भी अपने काम को आसानी से पूरा कर सकेंगे।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आपको कार्यक्षेत्र में अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे, लेकिन आपको किसी दूसरे पर अपने कामों को लेकर डिपेंड रहने से बचना होगा। वाहनों का प्रयोग आप सावधान रहकर करें। आपको अपने कामों को समय रहते निपटाने की आवश्यकता है। जो लोग विदेशों से व्यापार करें, उन्हें कोई अच्छा लाभ मिलने की संभावना है।

मीन

मीन- आज का दिन आपके लिए रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपने यदि पार्टनरशिप में किसी बिजनेस में हाथ बढ़ाया, तो उसमें आपको बाकी का पूरा साथ मिलेगा। आपके मन में किसी बात को लेकर शांति बनी रहेगी, लेकिन भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे। जीवनसाथी से यदि कुछ अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

दीपावली के शुभ अवसर पर ज़ी टीवी के कलाकार रोशन करेंगे अपने घर और रिश्ते

मुंबई। दीपावली अच्छाई पर बुराई की जीत का प्रतीक है और इसे रोशनी का त्यौहार कहा जाता है। उत्तर भारत में इस दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व होता है, जो समृद्धि और सुख का स्वागत करने का प्रतीक है। इस शुभ मौके पर ज़ी टीवी के कलाकार - गंगा माई की बेटियां की शुभांगी लाटकर, सरू की मोहक मटकर, जगद्धात्री के फरमान हैदर, वसुंधरा के अभिषेक शर्मा, लक्ष्मी निवास की मानसी जोशी रॉय, तुम से तुम तक की निहारिका चौकसे, जाने अनजाने हम मिले की जयती भाटिया और जागृति - एक नई सुबह के सागर पारेख साझा कर रहे हैं अपनी दिवाली की यादें और इस बार के जश्न की अपनी योजनाएं। 'गंगा माई की बेटियां' में गंगा माई का किरदार निभा रहीं शुभांगी लाटकर कहती हैं, दिवाली हमेशा से मेरा पसंदीदा त्यौहार रहा है। इस त्यौहार से बचपन की बहुत सारी प्यारी यादें जुड़ी हैं - पूरे परिवार के साथ घर की सफाई करना, दीयों से हर कोना सजाना और मां की मदद से मिठाइयां बनाना।

कलाकारों ने साझा किए धनतेरस के अपने खास रिवाज

मुंबई। धनतेरस, दीवाली उत्सव का पहला दिन होता है और यह घर-परिवार के लिए खुशी, भक्ति और समृद्धि लेकर आता है। माना जाता है कि इस दिन की गई खरीदारी और पूजा-पाठ से जीवन में सौभाग्य और सकारात्मक ऊर्जा आती है। यह शुभ दिन बस आने ही वाला है और लोग इसे मनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस अवसर पर एण्डटीवी की अभिनेत्रियों ने उन छोटी-छोटी रस्मों और परंपराओं के बारे में बात की, जिन्हें वे धनतेरस पर निभाती हैं, ताकि उनके जीवन में सौभाग्य और समृद्धि आए। इन कलाकारों में शामिल हैं- प्रियंवदा कांत ('घरवाली पेडवाली' की लतिका), हिमानी शिवपुरी ('हप्पू की उलटन पलटन' की कटोरी अम्मा) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी)। प्रियंवदा कांत, जो जल्द ही एण्डटीवी के आगामी शो 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका की भूमिका में दिखाई देंगी, ने कहा, धनतेरस हमेशा मुझे कृतज्ञता और सकारात्मकता से भर देता है। मैं इस दिन को साधारण लेकिन सार्थक बनाने में विश्वास रखती हूँ। हर साल मैं सुबह जल्दी दीपक जलाकर माँ लक्ष्मी से स्वास्थ्य और खुशहाली की प्रार्थना करती हूँ। मैं यह भी सुनिश्चित करती हूँ कि मैं कुछ धातु की चीज़ खरीदूँ, आमतौर पर चांदी के सिक्के या बर्तन, क्योंकि माना जाता है कि यह सौभाग्य को आकर्षित करता है। मेरी माँ और मैं घर के प्रवेश द्वार को रंगोली और दीयों से सजाते हैं ताकि समृद्धि का स्वागत हो। यह छोटा सा रिवाज घर और मन दोनों को साफ कर देता है और दीवाली मनाने के लिए एक सकारात्मक तैयार करता है।

असम में सेना के कैंप पर ग्रेनेड से हमला, तीन जवान घायल; ट्रक से आए थे हमलावर

तिनसुकिया, एजेंसी। गुरुवार देर रात असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर इलाके में जोरदार गोलीबारी और कई ग्रेनेड विस्फोटों की आवाजों ने स्थानीय निवासियों में दहशत फैला दी। यह घटना काकोपाथर सेना शिविर के पास हुई, जहां लगभग एक घंटे तक गोलीबारी की खबरें सामने आईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मध्यरात्रि के आसपास भारतीय सेना की 19 ग्रेनेडियर्स यूनिट के कैंप को निशाना बनाकर ग्रेनेड फेंके गए। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में सेना के तीन जवान घायल हो गए। घटना के बाद, सेना और पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और नागरिकों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया गया है। हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों द्वारा इस्तेमाल किया गया एक ट्रक बाद में पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश के तेंगापानी क्षेत्र में पाया गया। हालांकि अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन प्रारंभिक जांच में संदेह उल्फा (इंडिपेंडेंट) गुट की ओर जाता है, जिसका ऊपरी असम में इस तरह के हमलों का इतिहास रहा है। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बल स्थिति पर कड़ी नजर रख हुए हैं, और मामले की गहन जांच की जा रही है।

ह्यूस्टन के मेयर बोले-दिवाली उत्सव में आकर गर्व हुआ

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका में सर्वाधिक भारतवंशी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने दिवाली के मौके पर शहर से साझेदारी में एक कार्यक्रम किया। इसमें समुदाय के नेता, राजनयिक व भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य एकत्रित हुए। महावाणिज्य दूत डीसी मंजूनाथ और मेयर जॉन व्हिटमायर ने ह्यूस्टन सिटी हॉल में आयोजित समारोह का नेतृत्व किया, जिसमें कांसुल कोर के सदस्यों और सामुदायिक नेताओं ने भाग लिया। अपने संबोधन में मेयर व्हिटमायर ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय को दिवाली की हार्दिक बधाई देते हुए कहा, मुझे भारतीय समुदाय के साथ शामिल होने पर गर्व है।

महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री

करनी छाप को 3 सीटें मिलने का दावा; सहरसा से लड़ेंगे आईपी गुप्ता

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में विपक्षी दलों के महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री हो गई है। पान समाज (तांती, ततवा जाति) की राजनीति करने वाले आईपी गुप्ता ने दावा किया है कि उनकी इंडियन इंक्लूसिव पार्टी को महागठबंधन में 3 सीटें मिल गई हैं। आईपी गुप्ता खुद सहरसा सीट से अपनी पार्टी के करनी छाप चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। उन्होंने शुक्रवार को अपना पर्चा दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि 3-4 सीटों पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को राजद और कांग्रेस के सिंबल पर लड़ाने पर सहमति बनी है। हालांकि, महागठबंधन के प्रमुख दल राजद या कांग्रेस की ओर से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के चीफ आईपी गुप्ता बीते कई दिनों से महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से संपर्क में थे। बिहार वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनकी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात भी हुई थी। इसके बाद पिछले सप्ताह उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के

नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठक का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था।

आईपी गुप्ता ने गुरुवार रात को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि उनकी पार्टी महागठबंधन का हिस्सा बन गई है। हम घर वाले नहीं बल्कि गोतिया बने हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के इतिहास में पहली बार तांती, तता, पान समाज की अपनी पार्टी चुनावी मैदान में उतरेगी।

अखिल भारतीय पान महासंघ के अध्यक्ष आईपी गुप्ता ने कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी बनाई थी। इसी साल अप्रैल महीने में उन्होंने पटना के गांधी मैदान में पान समाज की बड़ी रैली करके सबका ध्यान खींचा था। बिहार में हुए जाति आधारित सर्वे के आंकड़ों के अनुसार तांती-ततवा जाति के लोगों की आबादी लगभग 2 प्रतिशत है। ऐसे में कम मार्जिन से हार-जीत वाली सीटों पर पान समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में रह सकते हैं।

बता दें कि महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, सीपीआई-माले, सीपीएम, सीपीआई और मुकेश सहनी की वीआईपी को मिलाकर 6 पार्टियां पहले से है। आईपी गुप्ता की इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के आने से कुल 7 दल हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महागठबंधन का हिस्सा नहीं बन पाई और 25 सीटों पर अलग से अपने प्रत्याशी उतार दिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो के भी बिहार महागठबंधन में सीटें मिलने पर अभी सस्पेंस है।

बताया जा रहा है कि लालू-तेजस्वी की आरजेडी ने अपने कोटे की सहरसा सीट आईपी गुप्ता को लड़ने के लिए दी है। 2020 में जेडीयू की मौजूदा सांसद लवली आनंद ने सहरसा से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के आलोक रंजन झा से हार गई थीं। एनडीए में भाजपा ने 2025 में फिर से मौजूदा विधायक को ही टिकट दिया है।

माँ की ममता से जन्मी सेवा "पदमा फाउंडेशन" की "निःशुल्क भोजन सेवा" की प्रेरक दास्तान

नई दिल्ली, भारतः "पदमा फाउंडेशन" पंजिकृत एक बेटे का अपनी माँ को दिया गया श्रद्धांजलि है। उमेश अवात्रामणि व दिनेश सहरावत ने एक साथ मिलकर इस संस्था की शुरुआत अपनी माँ की याद में की। वो माँ, जिनकी मुस्कान में ममता और आँखों में केवल अपनापन था। आज वही भावना इस फाउंडेशन के माध्यम से आने लोगों तक पहुँचा रही है। उमेश अवात्रामणि संयुक्त अरब अमीरात में रहते हुए संस्था को भरपूर सहयोग करते हैं, और इस संस्था को उनके करीबी अधिवक्ता मित्र दिनेश सहरावत भारत में जरूरतमंदों के लिए चला रहे हैं।

इसी भावना से जन्मी "फ्री फूड सेवा" एक ऐसा प्रयास जो जरूरतमंदों तक मुफ्त और पौष्टिक भोजन पहुँचाता है। सेवा यानी निःस्वार्थ भाव से किया गया कार्य, इस पूरी पहल की आत्मा है। यह सिर्फ खाना बाँटना नहीं है, यह दिल से दिया गया सम्मान है। हर थाली में प्यार है, अपनापन है, और एक संदेश है। आप अकेले नहीं है, आपकी परवाह है।

उमेश अवात्रामणि ने कहा कि इस संस्था की शुरुआत का हमारा मुख्य उद्देश्य हमारी माँ की उन शिक्षाओं को सम्मान देना था जो मानवता, गरिमा और हर व्यक्ति के लिए सम्मान की भावना पर आधारित थी - चाहे उनका धर्म या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। "फ्री फूड सेवा" हमारी अध्यात्मिक और पारंपरिक परवरिश से प्रेरित है, जिसके लिए हम अपनी प्रिय माताओं के हमेशा आभारी रहेंगे।

दिनेश सहरावत बताते हैं कि "हमारी माँ ने हमेशा सिखाया कि हर इंसान को इज्जत और स्नेह मिलना चाहिए। हम उसी भावना को आगे बढ़ा रहे हैं।"

आज यह पहल सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संवेदनाओं का सेतु बन चुकी है। पदमा फाउंडेशन आज - अस्पतालों के बाहर, बस अड्डों पर, वृद्ध आश्रमों में, नेत्रहीन बच्चों के बीच और अनाथ आश्रमों में। जहाँ यह समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सीधी पहुंच बनाकर उन्हें सहयोग प्रदान कर रही है। हर जगह एक ही मकसद है - इंसानियत को जीवित रखना। फ्री फूड सेवा हमें याद दिलाती है कि एक माँ का प्यार सिर्फ घर तक सीमित नहीं होता - वो पूरी दुनिया में रोशनी फैला सकता है।

वृंदावन से माया नगरी तक इन्वेस्टो रूप का विस्तारः नरेश सिसोदिया

जेवर एयरपोर्ट के पास 5000 हेक्टेयर में विकसित होगा एयरोपोलिस

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास करीब 5,000 हेक्टेयर में एयरोपोलिस क्षेत्र विकसित होगा। यहां बिजनेस, मनोरंजन, वाणिज्यिक, होटल, रेस्त्रां और एविएशन गतिविधियों के जोन बनेंगे। ये सभी जोन क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से जुड़े होंगे। इस योजना पर जल्द काम शुरू करने की तैयारी है।

यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि एयरोपोलिस एक ऐसा क्षेत्र होता है, जो एयरपोर्ट के आसपास बनता है, जो हवाई सेवाओं से जुड़े कामों के कारण एक शहर जैसा बन जाता है। इसे एनसीआर फंक्शनल प्लान 2032 के तहत विकसित किया जाना है। यह परियोजना दिल्ली की एयरोसिटी की तर्ज पर जेवर में नोएडा एयरपोर्ट के आसपास विकसित की जाएगी। हालांकि, इसका आकार दिल्ली की एयरोसिटी की तुलना में कई गुना बड़ा होगा। बताया गया कि दिल्ली की एयरोसिटी में ज्यादातर व्यावसायिक गतिविधियां हैं, जबकि नोएडा एयरपोर्ट के पास एयरोपोलिस रिहायशी और औद्योगिक दोनों जरूरतों को पूरा करेगा। इसका ढांचा अत्याधुनिक होगा। साथ ही, एविएशन हब, नवाचार, टेक हब, व्यावसायिक केंद्र, लॉजिस्टिक, होटल, सर्विस अपार्टमेंट्स, प्रोफेशनल ऑफिस और मनोरंजन थीम पर कार्य होंगे। योजना का काम शुरू करने की तैयारी है। परियोजना के तहत विकास कार्यों के लिए बहुउद्देशीय भूमि उपयोग (मल्टीपल लैंड यूज) की अनुमति दी जाएगी, ताकि जरूरत के अनुसार क्षेत्र विकसित हो सके।

पापुआ क्षेत्र में इंडोनेशियाई सेना और अलगाववादी समूह के बीच संघर्ष

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की सेना ने गुरुवार को कहा कि उसने पापुआ क्षेत्र के इंटान जाया जिले के सोआंगगामा गांव को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। सेना का दावा है कि इस संघर्ष में 14 अलगाववादी मारे गए। हालांकि, अलगाववादियों ने यह दावा खारिज किया है और कहा कि मारे गए में केवल तीन ही लड़ाके थे, जबकि नौ आम नागरिकों की हत्या की गई। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इवान द्वि प्रिहरतोनो ने बताया कि बुधवार सुबह दर्जनों अलगाववादी, जो हथियार और धनुष-बाण लेकर आए थे, ने सैनिकों पर हमला किया। सैनिक उस समय एक अलगाववादी पोस्ट पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे थे। प्रिहरतोनो के अनुसार, सैनिकों ने छह घंटे और 30 मिनट तक चली लड़ाई के बाद अलगाववादियों को खदेड़ दिया और गांव पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने बताया कि सैनिकों को किसी भी तरह के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा। सेना ने इस दौरान एक घरेलू राइफल, चार एयर राइफल, गोलियां, दूरबीन, संचार उपकरण और अलगाववादी संगठन का मॉर्निंग स्टार झंडा बरामद किया। उन्होंने कहा, बाकी अलगाववादी जंगल की ओर भाग गए और हमने उनका बेस कब्जे में ले लिया। पश्चिम पापुआ लिबरेशन आर्मी (फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन का सैन्य हिस्सा) के प्रवक्ता सेबी सांबॉम ने सेना के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई अलगाववादी बेस नहीं था और मारे गए 14 लोगों में से नौ आम नागरिक थे। उनका कहना था कि केवल तीन ही अलगाववादी थे। सांबॉम ने बताया कि सेना ने एक घर को घेर लिया और उसे अलगाववादी पोस्ट समझकर आठ लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा, हमारे पास युद्ध के नियम हैं, हम कभी भी किसी आवासीय इलाके में बेस नहीं बनाएंगे। पापुआ में अलगाववादी आंदोलन 1960 के दशक से चल रहा है, जब इंडोनेशिया ने इस क्षेत्र को अपने कब्जे में लिया था। पापुआ को 1969 में इंडोनेशिया में शामिल किया गया था। जब एक संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित मतदान हुआ था, जिसे व्यापक रूप से विवादित माना गया। हाल के वर्षों में पापुआ में हिंसा बढ़ी है।

बस रही अवैध कॉलोनियों पर चले बुलडोजर, 17 एकड़ में बने मकान-दुकान और पीजी सब तोड़े

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के जिला नगर योजनाकार ने गांव भोंडसी और गांव दौला में 17 एकड़ में बस रही अवैध कॉलोनियों पर गुरुवार को तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से बनाई गई दुकानें, पीजी और चारदीवारी पर बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। डीटीपी अमित मधोलिया ने बताया कि गुरुवार को भोंडसी गांव में पनप रही दो अवैध कॉलोनियों में बने ढांचों को गिरा दिया गया। यह कॉलोनी साढ़े नौ एकड़ से ज्यादा इलाके में विकसित हो रही थीं। दो निर्माणाधीन ढांचों, अवैध रूप से बनाई गई चारदीवारी, 22 डीपीसी (दीवारों की नींव) और अवैध तरीके से बनाए गए पूरे सड़क नेटवर्क को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। चार दुकानों और पीजी को तोड़ दिया गया। एक दिन पहले बुधवार को दौला गांव में ऐसी ही कार्रवाई की गई। यहां करीब आठ एकड़ भूमि को घेरने वाली अवैध चारदीवारी, अवैध रूप से बिछाए गए सीवर पाइपलाइन और बनाए गए सड़क नेटवर्क को पूरी तरह से हटा दिया गया। वहीं, गुरुग्राम के मानेसर के सेक्टर-6 की टूटी मुख्य सड़क दो विभागों के खींचतान में नहीं बनाई जा रही है। सड़क बनाने को लेकर उद्यमियों की ओर सीएम विंडो में शिकायत किए हुए पांच माह चुका है, लेकिन दोनों में आपसी सहमति नहीं होने से 10 से अधिक उद्योगों में काम करने वाले सैकड़ों कर्मियों के लिए परेशानी बनी है। उद्यमी संजय यादव, एनपी सिंह, पुनीत, मनोज जैन ने कहा कि 150 मीटर लंबी सड़क पर काफी समय से नाहरपुर गांव की ओर से सीवर ओवरफ्लो का पानी आने के कारण भर जाता था। सड़क पर एक से दो फीट तक गड्ढे होने के कारण आना जाना काफी मुश्किल हो गया है। टूटी सड़क पर आए दिन घटनाएं होती रहती है। रात में सड़क पर निकलना किसी खतरे से कम नहीं है। इसकी शिकायत के बाद भी नगर निगम, एसएसआईडीसी, जिला प्रशासन की ओर से कोई हल नहीं निकला। इस मामले सीएम विंडो पर बीते मई को एक शिकायत की गई। उद्यमियों का आरोप है कि एचएसआईआईडीसी की ओर से सीएम विंडो की शिकायत को यह कहकर वापस भेज दिया है। हमारे विभाग से संबंधित मामला नहीं। बाद में यह शिकायत मानेसर निगम को भेज दी गई। जहां निगमायुक्त ने शिकायत पर खुद ध्यान देकर सीवर पानी निकासी के लिए स्थाई समाधान करवा दिया। अब सड़क का काम एचएसआईआईडीसी को करना था। उद्यमियों की शिकायत को सीएम विंडो पर समाधान दिखाकर खत्म कर दी गई है।

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और

वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए

भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें

मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए

और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम — दूसरा इनाम

एक हीरो बाईक

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2025से 31 दिसम्बर 2025तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा